मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	41.1	32.5
जमशेदपुर	38.2	27.2
डालटनगंज	42.4	27.6

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

वोट करें देश गढ़ें

www.lagatar.in

रांची, रविवार 26 मई 2024 ● ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 03 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 47

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मोदी बोले- वोट के लिए 'मुजरा' कर रहा विपक्ष

भाषा। पटना/डेहरी/बक्सर।

▪ मोदी ने यह भी आरोप लगाया कि विपक्षी गठबंधन उन लोगों के समर्थन पर भरोसा कर रहा है जो वोट जिहाद में लिप्त हैं.

पीएम नरेंद्र मोदी ने विपक्षी गठबंधन इंडिया पर शनिवार को तीखा हमला किया और उस पर मुस्लिम वोट बैंक के लिए गुलामी और मुजरा करने का आरोप लगाया. बिहार के पाटलिपुत्र, काराकाट और बक्सर की अलग-अलग रैलियों में मोदी ने विपक्ष पर तीखा हमला किया और अल्पसंख्यक संस्थानों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पछड़ा वर्ग को आरक्षण से वंचित करने के लिए राजद और कांग्रेस जैसे दलों को जिम्मेदार ठहराया.

उन्होंने कहा, बिहार वह भूमि है जिसने सामाजिक न्याय की लड़ाई को एक नई दिशा दी है. मैं इस प्रदेश की भूमि पर यह घोषणा करना चाहता हूं कि मैं एससी, एसटी और ओबीसी के अधिकारों को लूटने और उन्हें मुसलमानों को देने की इंडिया गठबंधन की योजनाओं को विफल कर दूंगा. वे गुलाम बने रह सकते हैं और अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए मुजरा कर सकते हैं. मोदी ने यह भी आरोप लगाया कि विपक्षी गठबंधन उन लोगों के समर्थन पर भरोसा कर रहा है जो वोट जिहाद में लिप्त हैं. साथ ही उन्होंने कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश का हवाला दिया, जिसमें कई मुस्लिम समूहों को ओबीसी की सूची में शामिल करने के पश्चिम बंगाल सरकार के फैसले को रद्द कर दिया गया है.

मोदी ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद का नाम लिए बगैर कहा, एलईडी बल्ब के युग में वे लालटेन (राजद का चुनाव चिह्न) लेकर घूम रहे हैं, जिससे केवल उनका घर रोशन होता है और पूरे बिहार को अंधेरे में रखा जाता है. लालू प्रसाद की बड़ी बेटी मीसा भारती लगातार तीसरी बार पाटलिपुत्र से अपनी किस्मत आजमा रही हैं. उन्होंने कहा, भारत को एक ऐसे पीएम की जरूरत है, जो विश्व मंच पर भारत की ताकत के साथ न्याय कर सके. लेकिन ऐसा लगता है कि इंडिया गठबंधन शीर्ष पद के साथ म्यूजिकल चेयर खेलने पर आमादा है. चार जून शाम होते ही राजद वाले कहेंगे, ये कांग्रेस ने लुटिया डुबो दी. एक-दूसरे के कपड़े फाड़ना शुरू कर देंगे. दूसरी ओर हमारे लोग चार जून को मनेर के लड्डू बांटेंगे.

वार पलटवार

विपक्ष बोला : इन्हें डॉक्टर के पास ले चलो

भाषा। नयी दिल्ली

▪ प्रियंका गांधी ने कहा, परिवार का जो मुखिया होता है, उसमें हमेशा परिवार के सदस्यों की एक-दूसरे के प्रति आंखों की एक शर्म होती है.

पीएम नरेंद्र मोदी के मुजरा वाले बयान पर बवाल मच गया है. मोदी की टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा, मैंने पीएम के मुंह से मुजरा शब्द सुना. मोदी जी, ये कैसी मनःस्थिति है? आप कुछ लेते क्यों नहीं? अमित शाह और जेपी नड्डा जी को तुरंत उनका इलाज कराना चाहिए. शायद सूरज के नीचे भाषण देने से उनके दिमाग पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ा है.

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा, मोदी जी आप देश के प्रधानमंत्री हैं, इतनी भी अपनी असलियत मत दिखाइए. आपने देश को अपना परिवार कहा है, देश आपके परिवार समान है. नसीहत भरे अंदाज में प्रियंका ने कहा, परिवार का जो मुखिया होता है, हमेशा परिवार के सदस्यों की एक-दूसरे के प्रति आंखों की एक शर्म होती है, वह नहीं खोनी चाहिए, मोदी जी बौखलाहट में आ गए हैं. इस तरह के शब्द उनके मुंह से नहीं निकलने चाहिए. वहीं, टीएमसी के सांसद साकेत गोखले ने भी कहा, नारी शक्ति से, आदमी अब मुजरा जैसे शब्दों का इस्तेमाल करने पर उतर आया है.

राजद के सांसद मनोज झा ने कहा- वह (मोदी) जो कह रहे हैं, उससे चिंतित हैं. मैं अब उनके बारे में चिंतित हूं. कल तक हम उनसे असहमत थे, अब हमें उनकी चिंता हो रही है. मैंने हाल ही में कहा था कि वह भव्यता के भ्रम का शिकार हो रहे हैं. मछली, मटन, मंगलसूत्र और मुजरा... क्या यह एक पीएम की भाषा है? मैं पहले प्रधानमंत्री से असहमत होता था. अब मुझे प्रधानमंत्री की चिंता हो रही है. वे मेरे देश के प्रधानमंत्री हैं, दुनिया में क्या सोचा जा रहा होगा कि मेरे देश के प्रधानमंत्री की राजनीतिक जुबान कैसी है. कौन-सी फिल्में देख-देख कर ये डायलॉग लिखे जा रहे हैं? अगर कोई ये कहने लगे कि मैं दैव्य रास्ते से आया हूं, मेरा जन्म बायोलॉजिकल तरीके से नहीं हुआ है, अगर हम और आप ये बात कहें तो लोग कहेंगे कि इसे डॉक्टर के पास ले चलो.

तीसरा चरण ▸ रांची, धनबाद, जमशेदपुर और गिरिडीह में शांतिपूर्ण रहा मतदान

लोकतंत्र का महापर्व

झारखंड में 64% वोट

कहां कितना प्रतिशत मतदान

रांची 62.00%

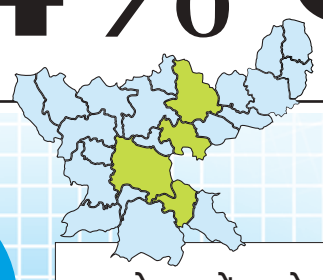

जमशेदपुर 66.92%

धनबाद 60.40%

गिरिडीह 66.86%

जमशेदपुर में सबसे ज्यादा और धनबाद में सबसे कम मतदान

93 प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में कैद

शुभम किशोर। रांची

लोकसभा चुनाव के छठे चरण में शनिवार को झारखंड के चार लोकसभा सीट रांची, धनबाद, जमशेदपुर और गिरिडीह में शांति पूर्ण मतदान हुए. इक्के-दुक्के बूथों को छोड़ दें, तो सभी मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे से वोटिंग शुरु हो गई थी. सुबह 6.30 बजे से ही लोग कतार में लगने शुरू हो गए थे. पहली बार वोट करने वाले युवा लोकतंत्र के इस महापर्व में भाग लेने के लिए उत्साहित दिखे. इस बार सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक मतदान का समय था. कुछ बूथों में मॉक पोल के दौरान ईवीएम में खराबी आ गई. जिससे मतदाताओं को वोट देने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा.

दोपहर तीन बजे तक झारखंड में औसत 54.34% अनुमानित मतदान रहा. मतदान खत्म होने के बाद चुनाव आयोग ने जानकारी दी है कि झारखंड में 63.76% मतदान हुआ है. इसके साथ ही देश के छठे व झारखंड के तीसरे चरण में चारों लोकसभा सीटों के लिए 93 प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में कैद हो गया. चारों लोकसभा में बूथों पर 8963 बूथों पर 35852 मतदान कर्मियों की तैनाती की गई थी. साथ ही सुरक्षा के मद्देनजर सभी बूथों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी.

सुबह में हुई बंपर वोटिंग, दोपहर बाद बूथों पर कम दिखे मतदाता

आम से लेकर खास ने किया मतदान

झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने सुबह-सुबह रांची के एटीआई स्थित मतदान केंद्र पर मतदान किया. मताधिकार का प्रयोग करने के बाद राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने सेल्फी पॉइंट पर तस्वीर खिंचवाई. पूर्व सीएम और ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास ने जमशेदपुर के सीतारामडेरा मंडल क्षेत्र अधीन हरिजन मध्य विद्यालय, भालूबासा के 21 नंबर बूथ पर मतदान किया. इस दौरान रघुवर दास के पुत्र और परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद थे.रांची के राजकुमार महेंद्र सिंह धौनी ने दोपहर में अपने परिवार और मित्रों के साथ जेवीएम श्यामली स्कूल में वोट किया. धौनी की झलक पाने के लिए काफी संख्या में प्रशंसक पहुंचे हुए थे. कल्पना सोरेन ने रांची के संट फ्रांसिस स्कूल में निर्धारित पोलिंग बूथ पर अपना वोट डाला. वोट डालने के बाद कल्पना सोरेन ने मतदाताओं से अपील की कि वे बाहर आएं और लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग करें. रांची के बीजेपी प्रत्याशी संजय सेठ ने अपने परिवार के साथ ओटीसी के मतदान केंद्र और कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय ने अपने पिता सुबोधकांत सहाय और परिवार के सदस्यों के साथ सेक्टर-तीन के निर्धारित मतदान केंद्र में अपने मत का प्रयोग किया. झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने मॉडल उच्च विघालय, बीएमपी ग्राउंड डोरंडा के मतदान केन्द्र में सपरिवार मतदान किया. साथ ही चारों लोकसभा के प्रत्याशी, प्रशासनिक अधिकारियों ने भी अपना वोट दिया.

विधानसभावार अनुमानित वोटर टर्नआउट

रांची लोकसभा -	61.93%
हटिया -	56.00%
ईचागढ़ -	76.55%
कांके -	60.48%
खिजरी -	63.05%
रांची -	54.90%
सिल्ली -	69.00%
धनबाद लोकसभा -	60.40%
बोकारो -	51.96%
चंदनकियारी -	70.97%
धनबाद -	55.10%
झरिया -	54.54%
निरसा -	69.21%
सिंदरी -	69.20%
जमशेदपुर लोकसभा -	66.92%
बहरागोड़ा -	77.24%
घाटशिला -	73.10%
पूर्वी जमशेदपुर -	57.66%
पश्चिमी जमशेदपुर -	57.10%
जुगसलाई -	69.25%
पोटका -	73.12%
गिरिडीह लोकसभा -	66.86%
बाघमारा -	64.10%
बेरमो -	63.56%
डुमरी -	69.04%
गिरिडीह -	64.45%
गोमिया -	68.96%
टुंडी -	70.99%

नहीं डाल पाये वोट

रांची में मतदान के दौरान कई ऐसे मामले सामने आए, जहां मतदाता परेशान होकर वापस लौट गये. मध्य विद्यालय झखराटाड़ में पांच बूथ 26, 27, 28, 29 और 30 हैं. मतदाता ने बताया कि सुबह मतदाता सूची में नाम खोजते खोजते परेशान हो गये. उनके घर में छह लोग थे, लेकिन सूची में नाम नहीं मिला और घर वापस लौटना पड़ा. बूथ संख्या 292 में ईवीएम में परेशानी के बाद लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा, जिससे कई मतदाता लौट गये.

पिता-पुत्र की हत्या

चतरा। जिले में चुनाव खत्म होने के बाद नक्सलियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई है. भाकपा माओवादी ने नक्सलियों के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले पिता-पुत्र की गोली मारकर हत्या कर दी. घटना शनिवार की रात जिले के कुंदा थाना क्षेत्र के घोर नक्सल प्रभावित हिंदियाकला गांव में हुई. बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले पिता-पुत्र ने एक नक्सली को पकड़ कर हथियार के साथ पुलिस के हवाले कर दिया था. इसी प्रतिशोध में नक्सलियों ने घटना को अंजाम दिया है.

चुनाव आयोग ने दिया एक-एक वोट का हिसाब!

आंकड़े जारी कर कहा- डेटा में बदलाव नामुमकिन है

एजेंसी। नयी दिल्ली

लोकसभा चुनाव के छठे चरण के लिए शनिवार को देश की 58 सीटों पर वोटिंग के बीच चुनाव आयोग ने पिछले पांच फेज में हुए चुनाव का फाइनल डेटा जारी किया है. इसमें यह बताया गया है कि इन पांचों फेज में किस लोकसभा क्षेत्र में कितने फीसदी लोगों ने वोट डाला है. इस दौरान चुनाव आयोग की ओर से यह भी कहा गया कि वोट फीसदी को लेकर कुछ गलत नैरेटिव भी फैलाए गए हैं. आयोग ने कहा कि चुनावी प्रक्रिया को खराब करने के उद्देश्य से इस तरह के गलत नैरेटिव फैलाए जाते हैं. ईसीआई के मुताबिक मतदान का डेटा हर चरण के चुनाव के दिन सुबह 9.30 बजे से उनके ऐप के माध्यम से उपलब्ध होता है. चुनाव आयोग ने प्रेस रिलीज जारी कर वोट पोलिंग फीसदी में किसी भी तरह का बदलाव होने से इनकार किया है.

किस चरण में कितना मतदान

पहला चरण
कुल वोटर : 166386344
मतदान किया: 110052103
मत प्रतिशत: 66.14%

दूसरा चरण
कुल वोटर 158645484
मतदान किया: 105830572
मत प्रतिशत: 66.71%

तीसरा चरण
कुल वोटर 172404907
मतदान किया: 113234676
मतदान प्रतिशत: 65.68%

चौथा चरण
कुल वोटर 177075629
मतदान किया: 122469319
मत प्रतिशत: 69.16%

पांचवां चरण
कुल वोटर 89567973
मतदान किया: 55710618
मतदान प्रतिशत: 62.20%

लोकसभा चुनाव : बंगाल में सबसे अधिक और यूपी में सबसे कम वोट

छठे चरण में 58 सीटों पर 61% मतदान

एजेंसी। नयी दिल्ली

लोकसभा चुनाव के छटे चरण की वोटिंग भी शनिवार की शाम संपन्न हो गई. छठे चरण में करीब 61 फीसदी मतदान हुआ है. ये भी 2019 के 64.22 प्रतिशत के मुकाबले करीब तीन फीसदी कम 61 फीसदी मतदान कम है. इस बार उत्तर प्रदेश में सबसे कम 54.03 प्रतिशत और पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 79.30 फीसदी मतदान हुआ है. इस चरण में झारखंड की चार, बिहार-बंगाल की 8-8, हरियाणा की सभी 10, दिल्ली की सभी सात, जम्मू-कश्मीर की एक सीट और ओडिशा की छह सीटों पर मतदान कराया गया. इसके अलावा उत्तर प्रदेश की 14 सीटों के लिए वोट डाले गये. इस चरण में आठ प्रदेशों की 58 सीटों पर 889 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं. इन सभी की किस्मत ईवीएम में कैद हो चुकी है. उधर, सत्तारूढ़ दल एनडीए ने दावा किया गया कि वह मोदी के नेतृत्व में हैट्रिक लगाने जा रहा है. वहीं इंडिया गठबंधन ने कहा कि छठे चरण के बाद अब पक्का हो गया है कि देश की सत्ता बदलने जा रही है. मतगणना चार जून को होगी. इसके पहले एक जून को चुनाव के सातवां और अंतिम चरण का मतदान होना है.

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मेनका गांधी, धर्मेंद्र प्रधान, राजबब्बर, दीपेंद्र हुड्डा, मनोहर खट्टर समेत दर्जनों वीवीआईपी लोगों ने इस चरण में अपने मताधिकार का प्रयोग किया. प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने भी दिल्ली में मतदान किया.

उधर, बंगाल की झारग्राम सीट से भाजपा उम्मीदवार प्रणत टुडु पर हमला हुआ है. भाजपा उम्मीदवार मोंगलापोटा के बूथ नंबर 200 पर पहुंचे थे, इसी दौरान उपद्रवियों ने उन पर हमला कर दिया और पथराव किया. किसी तरह सुरक्षाकर्मियों ने भाजपा उम्मीदवार को बचाया. हालांकि हमले में भाजपा उम्मीदवार घायल हुए हैं, लेकिन खतरे से बाहर बताये गये हैं.

इस चरण में कम पड़ा वोट

प्रदेश	2019 में वोट %	2024 में वोट %
बिहार	58.65	55.24
दिल्ली	60.6	57.67
हरियाणा	70.34	59.63
जम्मू-कश्मीर	8.98	54.06
झारखंड	64.57	63.76
ओडिशा	71.61	68.58
उत्तर प्रदेश	54.58	54.03
पश्चिम बंगाल	84.59	79.30

बड़ी उम्मीद से राजनीतिक दलों का थामा था दामन, पर तवज्जो नहीं मिली, अब विधानसभा चुनाव में टिकट के लिए करेंगे लॉबिंग

दिल्ली के सफर में पीछे छूट गये दर्जन भर से अधिक आईएएस और आईपीएस

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य के आईएएस और आईपीएस राजनीति में अपना जलवा नहीं दिखा पाए. लोकसभा चुनाव अब समाप्ति की ओर है. बड़ी उम्मीद से दर्जन भर से अधिक आईएएस-आईपीएस के साथ झारखंड प्रशासनिक सेवा और झारखंड पुलिस सेवा के अफसरों ने अलग-अलग राजनीतिक दलों का दामन थामा था, लेकिन दिल्ली के सफर में पीछे छूट गये. लेकिन अब विधानसभा चुनाव में उम्मीद बची है कि टिकट मिल जाए. फिलहाल आईपीएस रामेश्वर उरांव राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं. आईपीएस बीडी राम पलामू से भाजपा के सांसद रहे हैं. इस बार फिर से चुनावी समर में है. चार जून को इनकी किस्मत का फैसला होगा. राज्य सेवा के अफसर सुखदेव भगत का भी फैसला चार जून को जनता सुनाएगी, वहीं राज्य सेवा के अफसर लंबोदर महतो गोमिया से विधायक हैं.

लोकसभा चुनाव के टिकट बंटवारे में आईपीएस अफसरों को नहीं मिली तवज्जो

इस बार लोकसभा चुनाव में छह आईपीएस अफसरों को तवज्जो नहीं मिली. हालांकि ये अपने दल में सक्रिय भी रहे. इनमें पूर्व डीजीपी डीके पांडेय (भाजपा), आईपीएस डॉ अजय कुमार (कांग्रेस), आईपीएस अरुण उरांव (भाजपा), आईपीएस रेजी डुंगडुंग (झापा), आईपीएस सुबोध प्रसाद वर्मा (आजसू), आईपीएस राजीव रंजन (भाजपा) और पूर्व डीजीपी राजीव कुमार शामिल हैं. इनमें से पूर्व डीजीपी राजीव कुमार अन्य सभी के मुकाबले उतने सक्रिय नहीं रहे.

ये आईएएस हो गए साइडलाइन

काफी तामझाम ने कई आईएएस अफसरों ने भी विभिन्न राजनीतिक दलों का दामन थामा था. लेकिन इन्हें भी किसी दल ने तवज्जो नहीं दी. इनमें भाजपा के जेबी तुबिद, जदयू की रेणु गोपीनाथ, भाजपा की सुचित्रा सिन्हा, आईएएस ब्रजमोहन कुमार,आईएएस विजय कुमार सिंह (भाजपा) के नाम शामिल हैं. वहीं राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसर सुधीर वर्मा भी भाजपा के हो लिए थे. इसके अलावा झारखंड पुलिस सेवा के अफसर ललन ठाकुर ने भी टिकट की उम्मीद में भाजपा का दामन थामा था, लेकिन इन्हें भी तवज्जो नहीं मिली.

पहले कुछ को मौका भी मिला था, लेकिन जनता ने नकार दिया

पहले के चुनावों में कुछ को मौका भी मिला, पर जनता ने ठुकरा दिया. पूर्व गृह सचिव जेबी तुबिद, आईपीएस रहे लक्ष्मण प्रसाद सिंह जैसे कई नाम हैं, जिन्हें दो-दो बार मौका मिला, लेकिन सफल नहीं हो सके. पूर्व डीजीपी डीके पांडे, अरुण उरांव सरीखे अधिकारियों को तो मौका ही नहीं मिला. डॉ अजय कुमार को एक बार मौका मिला. सफलता भी हासिल की. इसके बाद पार्टी ने उन्हें मौका नहीं दिया. फिलहाल वे भी अपनी राजनीतिक जमीन तलाश रहे हैं.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी. कोई डूबा धन मिलने का योग है. धन प्राप्ति सुगम होगी. वरिष्ठजनों का सहयोग मिलेगा. नवीन योजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए दिन अच्छा होने की संभावना है. परिवार में मेल-मिलाप बढ़ेगा.

वृषभ कम बोलने का प्रयास करें. पर रुके कार्यों में गति आएगी. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. माता के स्वास्थ्य की ओर ध्यान देना आवश्यक. पुराने रुके कामों, लेनदेन में सफलता की संभावना है. विद्यार्थियों को शिक्षा में सफलता मिलेगी.

मिथुन आय में वृद्धि हो सकता है. बस प्रयास बढ़ा दें. साथ ही लाभ के अवसर मिलेंगे. व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रसन्नता रहेगी. राज्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विशेष लाभ का योग है. आर्थिक उन्नति होगी.

कर्क पेट मे कोई कष्ट हो सकता है. लेन-देन में सावधानी रखें. जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें. संतान की गतिविधियों पर नजर रखनी होगी. कामकाज का बोझ बढ़ने से व्यापार पर विपरीत असर हो सकता है.

सिंह यात्रा का योग है. यात्रा से मन में प्रसन्नता रहेगी. धनार्जन होगा. सोच-समझकर कार्य करना लाभप्रद रहेगा. पुरुषार्थ सफल होगा. वाहन चलाते समय सावधानी रखनी चाहिए. व्यापार में नवीन प्रस्ताव मिलेंगे.

कन्या माता से विवाद हो सकता है. वाणी पर नियंत्रण रखें. आत्मसम्मान बना रहेगा. सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभा सकेंगे. पारिवारिक सुख-शांति बरकरार रहेगी. जोखिम के कार्यों से दूर रहें. सूर्य को जल दें.

तुला मान-सम्मान मिलेगा. धनार्जन होगा. प्रसन्नता रहेगी. पारिवारिक सुख एवं पत्नी के सहयोग से मन प्रसन्न रहेगा. आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी. किसी से बहस न करें. काम-धंधे में सफलता के शुभ संकेत हैं. गौ सेवा करें.

वृश्चिक किसी परिचित को हानि हो सकती है. दुःखद समाचार मिल सकता है. दौड़धूप अधिक होगी. वाणी पर संयम रखें. विरोधियों से सावधान रहें. परिवार की परेशानी का हल संभव है. भागीदारी के कामों में सफलता मिलेगी.

धनु मानसिक और शारीरिक सुख में वृद्धि होगी. बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे. प्रसन्नता रहेगी. स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें. अधूरे काम समय से पूरे होने के योग हैं. नए कार्यों से लाभ के मार्ग प्रशस्त होंगे. धन का संग्रह होगा.

मकर उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. व्यवसाय ठीक चलेगा. संतान की प्रगति होगी. व्यापार-व्यवसाय में प्रगतिकारक वातावरण का सृजन होगा. पारिवारिक स्थिति आनंददायक रहेगी. मन प्रफुल्लित रहेगा. हनुमान चालीसा का पाठ करें.

कुंभ आय के लिए किया गया प्रयास सफल होगा. पुराने दोस्त के मिलने से मन प्रसन्न रहेगा. संतान के संबंध में संतोष रहेगा. व्यावसायिक अथवा आजीविका संबंधी समस्या का समाधान हो सकेगा. पुरुषार्थ का पूर्ण फल मिलेगा.

मीन समय अच्छा है. सरकारी कार्य मे गति मिलेगी. शेयर बाजार से लाभ होगा, पर खर्च का बोझ बढ़ेगा. किसी पर अत्यधिक भरोसा न करें. व्यापार, नौकरी में अड़चनें आने से मनोबल में कमी आ सकती है. गुरुमंत्र का जप करें.

आरोपों-विवादों से गहरा नाता रहा झारखंड कैडर के आईएफएस अफसरों का

वन विभाग में भी 200 करोड़ रुपये से अधिक का घाटोला!

रवि भारती। रांची

झारखंड कैडर के आईएएस अफसर ही नहीं बल्कि आईएफएस अफसर भी आरोपों और विवादों से जुदा नहीं हैं. कई अफसरों पर गंभीर आरोप हैं. लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ लीपापोती ही हो रही है. सूत्रों को अनुसार, इन अफसरों पर 200 करोड़ से अधिक की वित्तीय अनियमितता की है. यही नहीं एक अफसर वी जयराम को राज्य सरकार ने फरार तक घोषित कर दिया था. लेकिन वह मामला भी ठंडे बस्ते में चला गया.

एक दर्जन से अधिक आईएफएस अफसरों के खिलाफ लंबित हैं मामले

कैंपा फंड में घोटाला से लेकर तस्करी तक के आरोप

वन विभाग के अफसरों पर कैंपा फंड घोटला से लेकर जानवरों की तस्करी तक के आरोप हैं। अफसरों पर प्रमुख रूप से हाथी दांत और जानवरों की खाल की तस्करी में सहयोग करने, अवैध आरा मिल को लाइसेंस देने, जंगल की जमीन बेचन, कैंपा फंड में घोटाला करने, एफडीए में सरकारी राशि का गबन,सोलर लैंप में घोटाला, सागवान-खैर की लकड़ी बेचने जैसे गंभीर आरोप हैं.

इन अफसरों पर लगे हैं गंभीर आरोप

कैसे -कैसे आरोप लगे हैं

धीरेंद्र कुमार : झारक्राफ्ट के पूर्व एमडी : हाथी दांत तस्करी का आरोप
प्रदीप कुमार : पूर्व पीसीसीएफ- मांस खरीद में अनियमितता का आरोप
सीपी खंडूजा : अवैध आरा मिल को लाइसेंस देने का आरोप
प्रदीप कुमार : जंगल की जमीन बेचने का आरोप
बीएन द्विवेदी : राशि गबन का आरोप
आरके सिन्हा : राशि गबन का आरोप
सत्यजीत सिंह : सागवान और खैर की लकड़ी बेचने का आरोप
केएन ठाकुर : सरकारी वाहन बेचने का आरोप
कुमार आशुतोष : एफडीए में सरकारी राशि के गबन का आरोप
अजीत कुमार सिंह : कैंपा फंड में घोटाला का आरोप
रवि रंजन : सरकारी राशि के गबन का आरोप

ऐसी है वन विभाग के घोटालों की फेहरिस्त

लातेहार सामाजिक वानिकी प्रक्षेत्र : बांस गैबियन लगाने में 75 लाख रुपये का गबन.

जामताड़ा वन प्रमंडल : कुआं, तालाब और पौधारोपण के नाम पर तीन करोड़ की हेराफेरी.

दुमका विश्व खाद्य प्रमंडल : नकद भुगतान के नाम पर तीन करोड़ रुपये की फर्जी निकासी.

साहेबगंज वन प्रमंडल : 50 लाख पौधे के नाम पर 50 लाख रुपये का गबन.

बोकारो वन प्रमंडल : पौधारोपण के नाम पर 50 लाख रुपये का गबन.

पाटन वन क्षेत्र : पौधारोपण में चार लाख रुपये की अनियमितता.

डालटनगंज वन रोपण प्रमंडल : सड़क किनारे पौधरोपण के नाम पर 10 लाख रुपये की हेराफेरी.

हजारीबाग वन्य प्राणी प्रमंडल : मिट्टी खरीद के नाम पर 50 लाख रुपये का गबन.

गुमला वन प्रमंडल : पौधारोपण के नाम पर 3 करोड़ रुपये राशि की निकासी.

हजारीबाग नेशनल पार्क : मनरेगा के तहत 10 किलोमीटर में बांस गैबियन लगाना था, एक भी नहीं लगा. 50 लाख रुपये की अनियमितता

इन अफसरों पर भी हैं गंभीर आरोप

बीसी निगम
सर्वेश सिंगल
महेंद्र कदर्म
पीसी मिश्र
अरविंद कुमार
नरेंद्र मिश्र
एके प्रभाकर
बलराम खालखो
शिवाशीष राम
वी जयराम

बिहार सरकार ने भी मांगी थी अभियोजन की स्वीकृति

बिहार सरकार ने झारखंड कैडर के तीन आईएफएस अफसरों के खिलाफ अभियोजन की स्वीकृति मांगी थी. इसके बावजूद राज्य सरकार ने अभियोजन की स्वीकृति नहीं दी. एकीकृत बिहार के समय इन अफसरों पर कई गंभीर आरोप थे. इन अफसरों में बीसी निगम, सर्वेश सिंघल और महेंद्र कर्दम शामिल हैं. इस मामले को भी ठंडे बस्ते में डाल दिया गया.

पांच साल में झारखंड के 555 गजराजों ने ले ली 500 लोगों की जान

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में अब सिर्फ 555 हाथी ही बचे हैं, जो देश के जंगली हाथियों की कुल संख्या के सिर्फ 11 फीसदी ही हैं. इन हाथियों ने पिछले पांच साल में 500 लोगों की जान ली है. जंगली हाथियों ने शनिवार को पूर्वी सिंहभूम में 65 साल के सुरेंद्रनाथ हांसदा को पटक-पटक कर मार डाला. इसकी वजह यह है कि राज्य में अब तक एलिफेंट कॉरिडोर नहीं बन पाया है. वहीं विभिन्न कारणों से राज्य में अब तक 55 हाथियों की भी मौत हो चुकी है.

क्या कहती है डब्ल्यूटीआई की रिपोर्ट : डब्ल्यूटीआई (वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया) की रिपोर्ट के अनुसार झारखंड,ओडिशा, छत्तीसगढ़ और दक्षिण पश्चिम बंगाल के 21 हजार वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में हाथियों का भ्रमण होता है. मानव-हाथी संघर्ष के चलते देशभर में जितने लोगों की जान जाती है, उनमें से 45 फीसदी इसी इलाके से हैं. आंकड़े के मुताबिक देश में जंगली हाथियों की कुल संख्या के 11 प्रतिशत हाथी झारखंड में हैं.

सबसे अधिक झारखंड में हाथियों ने ली है जान : केंद्रीय वन मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार सबसे अधिक हाथी व मानव संघर्ष झारखंड में ही हुआ है. झारखंड में हाथियों ने पिछले पांच साल में 500 लोगों की जान ली है. पड़ोसी राज्य ओडिशा में 499, असम में 385 और पश्चिम बंगाल में 358 लोगों ने हाथियों के हमले में जान गंवायी है.

55 हाथियों की भी हो चुकी है मौत : वन विभाग के आंकड़े के मुताबिक झारखंड में अब तक 55 हाथियों की भी मौत हो चुकी है. बिजली के करंट की चपेट में आने से अब तक 25 हाथियों की मौत हुई है, जबकि शेष हाथियों की मौत रेलवे ट्रैक पर ट्रेनों की चपेट में आने और तस्करों की वजह से हुई है.

हाथियों के खौफ से राजधानी में लग चुकी है धारा 144 : राजधानी रांची के इटकी प्रखंड और आसपास के इलाकों में हाथियों के खौफ से धारा 144 लगानी पड़ी थी. उस वक्त वन संरक्षक की अध्यक्षता में चार मंडलों में वन अधिकारियों की एक समिति बनाई थी, जो इस बात की जांच कर रही थी कि झुंड से बिछड़ा एक हाथी अचानक इतना उग्र क्यों हो गया? लेकिन अब तक यह रिपोर्ट भी पूरी तरह से तैयार नहीं हो पाई है. दरअसल हाथियों के गुस्से की वजहें जानने के लिए पिछले तीन-चार दशकों में कई अध्ययन और शोध हुए हैं और इन सभी के निष्कर्ष में यह बात समान रूप से सामने आई है कि मानवीय गतिविधियों ने हाथियों के प्राकृतिक अधिवास और उनके आने-जाने के परंपरागत रास्तों यानी कॉरिडोर को लगातार डिस्टर्ब किया है.

सर्ड स्थित मतदान केंद्र में वोटरों का स्वागत ढोल बाजे के साथ किया गया

रांची। सर्ड स्थित मतदान केंद्र में वोटरों का स्वागत माला पहनकर किया गया. ढोल बाजे के साथ वोटरों को उनके बूथ तक ले जाया गया. वोटिंग से पहले इस तरह का स्वागत देखकर होटल भी उत्साहित नजर आए. बूथ के बाहर लोगों की लंबी लाइन लगी थी. सभी अपनी बारी आने का इंतजार कर रहे थे.

एसएसपी ने जवाहर नगर में लगवाया टेंट

रांची। राजधानी में मतदान के लिए सुबह से लोग लाइन में लगे थे. तेज धूप होने के कारण रांची के जवाहरनगर के बूथ नं 340 में लोग लाइन में लगे थे. धूप बर्दास्त नहीं कर पाने के कारण स्थानीय लोगों ने एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा को कॉल कर टेंट लगवाने का आग्रह किया, तो उन्होंने पुलिस लाइन से टेंट मंगवा कर लगवाया, ताकि लोगों को राहत मिले.

आईएएस मनीष रंजन को ईडी ने फिर भेजा समन, 28 मई को बुलाया

संवाददाता। रांची

आईएएस मनीष रंजन को ईडी ने दोबारा समन भेजकर 28 मई को उपस्थित होने को कहा है. इससे पहले झारखंड सरकार के ग्रामीण विकास विभाग के पूर्व सचिव व वर्तमान में राजस्व व भवन निर्माण विभाग के सचिव मनीष रंजन शुक्रवार को ईडी कार्यालय नहीं पहुंचे थे. उन्हें दिन के 11 बजे ईडी ऑफिस में उपस्थित होना था, लेकिन इससे पहले राजस्व विभाग के एक कर्मचारी को विशेष दूत के तौर पर भेजकर मनीष रंजन ने तीन सप्ताह के समय की मांग की थी. उन्होंने ईडी को इस संबंध में एक पत्र भेजा था. मनीष का पत्र मिलने के बाद ईडी ने दिल्ली मुख्यालय को जानकारी दी थी. ईडी ने इस मामले में तीन सप्ताह का वक्त नहीं देने का फैसला लिया था. इसलिए ईडी ने मामले में दूसरा समन जारी किया.

- सरकारी ठेकों में कमीशन लेने का है आरोप

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का हवाला देकर तीन सप्ताह का समय मांगा था रंजन ने

विशेष दूत के माध्यम से भेजे गए पत्र में मनीष रंजन ने कहा था कि राज्य में चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनावी दौरे हो रहे हैं. प्रस्तावित चुनावी दौरों में सुरक्षा व्यवस्था व प्रोटोकॉल की जिम्मेदारी उनकी है. ऐसे में उन्हें तीन हफ्ते का वक्त चाहिए. आगे उन्होंने लिखा है कि पूर्व में प्रधानमंत्री के धनबाद दौरे में सुरक्षा संबंधी गलतियां हुई थीं. इस मामले में भी वह रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं. ईडी ने मनीष से उनके और उनके आश्रितों के बैंक खातों, चल-अचल संपत्तियों का विवरण भी मांगा था. यह जानकारी जुटाने के लिए भी मनीष ने वक्त की मांग की थी.

सीआईडी के रांची साइबर थाने में पीड़ित ने दर्ज करायी थी ठगी की शिकायत

96 लाख की ठगी, कोलकाता, ठाणे और रांची से तीन साइबर अपराधी गिरफ्तार

- अपराधियों के पास से छह मोबाइल, छह सिम सहित कई अन्य सामान भी बरामद

संवाददाता। रांची

सीआईडी ने 96.02 लाख की ठगी करने के आरोपी तीन साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है. सीआईडी के साइबर सेल ने शनिवार को कार्रवाई करते हुए कोलकाता, ठाणे और रांची से तीनों साइबर अपराधियों को धर दबोचा, जिनमें पाल प्रदीप मनीराम, अजय कुमार और एक महिला साइबर अपराधी शामिल है. इनके पास से छह मोबाइल, छह सिम कार्ड समेत कई अन्य सामान बरामद किया गया है. सीआईडी के रांची साइबर क्राइम थाना में पीड़ित संजीव कुमार के लिखित आवेदन पर प्राथमिकी (कांड संख्या 135/2024) दर्ज कीगयी थी. दर्ज करायी गयी शिकायत में पीड़ित ने जानकारी दी थी कि कि साइबर अपराधी ने उनसे वाट्सएप के माध्यम से संपर्क किया था और रुपये निवेश करने का प्रलोभन दिया. पीड़ित के अनुसार उनके वाट्स ऐप पर लिंक https:/poemsvip.vip भेजा गया था, जिसके जरिए निवेश करने पर रुपये 10 गुणा ज्यादा करने का प्रलोभन दिया गया था.

वाट्सएप पर भेजे गये लिंक के माध्यम से निवेश कराने के लिए पीड़ित को विभिन्न बैंक खाताओं में पैसे डालने को कहा गया था. पीड़ित ने 96.2 लाख रु जमा कराया. मामले की जांच में पुलिस को पता चला कि पीड़ित को भेजा गया Website https:/poemsvip.vip फर्जी है. जिसका आईपी एड्रेस अलीबाबा क्लाउड चायना है. घटना में उपयोग कॉरपोरेट अकाउंट के ट्रांजेक्शन के आईपी का सर्वर जापान, हॉन्गकॉन्ग में पाया गया. आरोपी के पास से इस्तेमाल किए गये 15 अलग-अलग बैंक खातों के कॉपोरेट इंटरनेट बैंकिंग सहित कई आपत्तिजनक सबूत पुलिस को मिले हैं.

रहें अलर्ट 31 मई तक बारिश की संभावना, 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी हवा

आज से दिखेगा चक्रवाती तूफान 'रेमल' का असर

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में 26 मई यानी रविवार से चक्रवाती तूफान 'रेमल' का असर दिखेगा. मौसम केंद्र के अनुसार, 26 व 27 मई तक राज्य के पूर्वी, दक्षिणी व मध्य भागों में कुछ स्थानों पर गर्जन के साथ हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है. तेज हवा का झोंका चलने के साथ वज्रपात की भी आशंका जताई गई है. इस दौरान हवा की गति 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा होने की संभावना है. इसका असर गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा, सरायकेला-खरसावां, रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, रामगढ़ जिले में देखने को मिलेगा.

कुछ स्थानों पर गर्जन के साथ वज्रपात की भी आशंका

दो-तीन दिनों में तीन से पांच डिग्री तक गिरेगा तापमान

आंधी, बारिश, वज्रपात के साथ चलेगी तेज हवा

राज्य में 26 मई से आंधी चलेगी. इसके साथ वज्रपात भी होगा. इसका असर राज्य के कई जिलों में पड़ेगा. राज्य के पूर्वी भाग में 28 मई को कहीं-कहीं गर्जन और तेज हवा का झोंका चलने के साथ वज्रपात संभव है. इस दौरान हवा की गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा होने की संभावना है. इसका असर गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार जिलों में देखने को मिलेगा. 28 से 31 मई तक राज्य के पूर्वी भागों में कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है. इसका असर गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार जिले में पड़ने की उम्मीद है. बहरहाल, झारखंड में 31 मई तक बारिश होती रहेगी.

तापमान में आएगी गिरावट

राज्य में अगले 24 घंटे के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है. इसके बाद अगले दो से तीन दिनों में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने की संभावना है. मौसम केंद्र के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव 26 मई की सुबह तक चक्रवाती तूफान में तब्दील हो जायेगा. यह उत्तर-पूर्वी दिशा में आगे बढ़ रहा है. 26 मई की मध्य रात्रि से यह तूफान 110 से 135 किमी प्रति घंटा की रफ्तार वाले तूफान में बदल जाएगा.

कांग्रेस नेताओं का दावा, चारों सीटों पर इंडिया गठबंधन भारी

रांची। झारखंड की चार सीटों रांची, जमशेदपुर, धनबाद और गिरिडीह में हुए मतदान के बाद झारखंड प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आलोक कुमार दुबे, लाल किशोर नाथ शाहदेव और डॉ राजेश गुप्ता छोटू ने दावा किया है कि चारो सीटों पर इंडिया गठबंधन प्रत्याशी की जीत होगी. मतदाताओं का भारी समर्थन और आशीर्वाद इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी को मिला है. मतदान को लेकर जैसा रुझान मतदाताओं में देखने को मिला है, उससे हम यह कह सकते हैं कि देश के अन्य राज्यों की तरह झारखंड की चार सीटों के लिए शनिवार को हुए मतदान के बाद इंडिया गठबंधन प्रचंड बहुमत से विजयी हो रहा है. कांग्रेस नेता आलोक कुमार दुबे ने कहा कि भाजपा का देश और झारखंड से पूरी तरह से सफाया होने जा रहा है.

क्लासिफाइड

तापमान
37.4° अधिकतम | 24.8° न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, रविवार 26 मई 2024 ● ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 03 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 47 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

महापर्व के अलग-अलग रंग

लोकसभा चुनाव 2024 : रांची में भारी उत्साह के बीच संपन्न हुआ मतदान

लोकतंत्र की जय जय...

लगातार न्यूज नेटवर्क। रांची

लोकतंत्र के महापर्व में हिस्सा लेने के लिए रांची संसदीय सीट पर शनिवार को आम से लेकर खास लोगों में भारी उत्साह देखने को मिला. हालांकि, शहर से ज्यादा गांवों के वोटरों की भागीदारी ज्यादा रही. सुबह से ही लंबी-लंबी कतार लग गयी थी. सबसे ज्यादा उत्साह युवाओं में दिखा.

चुनाव आयोग की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक रांची संसदीय सीट पर पहले दो घंटे में करीब 12.19 फीसदी मतदान हुआ था. दिन चढ़ने के साथ ही आंकड़े भी बढ़ते चले गये. रात के 12 बजे तक अपडेट हुए आंकड़ों के मुताबिक रांची सीट पर करीब 63.76 फीसदी मतदान हुआ. हालांकि, इसके बाद भी अंतिम आंकड़े में बदलाव संभव है. देश के छठे और झारखंड के तीसरे चरण के लिए संपन्न हुए मतदान में रांची सीट से 27 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गयी. यहां मुख्य मुकाबला भाजपा के संजय सेठ और इंडिया गठबंधन की तरफ से कांग्रेस की यशस्विनी सहाय के बीच ही है. अब चार जून को ही पता चलेगा कि किसके सिर जीत का सेहरा बंधता है और किसे हार का कड़वा स्वाद चखना होगा.

रांची लोकसभा की बात करें, तो यहां कुल 2377 बूथों पर मतदान हुआ. रांची लोकसभा में छह विधानसभा ईचागढ़, सिल्ली, खिजरी, रांची, हटिया और कांके आते हैं. इसमें सबसे ज्यादा ईचागढ़ विधानसभा में 76.55 फीसदी और सबसे कम रांची विधानसभा में 54.90 फीसदी वोट पड़े.

देर रात तक ईवीएम लेकर पंडरा के स्ट्रांग रूम पहुंचते रहे मतदानकर्मी

रांची लोकसभा क्षेत्र में शनिवार की शाम पांच बजे चुनाव संपन्न होने के बाद मतदान कर्मियों व सुरक्षा बलों की कसरत शुरू हुई. सभी का एक ही लक्ष्य था, ईवीएम को कृषि बाजार समिति पंडरा स्थित स्ट्रांग रूम तक सुरक्षित पहुंचाना. सभी बूथों पर मतदान से संबंधित प्रक्रियाएं पूरी कर मतदान कर्मी ईवीएम-वीवीपैट लेकर तय वाहन पर सवार होकर पंडरा के लिए प्रस्थान कर गए. इससे रातू रोड में कई जगहों पर जाम की स्थिति भी उत्पन्न हो गई थी. सुरक्षा में तैनात जवान जाम हटाने में व्यस्त रहे. ईवीएम लेकर मतदान कर्मियों का स्ट्रांग रूम पहुंचने का सिलसिला देर रात तक जारी रहा. पंडरा बाजार समिति का प्रांगण शनिवार की रात रोशनी से जगमग रहा. यहां स्ट्रांग रूम की सुरक्षा में बड़ी संख्या में जवान तैनात रहे. कहीं कोई चूक न हो, इसका पूरा ख्याल रखा जा रहा था. जिला निर्वाची पदाधिकारी सह डीसी राहुल कुमार सिन्हा खुद स्थिति पर नजर रखे हुए थे. परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों से भी चप्पे-चप्पे पर नजर रखी जा रही थी. माइक से मतदान कर्मियों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये जा रहे थे.

मतदान के लिए मिली मुफ्त सवारी की सुविधा

रांची शहरी क्षेत्र के मतदान केंद्रों पर मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन ने एक बाइक-टैक्सी सेवा प्रदाता के साथ करार किया था, ताकि शहरी मतदाताओं को मुफ्त पिक एंड ड्रॉप सुविधा प्रदान की जा सके. यह सेवा रांची के 181 मतदान केंद्रों पर प्रदान की गयी.

एक मतदाता सुमित कुमार ने कहा कि मैं चुनाव के दौरान मुफ्त पिक एंड ड्रॉप (परिवहन) सुविधा प्रदान करने के लिए रांची प्रशासन की पहल की सराहना करता हूं. मैंने रैपिडो एप्लिकेशन पर वोट नाऊ कोड इस्तेमाल किया और घर बैठे मुफ्त में सेवा प्राप्त की. रैपिडो झारखंड के प्रमुख जय कुमार गौड़ ने बताया कि रैपिडो ने मतदाताओं की सेवा में लगभग 800 मोटरसाइकिलें लगायी गयी थीं. इस सेवा का उद्देश्य मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक लाना और मतदान प्रतिशत बढ़ाने में योगदान देना था. रांची के सहायक निर्वाचन अधिकारी उत्कर्ष कुमार ने कहा कि हमने मतदान केंद्रों में सुचारू मतदान सुनिश्चित करने के लिए कई पहल की गयी थीं. पांच मॉडल बूथ व एक अद्वितीय बूथ के अलावा, लगभग सभी बूथ पर पेयजल एवं शेड जैसी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की गयी थीं. बाइक सेवा ने भी बहुत योगदान दिया.

रांची के तीनों प्रमुख प्रत्यशियों ने किया जीत का दावा

विशेष संवाददाता। रांची

रांची लोकसभा सीट पर शनिवार को मतदान संपन्न हो गया. रांची से भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ, कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय और झारखंड खतियान संघर्ष मोर्चा के देवेंद्र नाथ महतो ने अपनी-अपनी जीत का दावा किया है. मतदान खत्म होने के बाद सभी प्रत्याशियों ने मतदाताओं का आभार प्रकट किया.

यूपीए व एनडीए के खिलाफ हुआ मतदान : देंवेंद्र नाथ महतो : खतियान संघर्ष मोर्चा के प्रत्याशी देवेंद्र महतो ने भी जनता के प्रति उन्हें मिले प्यार और सम्मान के लिए आभार प्रकट किया. उन्होंने कहा कि देश और झारखंड की जनता यूपीए और एनडीए से त्रस्त हो चुकी है. झारखंड और देश की जनता बदलाव चाहती है. यूपीए और एनडीए दोनों एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं. भाजपा ने जहां कुरमी समाज को ठगने का काम किया, वहीं राज्य की हेमंत सरकार ने युवाओं के साथ धोखा किया. देवेंद्र महतो ने ने अपनी जीत का भी दावा किया.

मोदी की विदाई के लिए जनता ने किया मतदान : यशस्विनी सहाय

कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय ने जनता के प्रति आभार प्रकट किया. कहा कि जिस प्रकार से मुझे प्यार और सम्मान दिया है, उसे कभी भूल नहीं पाऊंगी. इस बार जनता ने महंगाई, बेरोजगारी, लोकतंत्र, संविधान और आरक्षण बचाने के लिए मतदान किया है. जनता ने स्पष्ट संकेत दे दिया है कि इस बार देश से मोदी जी की विदाई तय है. उन्होंने अपनी जीत पक्की बतायी.

मोदी को तीसरी बार पीएम बनाने के लिए जनता ने किया वोट : सेठ

भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ ने रांची के मतदाताओं का आभार प्रकट किया. उन्होंने कहा कि रांची में भीषण गर्मी और कड़ी धूप थी. इसके बावजूद जनता पूरे उत्साह के साथ मतदान केंद्र पहुंची और अपने से रुझान से स्पष्ट कर दिया कि देश में तीसरी बार भी मोदी सरकार बनेगी. उन्होंने कहा कि रांची की जनता ने भी मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए अपना वोट किया है. उन्होंने अपनी जीत सुनिश्चित बताया.

रघुवर का जमशेदपुर में वोट करना आश्चर्यजनक

विशेष संवाददाता। रांची

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिल्ली, सीपी राधाकृष्णन ने झारखंड में किया मतदान, तो रघुवर दास ने जमशेदपुर में क्यों?
- इलेक्शन कमीशन संज्ञान ले, यह वोटरों को प्रभावित करने जैसा कदम है

झामुमो ने ओडिशा के राज्यपाल का जमशेदपुर में मतदान करने पर आश्चर्य प्रकट किया है. पार्टी महासचिव एवं प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास द्वारा मतदान किया जाना हतप्रभ करता है. किसी भी राज्य का राज्यपाल उस राज्य का प्रथम नागरिक होता है. उससे यह अपेक्षा होती है कि वह अपने राज्य का संवैधानिक प्रमुख होने के नाते उस राज्य में मतदान करे, ताकि मतदाताओं के लिए एक उत्साहवर्धक संदेश प्राप्त हो.

सुप्रियो ने कहा कि हमारे राज्य झारखंड के प्रथम नागरिक माननीय राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन द्वारा रांची लोकसभा में मतदान किया जाना न सिर्फ उदाहरण है, बल्कि सराहनीय है. यह प्रश्न आज के लिए प्रासंगिक है कि रघुवर दास अपने राज्य ओडिशा को अपना नहीं मानते या ओडिशा की प्रबुद्ध जनता उन्हें अपना नहीं मानती. हम सब जानते हैं कि जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र में लाखों लोग बांग्ला के साथ-साथ ओड़िया वासी भी हैं. रघुवर दास क्या यह संकेत देना चाहते हैं कि ओड़िया भाषी लोग किसी एक राजनैतिक दल का समर्थन नहीं करेंगे, तो ओडिशा के लोगों के प्रति उनका आनेवाले दिनों में व्यवहार कैसा रहेगा? उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग को भी यह संज्ञान लेना चाहिए कि जब भारत की राष्ट्रपति दौपदी मुर्मू जी ने अपने प्रिय राज्य ओडिशा को छोड़ कर राजधानी दिल्ली में मतदान किया, तो वो कौन सी परिस्थिति हुई कि ओडिशा के राज्यपाल को अपने मूल राज्य में आकर मतदान करना पड़ा. उनका यहां मतदान करना, स्थानीय प्रशासन को प्रभावित करना और मतदाताओं को भ्रमित करने का एक निंदनीय प्रयास है, जो लोकतंत्र के लिए एवं संघीय ढांचे के लिए अशुभ है. उन्होंने ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने झामुमो को उपकृत किया है.

कल्पना ने की वोटिंग, कहा- इच्छानुसार चुनें जनप्रतिनिधि

रांची। पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने कहा है कि आप अपने मताधिकार का प्रयोग कर अपनी इच्छा के अनुसार अपना जनप्रतिनिधि चुनें. कल्पना सोरेन ने शनिवार को राजधानी रांची के गरमू स्थित संत फ्रांसिस स्कूल में मतदान किया. वोट डालने के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि मतदान के अपने अधिकार का इस्तेमाल बेहतर भारत के लिए करें. वोट की ताकत से आप यहां की तस्वीर और तकदीर बदल सकते हैं. उन्होंने कहा कि मेरे हाथ में लगी स्याही की ताकत से मैं देश का भविष्य बदल सकती हूं. यह ताकत भारत के नागरिकों के पास है, जिसका इस्तेमाल करना सबसे ज्यादा जरूरी है. अपने मताधिकार का प्रयोग कर मैं काफी खुश हूं.

रांची लोस मतदान संपन्न होने के बाद देर रात तक कार्यकर्ताओं के साथ मंथन करते रहे प्रत्याशी

ग्रामीण क्षेत्र में बंपर वोटिंग, शहरी मतदाता दिखे उदासीन

कौशल आनंद। रांची

झारखंड के तीसरे चरण के लोकसभा चुनाव के तहत रांची सीट के लिए शनिवार को मतदान संपन्न हो गया. इलेक्शन कमीशन से प्राप्त आंकड़ों पर गौर करें, तो ग्रामीण क्षेत्रों में बंपर वोटिंग हुई, जबकि शहरी क्षेत्र में मतदाता अपेक्षाकृत उदासीन दिखे. ओवर ऑल रांची लोकसभा में 61.34 फीसदी मतदान हुआ. फाइनल डेटा जारी होने तक इसमें फेरबदल की संभावना है. रांची सीट पर ओवरऑल मतदान प्रतिशत शहर से नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में हुए बंपर मतदान से बढ़ा है. अब इसको लेकर प्रत्याशी और राजनीतिक दल अपने-अपने नफा-नुकसान का आकलन करने में में जुट गए हैं. इसको लेकर प्रत्याशी देर रात तक अपने कार्यकर्ताओं के साथ मंथन करते रहे. बहरहाल, अब चार जून को चुनाव परिणाम की घोषणा के बाद ही पता चल पाएगा कि रांची के जीत का सेहरा किसके सिर बंधता है.

शहरी वोटरों की उदासीनता का नफा-नुकसान किसे ?

रांची लोकसभा के शहरी क्षेत्र में वोटिंग प्रतिशत कम दिखा है. इसका नफा और नुकसान किसे होगा, यह भी देखने वाली बात होगी. ऐसी अवधारना बनी हुई है कि शहरी वोटर मुख्यतः भाजपा के बल्क वोटर के रूप में जाने जाते हैं. हालांकि, शहरी वोटरों का मूड भांप पाना इतना आसान नहीं है. इनमें ज्यादातर साइलेंट वोटर भी होते हैं. ऐसे में यह भी चर्चा का विषय बना हुआ है कि इसका नफा या नुकसान किसे होगा? इसको लेकर भी देर रात तक भाजपा और कांग्रेस प्रत्याशी अपने कार्यकर्ताओं के साथ मंथन करते रहे.

निर्णायक होंगे सिल्ली व ईचागढ़ के मतदाता

सिल्ली और ईचागढ़ विधानसभा में बंपर वोटिंग हुई है. ऐसे में काफी हद तक इन दोनों विधानसभा में पड़े वोट, रांची लोकसभा से खड़े प्रत्याशी के भाग्य का फैसला करने में अहम भूमिका अदा करेंगे. इसको लेकर भी तरह-तरह की चर्चाएं हो रही है. ये दोनों विधानसभा कुरमी बहुल क्षेत्र हैं. सबसे अधिक ईचागढ़ में 76.55 प्रतिशत और सिल्ली में 63.34 प्रतिशत मतदान हुए हैं.

पत्नी के साथ वोट देने निकले, जीवनसाथी रास्ते में ही चल बसीं,शव घर पहुंचाया, फिर मतदान किया

संवाददाता। रांची

- लोकतंत्र के महापर्व के प्रति शफीक अहमद ने पेश की समर्पण की मिसाल

राजधानी में लोकतंत्र के महापर्व के प्रति समर्पण की मिसाल देखने को मिली. शहर के पुंदाग (दीपाटोली) स्थित फातिमानगर में रहनेवाले शफीक अहमद और शाहिना परवीन (पति-पत्नी) फातिमानगर स्थित ज्ञान सिंधु विद्या मंदिर मतदान केंद्र के बूथ नंबर 208 पर मतदान के लिए घर से साथ-साथ निकले थे.

अचानक रास्ते में ही शफीक अहमद की पत्नी शाहिना परवीन गिर पड़ीं. मौके पर ही उनका निधन हो गया. अचानक साथ चलते-चलते जीवनसाथी के साथ छोड़ जाने से शफीक अहमद काफी घबरा गये. उन पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, लेकिन उन्होंने हौसला नहीं खोया. रास्ते में मुहल्ले के लोगों की मदद पहले पत्नी के शव को घर पहुंचाया. घर पर उन्होंने परिजनों को पूरा वाकया बताते हुए पहले मतदान करने की ठानी. परिवार वालों को शाहिना के दफन संस्कार की तैयारी करने को कहा और खुद मतदान करने के लिए बूथ पर पहुंच गये. मतदान केंद्र पर पहुंचकर वोट डाला. फिर घर लौटे और पत्नी के पार्थिव शरीर के दफन की तैयारी में जुट गये.

यशस्विनी पहुंचीं पीड़ित के घर, ढांढस बंधाया

अकस्मात घटी इस घटना की जानकारी रांची संसदीय सीट से कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय को मिली, तो वे तत्काल फातिमानगर पहुंचीं. उन्होंने शफीक अहमद और उनके परिजनों से मिल कर शोक जताया. मृतक के परिजनों को सांत्वना दी. उस दुख की घड़ी में उनका ढांढस बंधाया. सहाय ने मौके पर कहा कि यह लोकतंत्र के महापर्व के प्रति समर्पण की अद्भुत मिसाल है. अहमद ने लोकतंत्र में चुनाव के महत्व को अहमियत देते हुए पहले मतदान करने का निर्णय लिया, जो अत्यंत सराहनीय है.

सुबह लंबी लाइन, 11 बजे के बाद खाली-खाली रहे बूथ

ईवीएम खराब होने से बढ़ी परेशानी

युवा और महिलाओं में दिखा उत्साह

रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त ने किया मतदान

रांची। रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त दिवाकर पांडे ने शनिवार को अपने मताधिकार का प्रयोग किया. न्यायाधीश दिवाकर पांडे ने पुलिस लाइन स्थित मतदान केंद्र पर सुबह 9:30 बजे मतदान किया. उन्होंने रांची सिविल कोर्ट के अन्य न्यायिक पदाधिकारियों समेत अन्य कर्मचारियों से वोटिंग की अपील भी की.

कौशल आनंद। रांची

रांची लोकसभा सीट के लिए शनिवार को शहर के विभिन्न बूथों पर मतदान हुआ. गर्मी और तेज धूप का असर मतदान पर दिखा. गर्मी को देखते हुए सुबह 6 बजे से ही विभिन्न बूथों पर लंबी लाइन लग गयी थी, लेकिन सुबह 11 बजे के बाद धीरे-धीरे मतदान केंद्रों पर भीड़ कम होते चली गयी. शहर के अपर बाजार क्षेत्र में सुबह 11 बजे से ही मतदान केंद्रों पर काफी कम भीड़ देखी गयी. मारवाड़ी कॉलेज महिला विंग में आदर्श बूथ बनाये गये थे. यहां बूथ नं 139 से 142 तक था. सुबह 10.45 बजे तक इक्का-दुक्का मतदाता आते -जाते रहे. सुबह पौने 11 बजे तक केवल 15-20 प्रतिशत ही वोटिंग हुई.

फर्स्ट टाइम वोटरों में दिखा उत्साह

कहा-शिक्षा, महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर की वोटिंग

चुनाव में कई युवा वोटरों ने पहली दफा मतदान किया. शोभना डे, मुन्नी राजपूत, अनन्या डे,करिश्मा कुमारी ने बताया कि उन्होंने बेहतर शिक्षा व्यवस्था, महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर वोटिंग की है. सरकार किसी की बने, लेकिन काम बेहतर करे, यह सोच कर वोटिंग की. कई बूथों पर लोग वॉकर और व्हील चेयर पर वोटिंग करने आए.

वोटर की गलती से डेढ़ घंटे खराब रही ईवीएम

मधुकम के राजकीयकृत मध्य विद्यालय में बूथ संख्या 93 पर सुबह सात बजे वोटिंग शुरू हुई. लेकिन साढ़े सात बजे ईवीएम खराब हो गयी. बताया गया कि एक वोटर ने ज्यादा जोर से बटन दबा दिया, तो मशीन ठप हो गई. उसे ठीक करने में डेढ़ घंटे का समय बीत गया. सुबह 9.30 बजे फिर से मशीन ठीक होने के बाद वोटिंग शुरू हुई.

कहां कैसा रहा मतदान

- **छोटानागपुर कान्वेंट स्कूल मधुकम :** बूथ संख्या : 259 : सुबह 11 बजे तक 20 % मतदान हुआ. शाम चार बजे तक 55% दर्ज किया गया.
- **चौधरी धर्मशाला मधुकम : बूथ संख्या 271 : सुबह नौ बजे तक 10 % मतदान हुआ. तीन बजे तक यहां पर वोट प्रतिशत 33 % रहा.**
- **महेंद्र प्रसाद एकेडमी :** बूथ संख्या 100, 101 : सुबह नौ बजे तक 15 % वोटिंग. शाम तक इस बूथों पर करीब 50 % वोट दर्ज हुआ.
- **राजकीयकृत प्राथमिक विद्यालय मधुकम : बूथ संख्या 260, 261, 262 : सुबह सवा नौ बजे तक 20 % मतदान. शाम चार बजे तक करीब 30% मतदान दर्ज .**
- **राजकीयकृत मध्य विद्यालय मधुकम :** बूथ संख्या 92 से 96 : सुबह नौ बजे तक 20 % मतदान. शाम पांच बजे तक इन बूथों पर 44 % मतदान दर्ज हुआ.
- **क्राउन पब्लिक स्कूल मधुकम : बूथ संख्या 265 से 266 : सुबह सवा नौ बजे तक 18 % वोटिंग, शाम पांच बजे तक 54 % मतदान दर्ज**
- **एलपी पब्लिक स्कूल किशोरगंज :** बूथ संख्या 114 से 118 : सुबह 10 बजे तक 25 % मतदान, शाम तक 60 % वोट दर्ज हुआ.
- **इंटरनेशल स्कॉट स्कूल भारत माता चौक, पुरानी रांची : बूथ संख्या 130 से 133 तक : सुबह 10 .30 बजे तक 25 % वोटिंग, शाम तक 50 % से ज्यादा मतदान.**
- **मारवाड़ी कॉलेज महिला विंग, अपर बाजार :** बूथ संख्या 139 से 142 : सुबह 10 .45 तक 15 % वोटिंग, शाम पांच बजे तक 28 % ही मतदान दर्ज. यह बूथ पूरी तरह से अपर बाजार का मारवाड़ी समाज से जुड़ा है.
- **बालकृष्णा हाईस्कूल अपर बाजार, नियर कोतवाली थाना : बूथ संख्या 144 से 145 : यहां पर सुबह 11.15 बजे तक 30% वोटिंग हुई. शाम तक 55 % वोटिंग दर्ज.**
- **अपर बाजार बकरी बाजार,** बूथ संख्या 143 : सुबह 11.45 बजे तक 15 % , शाम तक 44 % वोटिंग दर्ज.
- **गाड़ीखाना लड़की स्कूल : 137, 138, 152, 153 : दोपहर 12 बजे तक 40 % वोटिंग, शाम तक 55 से 57 % वोटिंग दर्ज.**
- **संस्कृत उच्च विद्यालय :** बूथ संख्या 123 से 129 : सुबह 10 .19 बजे तक 35 %, शाम तक 60 % से ज्यादा वोटिंग.
- **पहाड़ी टोला मिडिल स्कूल : बूथ संख्या 101 से 111 : दिन के सवा बजे तक 35%, शाम तक 60 % से ज्यादा वोटिंग.**
- **रानी सती मंदिर स्कूल, निकट पहाड़ी मंदिर :** बूथ संख्या 97 से 99 । दोपहर 12 .30 बजे तक 25%, शाम तक करीब 55 % वोटिंग दर्ज.
- **शिवनारायण कन्या पाठशाला : बूथ संख्या 51, 52 : दोपहर 11.45 बजे तक 30 % वोटिंग, जबकि शाम तक 55% तक मतदान दर्ज.**

हिंदपीढ़ी के संवेदनशील बूथों पर शांतिपूर्ण तरीके से हुआ मतदान, युवा व महिलाओं में दिखा उत्साह

हिंदपीढ़ी के संवेदनशील बूथों पर शांतिपूर्ण मतदान

सौरभ सिंह। रांची

रांची लोकसभा क्षेत्र के मेन रोड और हिंदपीढ़ी इलाके में शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न हुआ. मेन रोड और हिंदपीढ़ी इलाके के बूथों पर वोट डालने के लिए मतदाताओं में उत्साह था. सुबह से ही बूथों पर मतदाताओं की लाइन लग गई थी. जैसे -जैसे दिन चढ़ता गया, मतदान केंद्रों पर लोगों की संख्या कम होने लगी. मदरसा इस्लामिया मरकज, मारवाड़ी कॉलेज और गुरुनानक स्कूल में युवा और महिला मतदाताओं की ज्यादा भीड़ देखी गई. मतदाताओं से बात करने पर उन्होंने कहा कि मतदान करना हमारी पहली प्राथमिकता है, इसलिए सुबह से ही हम लोग मतदान केंद्र पर आ गए है. वोटिंग करने के बाद ही हम लोग दूसरे काम में जुटेंगे.

मतदान के दौरान हुई परेशानी : हिंदपीढ़ी इलाके के कई मतदान केंद्र के मतदाताओं ने आरोप लगाया कि वोट डालने के दौरान उन्हें कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ा. एक मतदानकर्मी ने बताया कि गर्मी ज्यादा है और ऐसे में मतदाताओं के लिए मतदान केंद्र पर किसी भी तरह का टेंट का इंतजाम नहीं किया गया है. जिस वजह से कई मतदाता बिना मताधिकार का प्रयोग किए ही लौट गये. दूसरी ओर एक मतदाता ने बताया कि मतदान की प्रक्रिया धीमी है, जिससे कई मतदाता परेशान रहे हैं. एक युवा मतदाता ने बताया कि मतदान केंद्र पर लगाए गए ईवीएम के पास लाइट की भी कमी है, जिससे वोटरों के चुनाव चिह्न देखने में दिक्कत हो रही है.

ऑब्जर्वर, एसएसपी और डीएसपी ने बूथों का किया निरीक्षण

पुलिस ऑब्जर्वर, रांची एसएसपी और कोतवाली डीएसपी ने हिंदपीढ़ी इलाके के संवेदनशील बूथों का निरीक्षण किया. पुलिस अधिकारियों ने इस्लामिया मरकज, उर्दू विद्यालय जैसे बूथ पर पहुंचे. बूथ पर तैनात पुलिस के जवानों को कई दिशानिर्देश भी दिया.

कांके रोड के जवाहरनगर में मतदाता धूप से परेशान

कांके रोड के जवाहर नगर में बूथ नंबर 340 पर धूप में मतदाताओं को परेशानी हो रही थी. वहां के लोगों ने एसएसपी चंदन सिन्हा से इसकी शिकायत की. एसएसपी ने वोटरों की बातों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस लाइन से टेंट मंगवाकर बूथ पर लगाने का निर्देश दिया. टेंट लगने के बाद लोगों को धूप से राहत मिली और लाइन में लग कर लोगों ने मतदान किया .

अफसरों ने किया मतदान

लोकतंत्र के इस पर्व में कई पुलिस अफसरों ने मतदान किया. आईजी अभियान अमोल वी होमकर ने अपनी पत्नी के साथ डिबडीह स्थित मतदान केंद्र में मतदान किया. वही रांची डीआईजी अनूप बिरथरे ने मोरहाबादी के चिरौंदी स्थित मतदान केंद्र में पत्नी के साथ मतदान किया, जबकि रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने पत्नी के साथ बरियातू स्थित राजकीय कन्या उच्च विद्यालय में मतदान किया.

कंट्रोल रूम से की जा रही थी मॉनिटरिंग

कचहरी चौक स्थित पुलिस कंट्रोल रूम से भी पूरे शहर की गतिविधियों पर पुलिस द्वारा नजर रखी जा रही थी. रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि कंट्रोल रूम में सीसीटीवी कैमरा की मदद से पूरे शहर में नजर रखी जा रही थी.

मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए रांची पुलिस ने राजधानी के सभी मतदान केंद्र पर सुरक्षा के इंतजाम किए थे. रांची रेंज के डीआईजी अनूप बिरथरे और ग्रामीण एसपी खलारी और मैक्लुस्कीगंज सहित दूसरे ग्रामीण इलाकों में लगातार खुद जायजा ले रहे थे.

10 कमल और एक केला ईवीएम में कैद

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने कहा कि झारखंड में तीसरे चरण का मतदान संपन्न हो गया है. इसमें चार लोकसभा सीट के लिए मतदान हुए. झारखंड की जनता ने उत्साह के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आस्था और विश्वास व्यक्त करते हुए मतदान किया.

जनता के रुझान से स्पष्ट हो गया है कि इन चारों सीट से एनडीए प्रत्याशी रिकॉर्ड मतों से जीत दर्ज करेंगे. तीन चरण के मतदान के बाद 10 कमल फूल और एक केला ईवीएम में कैद हो गया है. वे शनिवार को बीजेपी के मीडिया सेंटर में बोल रहे थे.

ठगबंधन सरकार ने धोखा दिया

आदित्य साहू ने कहा कि झारखंड की ठगबंधन सरकार ने जनता को धोखा दिया है. ठगने का काम किया है. साढ़े चार साल के कार्यकाल में ठगबंधन सरकार ने झारखंड को लूटने का काम किया है. विकास का काम अवरुद्ध करने का काम किया है. जनता इनसे त्रस्त हो चुकी है. इस ठगबंधन को जनता ने वोट के माध्यम से नकारने का काम किया है. चुनाव परिणाम आने पर यह स्पष्ट हो जाएगा.

इंडिया गठबंधन का दावा: चारों सीट जीतेंगे

विशेष संवाददाता। रांची

इंडिया गठबंधन के दलों के नेताओं ने झारखंड में हुए तीसरे चरण के बाद चारों सीटों पर जीत का दावा किया है. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने चारों सीटों पर हुए चुनाव में अलायंस के उम्मीदवारों के प्रति भरोसा जताने के लिए वोटरों का आभार जताया है. कहा कि वोटरों के रुझान को देख कर चारों सीटों पर हुए चुनाव में इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित है. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नाकामियों और झूठे वायदों को देखते हुए जनता ने इस चुनाव में भाजपा से दूरी बना ली है, जिसका पूरा फायदा इंडिया अलायंस के उम्मीदवारों को मिल रहा है. उन्होंने कहा कि संविधान की रक्षा करने और अपने अधिकारों को पाने के लिए जनता ने जिस तरह का भरोसा इंडिया अलायंस के उम्मीदवारों के प्रति जताया हैं, उसे हम कायम रखेंगे.

जनता का आभार जताया

झामुमो महासचिव सुप्रीयो भट्टाचार्य ने राज्य के तीसरे और देश के छठे चरण के लिए हुए मतदान को लेकर झारखंडियों सहित अन्य वोटरों का आभार जताया है. कहा कि जनता ने भारी संख्या में घरों से निकलकर वोट किया. जमशेदपुर,धनबाद और रांची सीट गठबंधन के खाते में आएगी. प्रदेश राजद प्रवक्ता अनिता यादव ने कहा कि मतदान ने साबित कर दिया कि मोदी की विदाई तय हो गयी है. शनिवार को हुए चुनाव में वोटरों के रुझान ने बता दिया कि तीसरे चरण में चारों सीटों पर इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों की जीत होगी. कहा कि जनता ने महंगाई, बेरोजगारी, आरक्षण और संविधान बचाने के लिए मतदान किया. इसके लिए जनता का बहुत-बहुत आभार.

75 वर्षीय रंजना के दोनों पैर का ऑपरेशन हुआ था, एंबुलेंस से वोट डालने पहुंचीं

रेहान अहमद। रांची

75 वर्षीय रंजना साहू के दोनों पैरों का सेल्वी डिवाइन हॉस्पिटल में ऑपरेशन हुआ था. वे चल-फिर पाने की स्थिति में नहीं थीं. किंतु मतदान की इच्छा जाहिर कीं, तो हॉस्पिटल व परिवार के सदस्यों ने उन्हें मतदान केंद्र तक लाया. अस्पताल के एंबुलेंस में चिकित्सक व नर्स की निगरानी में उन्हें संत फ्रांसिस स्कूल लाया गया. फिर एंबुलेंस से उतार कर ह्वीलचेयर पर बैठा कर बूथ के अंदर ले जाया गया. जब उनसे पूछा गया कि माता जी ऐसी स्थिति में भी मतदान के लिए क्यों आईं, तो उन्होंने कहा कि मतदान हमारा अधिकार है. आज मतदान नहीं करेंगे, तो फिर समय निकल जाएगा. आने में थोड़ी परेशानी जरूर हुई, लेकिन हौसले से मतदान किया.

राजधानी के हरमू स्थित संत फ्रांसिस स्कूल में आठ बूथ 284 से 291 थे. यहां सुबह से ही लंबी कतार लगी थी. लोग धूप में छाता लेकर वोट डालने के लिए अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे. दोपहर में वोटिंग की रफ्तार थोड़ी कम हुई. हालांकि दोपहर तक 45 फीसदी मतदान हो चुका था. संत फ्रांसिस स्कूल के बूथनंबर 288 में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन सुबह 10.45 बजे मतदान के लिए पहुंचीं. लाइन में खड़े होकर उन्होंने अपने मताधिकार का प्रयोग किया. इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि मतदान करना हम सब का अधिकार है. मतदान के लिए ज्यादा से ज्यादा लोगों घरों से निकलना चाहिए.

बैसाखी के सहारे सूरज बेटे के साथ वोट डालने पहुंचे : 65 वर्षीय सूरज टोप्पो ठीक से चल-फिर नहीं पाते हैं. वे नयाटोली में रहते हैं. लेकिनमतदान के लिये अपने बेटे के साथ बैसाखी के सहारे बूथ पर पहुंचे. उन्होंने कहा कि मतदान हमारा अधिकार है. इसलिए तो आये हैं. सभी लोग जब मतदान करेंगे, तो नया सबेरा होगा.ईवीएम कुछ देर के लिए हुई खराब

हरमू संत फ्रांसिस स्कूल के बूथ नंबर 286 की ईवीएम अचानक खराब हो गयी. बटन दबाने पर भी कोई आवाज नहीं आ रही थी. फिर कुछ देर के बाद दूसरी मशीन लाई गई, लेकिन कर्मचारियों द्वारा चेक करने के बाद उसे ठीक कर दिया गया.

पर्ची देर से मिली, वोट डालने में नौशाद को साढ़े पांच घंटे लगे : मो नौशाद ने कहा कि उन्हें पर्ची नहीं नहीं मिली थी. सुबह पांच बजे पर्ची के लिए संत फ्रांसिस स्कूल के पास पहुमचे, लेकिन पर उस समय वहां कोई नहीं था, बाहर बने काउंटर पर कुछ देर बाद काफी खोजा, लेकिन लिस्ट में नाम नहीं मिला. सुबह नौ बजे नाम मिला, तो पर्चा मिला. उसके बाद अपने बूथ पर जा कर वोट देने में 10.30 बज गया. इस तरह मतदान करने में साढ़े पांच घंटे लग गये.

मतदाताओं के बीच पहुंचा बंदर, लोगों ने फल खिलाया

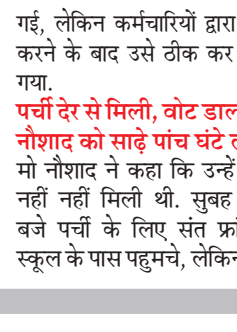

हरमू संत फ्रांसिस स्कूल में कही से एक बंदर आ गया. मतदाता व मतदान कर्मियों के बीच कौतूहल का विषय बन गया. कई मतदाता तो लाइन से बाहर निकल कर बंदर के लिए बाहर से तरबूज, खरबूजा आदि खरीद कर ले आये. बंदर को प्रेम से तरबूज खिलाया. फल खाकर बंदर पेड़ पर चढ़ कर आगे निकल गया.

दुमका में लगाया जोर झामुमो प्रत्याशी नलिन सोरेन और विजय हांसदा के लिए चुनावी सभा कीं

हेमंत बाबू की रिहाई की चाबी जनता के पास: कल्पना

विशेष संवाददाता। रांची

हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने शनिवार को दुमका और राजमहल में कई चुनावी सभाओं को संबोधित किया. उन्होंने पार्टी प्रत्याशी नलिन सोरेन और विजय हासंदा के लिए चुनावी सभा की. इस मौके पर उन्होंने जम कर दहाड़ मारी. कहा कि न कभी दिशोम गुरुजी झुके, न उनके बेटे हेमंत जी झुके. इसलिए हेमंत जी को भाजपा ने साजिश के तहत जेल में डाल दिया. भाजपा डरती है, आपके आदिवासी नेता हेमंत सोरेन जी से, इसलिए चुनाव से ठीक पहले उन्होंने हेमंत जी को जेल में डाल दिया. हेमंत जी ने 1932 खतियान, पिछड़ों को

27 प्रतिशत आरक्षण, सरना आदिवासी धर्म कोड जैसे मुद्दे विधानसभा से पारित किये. कल्पना ने कहा कि इस बार का चुनाव आप जनता मालिक लड़ रही है. भाजपा के खिलाफ हेमंत जी की जेल की चाबी आप सभी के पास है. बीजेपी के मौसमी नेता आप के बीच बरगलाने की कोशिश करने आएंगे, आपको उनकी बात सुनने के बाद सिर्फ झारखंड के सम्मान के प्रतीक तीर-धनुष का बटन दबा देना है.

बकाया मांगने पर भाजपा को तकलीफ हो गयी

कल्पना ने कहा, हम झारखंड का बकाया एक लाख 36 हजार करोड़ केंद्र की तानाशाह सरकार से मांग रहे थे. लोगों को राशन, पेंशन और अबुआ आवास दे रहे थे. इससे भाजपा को तकलीफ हो गयी और आपके नेता को जेल में डाल दिया.

मणिपुर में आदिवासियों को यातनाएं दी गईं

कल्पना ने कहा कि आपने देखा कि भाजपा ने मणिपुर में आदिवासियों की क्या हालत की. वहां डबल इंजन सरकार में आदिवासी मां-बेटियों को क्या-क्या यातनाएं दी गईं. मगर कभी वहां के मुख्यमंत्री को हटाया नहीं गया. कल्पना सोरेन ने कहा कि भाजपा. झारखंड के आदिवासी-मूलवासी की विरोधी है

झारखंडियों ने कभी झुकना नहीं सीखा

संथाल की क्रांतिकारी भूमि दुमका से झामुमो के प्रत्याशी नलिन सोरेन जी के पक्ष में नाला में आपसे मिलने का सौभाग्य मिला. यह वही भूमि है, जहां से हमारे शहीदों ने अंग्रेजों और महाजनों के विरुद्ध तीर-धनुष से लड़ाई लड़ी थी. तीर धनुष आजादी के समय के संघर्ष का प्रतीक था, आज भी है.

सुबह सात बजे से लगी थी लाइन, कोकर बिजली ऑफिस मतदान केंद्र में कम दिखे मतदाता

कोकर-बरियातू के मतदाताओं में दिखा उत्साह

लोस चुनाव

- कोकर बिजली ऑफिस में दो बूथ 461 व 462 बनाये गये थे
- सुबह सात बजे से लगी हुई थी लंबी थी वोटरों की कतार

आकर्ष अनिकेत। रांची

कोकर और बरियातू इलाके के मतदाताओं में मतदान को लेकर काफी उत्साह दिखा. सुबह सात बजे ही बरियातू स्थित डीएवी नंदराज स्कूल में बनाये गये मतदान केंद्र में मतदाताओं की लंबी कतार लग गई. मतदान के लिए लाइन में खड़े वोटर अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे.

बूथ नंबर 400, 401 और 402 में कई वोटर ऐसे थे, जिन्होंने पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग किया. वोट देने के बाद सेल्फी भी ली. कई मतदान केंद्र के बाहर बीएलओ भी मौजूद थे, जो मतदाताओं को क्रम संख्या बताने के साथ पर्ची उपलब्ध करा रहे थे.

बरियातू में हॉकी थीम का बूथ आकर्षण का केंद्र रहा

बरियातू के राजकीय बालिका उवि में मतदताओं को लुभाने के लिए स्पेशल हॉकी थीम पर बूथ बनाया गया था. खेल को बढ़ावा देने के मकसद से पोलिंग स्टेशन की थीम हॉकी थी. पोलिंग स्टेशन में कुल छह बूथ संख्या 378, 379, 380, 381, 382, 383 थे. यहां मतदाताओं में काफी उत्साह था.

कोकर में मतदाता सुबह-सुबह अपने घर से निकले, एजेंटों से पर्ची लेने की होड़ मची रही

कोकर में भी मतदाता वोट देने के लिए सुबह-सुबह घर से निकले. रामलखन सिंह यादव कॉलेज और रामलखन सिंह स्कूल में वोटरों की लंबी कतार लगी रही. वहीं मतदाताओं के बीच राजनीतिक दलों के एजेंटों से पर्ची लेने की भी होड़ मची रही. अपराह्न तीन बजे तक इन दोनों मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतार लगी थी. यहां 438, 439 और 440 बूथ पर मतदाताओं ने जमकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया. वहीं कोकर के बिजली ऑफिस में बनाए गए दो मतदान केंद्र में सुबह में तो काफी भीड़ दिखी, पर दोपहर होते ही मतदाताओं की संख्या काफी हो गयी. यहां पर बूथ नंबर 461 और 462 में काफी कम मतदाता दिखे.

धुर्वा बूथ नंबर 396 में ईवीएम खराब होने से बुजुर्ग मतदाता परेशान हुए

धुर्वा के सर्वोदय बाल निकेतन बूथ नं 396 में ईवीएम खराब होने केकारण मतदान देर से शुरू हुआ. बूथ में सुबह मतदान के लिए पहुंचे 86 वर्षीय डीएन सिंह मतदाता को लगभग एक घंटे इंतजार करना पड़ा. एक घंटे बाद उन्होंने मतदान किया और बूथ के फर्स्ट वोटर बने. हालांकि बूथ में फर्स्ट वोटर को सम्मानित करने के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गयी थी. सिंह ने बताया कि वह मतदान के लिए सुबह छह बजे बूथ पर पहुंच गये थे. सात बजे जब मतदान शुरू हुआ, तब मशीन खराब हो गयी, जिसके चलते उन्हे लगभग एक घंटे तक इंतजार करना पड़ा. उन्होंने बताया कि इस बार वोट उन्होंने देश के विकास के मुद्दे पर दिया है.

कोकर के आरएलएसवाई कॉलेज में दिखी मतदाताओं की सबसे अधिक भीड़

रांची। कोकर के रामलखन सिंह यादव कॉलेज में बनाए गए मतदाता केंद्र में मतदाताओं की काफी दिखी. इस पोलिंग स्टेशन पर कुल 10 बूथ थे. इनमें बूथ नंबर 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460 और 467 शमिल थे. यहां सुबह से ही लोगों का जमावड़ा लगा रहा. दोपहर में जहां अन्य बूथों पर लोगों की संख्या घटी, लेकिन उक्त बूथ पर मतदाताओं की लंबी कतार लगी रही. अपराह्न तीन बजे के बाद मतदाताओं की भीड़ फिर तेजी से बढ़ गयी.

हिनू व डोरंडा : सुबह उत्साह, दोपहर में शांति, तीन बजे लगी लाइन

प्रवीण कुमार। रांची

हटिया विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्रों पर सुबह मतदान शुरु होते ही वोटरों की लंबी लाइन लग गयी. दिन के 11 बजे तक 28 से 30 प्रतिशत मतदान हो चुका था. लेकिन 11 बजे से लेकर 2 बजे तक भीड़ कम हुई, तो लोग बिना लाइन लगे ही वोट डालते रहे. दिन के दो बजे के बाद फिर से मतदान केंद्रों पर लाइन लग गई.

बिशप वेस्टकॉट गर्ल्स स्कूल डोरंडा: बिशप वेस्टकॉट गर्ल्स स्कूल परिसर में चार मतदान केंद्र बनाये गये थे. बूथ संख्या 365, 366, 367, 393 पर मतदाताओं का हुजूम मतदान शुरू होने से पहले पहुंचने लगा था. सुबह सात बजे से ही मतदान केंद्रों पर लंबी लाइन लग गई थी. मतदान केंद्र पर युवा से लेकर महिला व बुजुर्ग मतदान करने के लिए उत्साहित थे. दिन के 10 बजे तक इस मतदान केंद्र के चारों बूथ पर औसतन 300 से 350 के बीच वोट डाले जा चुके थे.चारों बूथों पर दिन के11 बजे तक लाइन खत्म हो गई थी. 11 बजे के बाद जो भी मतदाता मतदान के लिए आ रहे थे, वह आसानी से अपने मताधिकार का प्रयोग कर पा रहे थे. स्थानीय मुद्दों पर लोग जमकर मतदान कर रहे थे.

नये वोटरों में उत्साह : बिशप वेस्टकॉट गर्ल्स स्कूल में बने मतदान केंद्रों पर पहली बार मतदाता बने युवा मतदाताओं में मतदान को लेकर काफी उत्साह था. पहली बार मतदान करने के लिए आये नये मतदाताओं में नुसरत, नूरी, मोना आदि में पहली बार मतदान करने का एक अलग ही उत्साह दिखा. नूरी ने कहा पहली बार वोट डाला है. यह देश का सबसे बड़ा त्योहार है.

संत स्टीफन स्कूल हिनू : संत स्टीफन स्कूल हिनू में तीन मतदान केंद्र बनाये गये थे. यह हटिया विधानसभा में आता है. स्कूल में बने बूथ की संख्या 450,451 और 452 है. दिन के 11 बजे तक मतदाताओं की लाइन समाप्त हो गई थी. जो वोटर मतदान के लिए आ रहे थे, वे बिना लाइन लगे ही अपने मताधिकार का प्रयोग आसानी से कर पा रहे थे, जबकि सुबह से लंबी-लंबी लाइन बूथ पर लगी थी. दोपहर 12 बजे तक बूथ संख्या 450 पर कुल 253 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर लिया था. 451 बूथ संख्या में न्यू एरिया गांधीनगर, प्रकाश नगर, सेंट पीटर गली और न्यू प्रकाश नगर के मतदाता शामिल थे. वहीं 451 बूथ कुल 828 वोटर थे, जिसमें 270 लोगों ने 12 बजे तक वोट डाल चुके थे, जबकि बूथ संख्या 452 में कुल 355 लोग अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके थे.

अरगोड़ा-कटहल मोड़ रोड और पुंदाग के बूथों पर लगी रही लाइन

पियूष गौतम। रांची

लोकसभा चुनाव 2024 के छठे चरण के चुनाव के साथ ही झारखंड में तीसरे चरण का चुनाव संपन्न हुआ. रांची के अरगोड़ा-कटहल मोड़ रोड और पुंदाग में शनिवार को सुबह से ही मतदादाताओं ने भारी उत्साह के साथ मतदान किया. महिलाओं और बुजुर्गों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया. दिनभर मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतार लगी रही. लेकिन तेज धूप और गर्मी के कारण दोपहर 1 बजे से 2 बजे के बीच मतदाताओं की संख्या में थोड़ी कमी देखी गई.

कटहल मोड़ मतदान केंद्र पर बंपर वोटिंग : अरगोड़ा के छह मतदान केंद्र (बूथ संख्या : 272, 273, 274, 279, 280, 281) पर 53.21 प्रतिशत मतदान हुआ. यहां कुल 3073 महिला वोटरों में से 1608 महिलाओं ने मतदान किया. वहीं अरगोड़ा-कटहल

मोड़ रोड में स्थित चार मतदान केंद्र (बूथ संख्या : 275, 276, 277, 278) पर 49.04 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान किया. कुल 2166 में से 1054 महिला मतदाता रहीं. पुंदाग के दो बूथों (282 और 283) पर 58.38 प्रतिशत मतदान हुआ. यहां 1386 महिला वोटरों का नाम मतदाता सूची में शामिल था. जिसमें से 780 महिलाओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया. वहीं कटहल मोड़ के पास बनाए गए मतदान केंद्र (बूथ संख्या 103, 104, 105, 106, 110, 111, 112, 113) पर दोपहर तीन बजे तक 64.21 फीसदी मतदान दर्ज किया गया.

वोटिंग भले कम रही, पर उत्साह के क्या कहने!

लोकतंत्र का महापर्व

राजन बॉबी। रांची

राजधानी में शनिवार को लोकसभा छठे चरण के चुनाव में वोटिंग प्रतिशत भले कम रहा, रातू रोड के बूथों पर भी इसका खासा असर रहा, बावजूद इसके मतदाताओं के उत्साह के तो क्या कहने. लोकतंत्र के महापर्व में पहला वोट देने से लेकर पहली बार मतदान करने वालों का उत्साह देखते ही बन रहा था. सीनियर सिटिजन और शारीरिक रूप से असहाय भी अहले सुबह वोट डालने पहुंचे, महिलाओं ने भी बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज करायी.

पहली बार 18 की दहलीज पर कदम रख चुके युवाओं में भी मतदान करने को लेकर खासा उत्साह रहा. मतदान करने के बाद कुछ वोटरों ने दैनिक शुभम संदेश से अपने अनुभव साझा किये. साथ ही बताया कि राज्य और देश के विकास को लेकर काम करने वाले के पक्ष में मतदान किये हैं.

वोटर लिस्ट में नाम नहीं, मतदाता रहे परेशान

मतदाता सूची में नाम नहीं होने से मतदाता परेशान रहे. रातू रोड के कृष्णा चौधरी पत्नी नीतू देवी के साथ गौरीदत्त मंडेलिया स्कूल पहुंचे. लेकिन सूची में नाम नहीं मिलने से परेशान हो गये. इससे पहले तक के चुनाव में उन्होने वोट डाला था, इस बार पता नही कैसे नाम गायब हो गया. कृष्णा ने बीएओ से भी संपर्क किया, पर लिस्ट नाम नहीं मिला. प्रेम कुमार भी अहले सुबह से सूची में नाम खोजते रहे, पर उन्हें नहीं मिला. बीएलओ ने बताया कि नाम डिलीट हो गया है.

दमखम से लगे रहे भाजपा नेता रमेश

भाजपा नेता और कई धार्मिक संगठनों के अध्यक्ष पार्टी के पक्ष में वोट डलवाने के लिए दमखम से लगे रहे. रातू रोड के मैट्रो गली में इनके अलावे संजय कुमार जायसवाल, शाश्वत दुबे, नंदकिशोर अरोड़ा, हरविंदर सिंह बेदी भी अपने समर्थकों के साथ मतदाताओं को हरसंभव सहायता दी. बूथ पर बैठे कार्यकर्ता के खाने-पीने का खास ख्याल रखा.

पहला वोट डाल फूले नहीं समा रहे थे रूपेश

रूपेश ठाकुर पहला वोट डालने के लिए सुबह चार बजे से ही मतदान केंद्र पर डटे थे. सात बजे जैसे ही मतदान शुरू हुआ, उन्होंने अपना पहला वोट राजकीय प्रावि पिस्का मोड के बूथ संख्या 73 में डाला. मौके पर जिला प्रशासन की ओर से गुलाब भेंट की गयी .उन्होंने बताया कि राज्य और देश के लिए बेहतर काम करने वाले के पक्ष में मतदान किया है.

सुधीर ने पहला वोट तो डाला, पर नहीं मिला फूल : लॉर्ड फास्टर एकेडमी स्कूल के 69 बूथ पर सुधीर ने पहला मतदान किया, लेकिन उन्हें प्रशासन की ओर से गुलाब नहीं भेंट किया गया, प्रशासन पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए बताया कि सब बूथों पर पहले मतदाता को सम्मान दिया गया, लेकिन यहां किसी ने नहीं पूछा.

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर के छात्रों ने तैयार किया विधायी मसौदा

रांची। राष्ट्रीय विधि अध्ययन और अनुसंधान विश्वविद्यालय में शनिवार को विधायी मसौदा तैयार करने की राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें देशभर से कानून के छात्रों ने हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा और समर्पण का पूरे जोश के साथ प्रदर्शन किया. क्रिप्टोकरेंसी विनियमन विषय पर विधायी मसौदे प्रस्तुत कर छात्रों ने अपने मसौदे का बचाव किया. इस दौरान कई जाने-माने न्यायाधीशों और छात्रों ने बौद्धिक आदान-प्रदान किया. नीति, कानून और एजेंडा केंद्र के संकाय संयोजक डॉ. वागीश उपाध्याय ने कहा कि इस तरह के प्रतियोगिता के आयोजन से कानूनी पेशेवरों की अगली पीढ़ी को पोषित करने में मदद मिलती है.

चुनाव पर्व मतदान में महिलाओं को परेशानी न हो, इसके लिए महिला एजेंट दिखीं सक्रिय

दिव्यांगों के सहयोग में सामाजिक कार्यकर्ताओं के बढ़े हाथ

बसंत मुंडा। रांची

लोकतंत्र महापर्व लोकसभा चुनाव की छठे चरण के लिए रातू में 96 मतदान केंद्र बनाये गये. सुबह से मतदाताओं में उत्साह देखते बन रहा था. रातू क्षेत्र के सभी बूथों पर कतारबद्ध तरीके से वोट दे रहे थे. सुबह 6.15 बजे से ही लोग बूथ पर पहुंचने लगे थे.

मतदान केंद्र के बाहर बूथ एजेंट मतदाता सूची लेकर बैठे गये. महिला मतदाताओं को मतदाता सूची खोजने में परेशानी न हो. इसके लिए महिला एजेंटों भी बढ़चढ़ कर सहयोग किया.सुबह 7 बजे मतदान शुरू हुआ. महिला और पुरुष मतदाताओं

के लिए अलग-अलग कतारें बनायी गयी थीं. रातू के राजकीय मध्य विद्यालय हुरहुरी में 82 साल और 70 साल के बुजुर्ग महिला वोट देने

पहुंचे थे.राजकीय मध्य विदयालय झखराटांड़ में दो मतदान केंद्र बनाया गया था.पहला मतदान केंद्र 31 और 32 बनाया गया था. सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बेसहारा लोगों को मतदान केंद्र तक पहुंचाने के लिए टुकटुक गाड़ी की व्यवस्था की थी. खासकर दिव्यांग लोगों को परेशानी न हो इसके लिए सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बेहतर व्यवस्था की थी. यहां सरकार की ओर से ह्वीलचेयर की व्यवस्था की गयी थी, ताकि दिव्यांग महिला पुरुष आसानी से अपना वोट दे सकें.

बूथ संख्या 31 पर सुबह 10 बजे तक 290 लोग अपना वोट दे चुके थे. मतदाताओ को परेशानी न हो, इसके लिए चूना से लकीरें बना ली गयी. ताकि सभी मतदाता कतार बद्ध तरीके अपना वोट दे सके. इसके लिए बीएलओ और आंगनबाड़ी सहियाओं ने चूना से दो अलग अलग लकीरें बना रखे थे. दूसरा मतदान केंद्र राजकीय अभ्यासिक मध्य विद्यालय में पांच बूथ 25,26,27,28,29 और 30 बनाया गया, जहां पर एतवारबाजार, झखराटांड़, संजय नगर क्लॉनी, टोंगरी टोला, सरना नगर के लोगों के लिए बूथ बनाया गया. यहां पर सड़क पीपल के पेड़ गर्मी का सहारा बना. तेज गर्मी होने के बाद भी मतदाताओं में रुझान कम नही हुआ.

गोवरमंटे प्राइमरी स्कूल ब्लॉक में भी मतदान केंद्र बनाया गया था. मतदान केंद्र के बाहर चार महिला एजेंट मतदाता सूची लेकर बैठे हुए थे. महिला वोटरों को परेशानी न हो, इसके लिए महिला एजेंट सक्रिय दिखे.

न्यूज अपडेट

दर्जनों स्थान पर की गई प्याऊ की व्यवस्था

रांची। मतदातओं को प्यास बुझाने के लिए राष्ट्रीय युवा शक्ति ने दर्जनों बुथों पर शुद्ध पानी की व्यवस्था की.. अध्यक्ष उत्तम यादव ने कहा कि रांची में गर्मी बढ़ गई है. लोग पानी के लिए इधर उधर न भटकें. इसके लिए घड़ों में पानी की व्यवस्था की. मौके पर नितेश वर्मा, उमेश साहू, मोनू विश्वकर्मा, मनोज प्रसाद, राजू साहू, मिकी कुमार, विशाल साहू, रोहित यादव, रंजन माथुर, बबलू साहू, शुभम गुप्ता समेत अन्य शामिल थे.

जादूगर जे कुमार ने मतदाताओं को दिखाया निःशुल्क शो

रांची। राजधानी के कचहरी रोड रोड स्थित वेंडर मार्केट में मतदाताओं को शनिवार को निःशुल्क जादू शो दिखाया. इसकी लोगो ने खूब सराहना की. अपने शो के दौरान बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, नशा से बचे, अंधविश्वास से बचे जैसे अनेक सामाजिक संदेश देकर जन जागृति लाने का प्रयास किया.जादूगर जे कुमार ने कहा कि जादू उनके लिए प्रोफेशन के साथ साथ समाज से विकृतियों को दूर करने का एक मैजिकल मिशन भी है.

पक्षियों, गिलहरियों के लिए लगाया चुग्गा पानी

रांची। भीषण गर्मी का दौर जारी है, इंसान के साथ साथ पशु-पक्षी भी बेहाल हैं. विशेष अभियान के तहत राष्ट्रीय युवा शक्ति के केंद्रीय अध्यक्ष उत्तम यादव के नेतृत्व में मोरहाबादी मैदान एवं पहाड़ी मन्दिर परिसर में पेड़ों पर मटकी का पॉट लगाया गया. पहाड़ी मंदिर के जंगलों में विभिन्न प्रकार की पक्षियों और गिलहरियों का बसेरा है. इसलिए यहां सैकड़ों जगह पर पशु-पक्षियों के पानी एवं खाने के लिए दाने की व्यवस्था की गई.

130वें श्री श्याम भंडारे में 25 से अधिक लोगों ने लिया प्रसाद

रांची। श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में प्रत्येक शनिवार को होने वाला 113 वा श्री श्याम भंडारा भक्तिमय रंग में सम्पन्न हुआ, जिसमें 2500 से अधिक लोगों ने प्रसाद लिया. मंडल के महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया एवं उपमंत्री अनिल नारनोली के नेतृत्व में राकेश शर्मा, उषा देवी शर्मा, मनीष शर्मा, उत्तम, शुभम, साक्षी शर्मा ने खाटूनरेश एवं अन्य देवी-देवताओं को प्रसाद अर्पित किया. इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी, महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू, श्रवण ढानढनिया, श्याम सुंदर शर्मा,स्नेह पोद्दार, आशीष डालमिया, अभिषेक सरावगी, अनुज मोदी, अमित सरावगी आदि ने भंडारा वितरण में सहयोग किया।

शेफ आशुतोष व्यंजनों में कर रहे महारत हासिल

रांची। भारतीय व्यंजनों को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित 2022 में इसे सबसे प्रतिष्ठित रेस्तरां बनाने तक शेफ आशुतोष कुमार के कौशल से भारतीय एफ एंड बी उद्योग गर्व करता है. मालूम हो अशुतोष ने अपने कौशल व भोजन, खाने वाले व ग्रब बनाने की प्रक्रिया में जो अहम है, उसके बीच एक बंधन बनाने की प्रतिबद्धता के साथ पहल की. भारत में कुछ रसोइयों ने भारतीय कला को वैश्विक मानचित्र पर ले लिया है. अपनी मातृभूमि के स्वाद व सुगंध के प्रति उनके दृढ़ प्रेम व सम्मान ने प्रेरक शक्ति के रूप में काम किया. क्षेत्रीय ग्रबों की खोई हुई महिमा को पुनर्जीवित करने में अपनी भूमिका निभाई. जिसके लिए आशुतोष अनुभवी शेफों के बीच एक प्रतिष्ठित प्रतीक है.

अग्रवाल युवा सभा ने मतदान में सहभागिता निभायी

रांची। लोकतंत्र में हमारा मत ही देश की समृद्धि व प्रगति की नींव रखता है. इस अवसर पर अग्रवाल युवा सभा, रांची के सदस्यों ने जिस उत्साह से 10 दिनों से चल रहे मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया, उसी क्रम में सदस्यों ने संविधान के एक सच्ची प्रहरी के रूप में सजगता के साथ अपने मताधिकार का सदुपयोग किया. संस्था में 500 अग्रवाल युवा सदस्य शामिल है, जिसमें 90 फीसदी से अधिक युवाओं ने अपने परिवार संग शनिवार को मतदान में अपनी सहभागिता दी.अग्रवाल युवा सभा के सचिव रौनक झुनझुनवाला ने कहा कि संस्था द्वारा एक लक्की ड्रा पुरस्कार कार्यक्रम भी रखा गया, जिसमें चुनाव के दिन अपने मतों का प्रयोग करने के बाद, उंगली पर लगी स्याही के निशान के साथ सेल्फी भेजने को कहा गया, बाद में सभी प्रतिलिपि को जमा कर लकी ड्रा कराकर, 11 विजेताओं को पुरस्कृत किया जायेगा. मौके पर मीडिया प्रभारी सन्नी टिबड़ेवाल, अमित प्रकाश बजाज आदि शामिल थे.

बिरसा चौक के पास अंबे होमियो क्लिनिक प्रारंभ

रांची। बिरसा चौक के समीप शनिवार को साहित्यकार एवं चिकित्सक डॉ. रजनी शर्मा के मां अंबे होमियो क्लिनिक का उद्घाटन हुआ. मां सरस्वती के पूजन अर्चन ,दीप प्रज्वलन एवं भोग लगाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। फीता काटकर सभी ने क्लीनिक में सुप्रवेश किया। रेनू झा रेणुका द्वारा मंत्र उच्चारण किया गया। डॉ सुरेन्द्र कौर नीलम द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। प्रख्यात साहित्यकार डॉ. अशोक प्रियदर्शी की अध्यक्षता में अनेकों साहित्यकारों ने काव्य पाठ किया। उनमें डॉ सुरिन्दर कौर नीलम, आशुतोष प्रसाद, राकेश रमन रार, संगीता वर्मा, रंगोली सिन्हा, पुष्पा सहाय गिन्नी, करुणा सिंह, संगीता सहाय अनुभूति, रंजना वर्मा उन्मुक्त, निर्मला कर्ण, संगीता यादव, सदानंद सिंह यादव, शुभम चौधरी, आशुतोष द्विवेदी,संतोष समर, सोनल थेपरा, रीना कुमारी दुबे, सूरज श्रीवास्तव, मीरा सिंह एवं डॉ रजनी शर्मा शामिल थीं. एसएस मेमोरियल कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ वंदना राय, बीबी सहाय डॉ उजाला सहाय एवं प्रोफेसर डॉ इम्तियाज आदि मौजूद थे.

कुर्बान फाउंडेशन ने दिव्यांगों को बूथ तक पहुंचाया

रांची। संसदीय चुनाव के छठे चरण के दौरान झारखंड के चार लोकसभा क्षेत्रों में मतदान हुए.रांची लोकसभा क्षेत्र के हरिजन स्कूल, सेठ सीताराम विजय वर्गीय हाई स्कूल, कन्या पाठशाला, इस्मालिया उर्दू स्कूल, बीएमपी स्कूल आदि बूथों पर झारखंड आंदोलनकारी एवं कुर्बान उस्ताद फाउंडेशन की ओर से मतदाताओं, पोलिंग एजेंटों, बूथ एजेंटों सुरक्षा में तैनात जवानों को तेज गर्मी में राहत के लिये पानी एवं फल का वितरण किया गया.

भाई-बहन ने पहली बार किया मतदान, हुए खुश

रांची । राजकीयकृत मवि पत्थलकुदवा के बूथ संख्या 249 में भाई हर्ष और बहन सामया ने पहली अपना मतदान किया है. मतदान कर वे काफी खुश हुए. उन्होंने कहा कि पहली बार मतदान करने में अच्छा लगा. मतदान करना सभी नागरिक का कर्तव्य है. इसलिए मतदान तो सभी को करना चाहिए.

धूप में भी चरम पर था ग्रामीणों का उत्साह , सुबह से ही बूथों पर लगी रही मतदाताओं की भीड़, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

मतदान के लिए ग्रामीणों में था उत्साह

खलारी में 60.12% मतदान

संवाददाता। खलारी

लोकतंत्र के महापर्व लोकसभा चुनाव 2024 के छठे चरण में खलारी कोयलांचल क्षेत्र के 60 बूथ पर शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न हुआ. खलारी प्रखंड में कुल 60.12% मतदान हुआ, जिसमें सबसे अधिक मतदान बूथ नंबर 60 में 89.7% और सबसे कम मतदान बूथ नंबर 50 में 35.96% मतदान हुआ. लोकसभा चुनाव के छठे चरण में हो रहे मतदान के लिए खलारी कोयलांचल क्षेत्र के सभी मतदान केन्द्रों पर वोट देने को लेकर मतदाताओं के बीच काफी उत्साह देखा गया, सुबह 6:00 से ही मतदाताओं की लाइन लगनी शुरू हो गई और 7:00 बजे मतदान शुरू होने के साथ ही सभी मतदाताओं ने अपनी अपनी मताधिकार का प्रयोग किया. खलारी कोयलांचल क्षेत्र के राय हाई स्कूल में बने मतदान केंद्र पर सैकड़ो की संख्या में मतदाताओं की लंबी कतार लग गई, चुनाव ड्यूटी में तैनात मतदान कर्मियों ने पुलिस की कड़ी सुरक्षा के बीच बारी-बारी से सभी लोगों का मतदान संपन्न कराया. खलारी एसीसी स्कूल, मैक्लुस्कीगंज के मीडिल स्कूल, बमने मीडिल स्कूल, पुरानी राय मीडिल स्कूल, डुंडू मीडिल स्कूल, राय कोलियरी मीडिल स्कूल समेत अन्य सभी स्कूलों में बने मतदान केंद्र पर सुबह से ही मतदाताओं की लंबी कतार लगी हुई थी.

कांके में 70 प्रतिशत मतदान

कांके। प्रखंड के कांके में मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ.कांके में 70 प्रतिशत मतदान हुआ.कांके के एसपीजी मिशन स्कूल के बूथ संख्या में मतदाताओं को सुरक्षा बलों ने मोबाइल को गेट के बाहर की छोड़कर स्कूल परिसर में आने दे रहे थे. कई महिलाओं को अपना मोबाइल फोन रखने में समस्याएं आ रही थी .जिस वजह से कई लोग वापस लौट गये. लोगों ने नाराजगी जाहिर करते हुये बताया कि मतदान केंद्र तक फोन लाया जा सकता है.लेकिन बूथ के अंदर प्रवेश करने की अनुमति नहीं है .वहीं हलदाम के बूथ संख्या 212 में सुबह वहां के ग्रामीण सांसद व समरीलाल से नाराज होकर वोट बहिष्कार कर दिया.जिससे लगभग आधा घंटा मतदान बाधित रहा. ग्रामीणों का कहना था. उनके गांव के कच्ची सड़क का आज तक पक्कीकरण नहीं हो पाया .सीओ को वोट बहिष्कार की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों से मिलने हलदामा पंहुचे. उन्होंनें ग्रामीणों ंको लिखित आश्वसन देकर कहा कि चुनाव बाद वे स्वंय रोड निर्माण की प्रक्रिया शुरु करायेगें . उसके बाद वहां 72 प्रतिशत मतदान हुआ. वहीं छह मॉडल बूथ पर व एक युवा बूथ पर बुर्जगों,दिव्यांगों के लिये व्हील चेयर उपलब्ध कराये गये थे.वहीं चाय व पानी की भी व्यवस्था की गई थी. जयपुर पंचायत के पूर्व मुखिया राजन मुंडा व उनकी पत्नी ने लगातार तीसरी बार चुनाव में विश्वा स्थित यूथ बूथ पर पहले स्थान पर मत देने का अधिकार प्राप्त किया.

नामकुम में 70.41 % मतदाताओं ने डाले वोट

नामकुम। प्रखंड में शनिवार को 70.41 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान किया. इसमें महिला मतदाताओं की संख्या 41,351 और पुरुष मतदाताओं की संख्या 39,665 रही. महिलाओं के मतदान का प्रतिशत 70.48 और पुरुषों का 70.34 प्रतिशत रहा. यह जानकारी मुख्य निर्वाची पदाधिकारी प्रभात भूषण सिंह ने दी. सेक्टर 105 के बूथ संख्या 256 पर सर्वाधिक 87.63 प्रतिशत मतदान हुआ. वहीं सेक्टर संख्या 92 के बूथ संख्या 183 पर सबसे कम 36.61 प्रतिशत मतदान हुआ. सुबह सात बजे से ही तेज धूप और गर्मी के बावजूद मतदाता मतदान केंद्र पर पहुंचने लगे थे. हालांकि अन्य चुनावों की अपेक्षा मतदाताओं का रुझान कम देखा गया. लगभग सभी मतदान केंद्रों पर देर शाम तक मतदाता पहुंचते रहे.

अनगड़ा के 109 बूथों पर 79 %मतदान

अनगड़ा। प्रखंड के 109 मतदान केंद्रों पर शनिवार को 79 प्रतिशत मतदान हुआ. खिजरी विधानसभा क्षेत्र के अनगड़ा प्रखंड क्षेत्र के 78 मतदान केंद्रों पर 80 प्रतिशत मतदान हुआ है. यहां 65,954 मतदाताओं में से 53,000 ने मतदान किया. सर्वाधिक मतदान 85 प्रतिशत चुकड़ूबाहा और मुनगाडीह में हुआ। यह जानकारी बीडीओ जयपाल सोय और सीओ राजू कमल ने दी. सुबह कई बूथों पर साढ़े पांच बजे तो कुछ बूथों पर सुबह छह बजे से ही मतदाता कतार में खड़े नजर आए. भीषण गर्मी के बाद भी मतदाता अपनी बारी के इंतजार में दो घंटे तक कतार में लगे रहे। एक बजे तक करीब 51% मतदान होने के बाद मतदाताओं कि संख्या घटने लगी. अनगड़ा के बूथ संख्या एक डोकाद में तकनीकी कारणों से आधा घंटा मतदान बाधित रहा. बूथ संख्या छह गौतमधारा में चार वोट पड़ने के बाद मशीन खराब हो गई. इससे यहां आधा घंटा मतदान बाधित रहा. गेतलसूद पंचायत भवन बूथ संख्या 137 में ईवीएम में खराबी के कारण करीब एक घंटा मतदान रुका रहा.मवि गेतलसूद के बूथ संख्या 138 पर कुल 1126 मतदाता होने के कारण मतदाताओं की लंबी कतार लगी रही. इधर, मवि सोसो में भी मतदान की गति बहुत धीमी होने की शिकायत मिली. सालहन, बेड़वारी, मासू और बोंगईबों बेड़ा में शाम सात बजे तक मतदान चला.

सिल्ली में 72.01% मतदान

सिल्ली/मुरी। सिल्ली प्रखंड के सभी बूथों पर शनिवार को शांतिपूर्ण, स्वच्छ एवं निष्पक्ष रूप से संपन्न हुआ. प्रखंड कार्यालय के द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार पुरुष मतदाताओं की संख्या 34165 एवं महिलाओं की संख्या 34239 रही एवं कुल मत 68404 पड़े. मतदान का प्रतिशत भी 72.01% रहा. सुबह लगभग 6 बजे से ही मतदान केन्द्रों पर मतदान करने के लिए मतदाता की लंबी कतार लगना शुरू हो चुका था. एक दो बूथों पर ईवीएम खराब होने की जानकारी मिली परंतु कुछ देर बाद खामियों को दूर कर मतदान शुरू कर दी गई. इसी क्रम में आजसू सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो अपनी धर्मपत्नी नेहा महतो एवं माता देवकी देवी सहित पैतृक गांव लगाम के राजकीयकृत प्राथमिक विद्यालय लगाम बूथ संख्या 123 में लोकतंत्र के पर्व में शामिल होकर मतदान किया.

डकरा में मात्र 49.75 प्रतिशत मतदान

डकरा। सीसीएल एनके एरिया की डकरा क्षेत्र में कुल 15 बूथ पर शनिवार को छठे चरण का मतदान शांतिपूर्वक संपन्न हुआ . जिसमें कुल 49.75 प्रतिशत मतदान किया गया ।15 बूथ में कुल 13437 मतदाता थे, जिसमें 6685 मतदाताओं ने अपने मतदान का प्रयोग किया.परियोजना कार्यालय डकरा के बूथ संख्या 40 में 515, 41 में 624,42 में 508 मतदाता ने अपने मतदान का प्रयोग किया. सेल्स ऑफिस डकरा की बूथ संख्या 46 में 357 ,47 में 435 दुर्गा मंडप डकरा में बूथ संख्या 43 में 350 ,44 में 370 मोहन नगर के बूथ संख्या 36 में 619 37 में 396, 45 में 656 मध्य विद्यालय डकरा के बूथ संख्या 38 में 345 ,बूथ संख्या 39 में 411 सुभाष नगर के बूथ संख्या 48 में 421 ,49 में 299, 50 में 379 वोट पड़े .

राहे में 75.22 व सोनाहातू में 76.20 % वोटिंग

सोनाहातू/राहे। रांची लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत सिल्ली विधानसभा के सोनाहातू और राहे प्रखंड में शांतिपूर्ण मतदान संपन्न हुआ. प्रखंड कार्यालय के अनुसार शाम तक राहे प्रखंड में 75.22 प्रतिशत तथा सोनाहातू प्रखंड में 76.20 प्रतिशत मतदान हुआ. जिसमें पुरुष 236790 तथा महिला 23569 वोटिंग किया.सबसे अधिक मतदान बूथ 252 कोंकाडीह में 88.33 सबसे कम 277 बूथ पापरीदा में 62.50 प्रतिशत हुआ. मतदान केन्द्रों में दिव्यांग मतदाताओं के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी. इससे पूर्व मतदाताओं ने उत्साह के साथ सुबह 7 बजे से ही बूथों में कतार में खड़े दिखे. मतदान केंद्र में सुबह से ही लंबी कतार देखी गई. नए युवा वोटर उत्सुकता के साथ अपना मतदान का प्रयोग किया. बुजुर्ग मतदाता भी बढ़ चढ़कर मतदान किया.

ओरमांझी के बूथों में उमड़ी वोटरों की भीड़

ओरमांझी। लोकतंत्र के महापर्व में हिस्सा लेने के लिए प्रखंड में रांची संसदीय सीट पर शनिवार को लोगों में भारी उत्साह देखा गया. प्रखंड से लेकर सुदूरवर्ती गांव तक मतदान केन्द्रों पर सुबह से ही लंबी-लंबी लाइन लग गई सबसे ज्यादा उत्साह युवाओं में देखा गया. देश के छठे और झारखंड के तीसरे चरण के लिए हो रहे मतदान में रांची सीट से 27 उम्मीदवार मैदान में थे.लेकिन मुख्य मुकाबला भाजपा के संजय सेठ और इंडिया गठबंधन की यशस्विनी सहाय के बीच देखा गया.कांग्रेस पार्टी के ग्रामीण महासचिव अनवारूल अंसारी ने चुटु मतदान केंद्र पर मतदान किया. इसके अलावा विल्स क्लब ऑफ कांके सह इफ्रा यूथ फाउंडेशन के अध्यक्ष इमरान अंसारी ने मतदान किया. थाना प्रभारी आलोक कुमार सिंह एवं अंचलाधिकारी नितिन शिवम गुप्ता सुबह से ही प्रखंड क्षेत्र में पड़ने वाले सभी बूथों का निरीक्षण कर रहे थे.

बुढ़मू में रिकार्ड 75.24 प्रतिशत मतदान

बुढ़मू। रांची लोकसभा सीट के लिए शनिवार को शाम पांच बजे तक बुढ़मू प्रखंड के कुल 82 बूथों पर 75.24% मतदान हुआ. सुबह से ही मतदाताओं में गजब का उत्साह दिखा, मतदाता सुबह छह बजे से पहले मतदान केंद्र पर पहुंचने लगे थे। सुबह सात बजे तक मतदान शुरू हो गया . कुछ बूथ पर इवीएम में खराबी के कारण थोड़ी देर से मतदान शुरू हुआ . प्रखंड में सुबह नौ बजे तक 13.04 फीसदी, 11 बजे तक 28.85 फीसदी, एक बजे तक 46.45 फीसदी, तीन बजे तक 62.65 फीसदी और शाम पांच बजे तक कुल 75.24 फीसदी मतदान हुआ. कई बूथों पर बुढ़मू, ठाकुरगांव थाना प्रभारियों ने विकलांग मतदाताओं को बूथ तक पहुंचाया. वहीं शांति पूर्ण मतदान को लेकर बतौर दंडाधिकारी सीओ सच्चिदानंद वर्मा, बीडीओ धीरज कुमार, बुढ़मू थानेदार रामजी कुमार, ठाकुरगांव थानेदार विनीत कुमार समेत सशत्र बल और केंद्रीय बलों के जवान शामिल थे.

बुढ़मू व ठाकुरगांव थाना प्रभारियों ने की मदद

दिव्यांगों, बुजुर्ग महिला पुरुष मतदाताओं को किसी प्रकार की दिक्कत न हो इसका खासा ध्यान रखा जा रहा था .इस दौरान बुढ़मू व ठाकुरगांव थाना प्रभारी ने आगे बढ़कर दिव्यांगों को मदद करते नजर आये . मतदाताओं को थाना प्रभारी रामजी कुमार व विनीत कुमार ने स्वयं आगे बढ़कर मतदान करने के लिए बूथ तक पहुंचाया .

बीजेपी व कांग्रेस ने अपनी-अपनी जीत का किया दावा

झारखंड में पांचवें चरण का चुनाव संपन्न होने के बाद भाजपा और झारखंड कांग्रेस ने पांचवे चरण की सभी सीटों पर अपनी-अपनी जीत का दावा किया है . जेबिकेएसएस के उम्मीदवार भी अपनी जीत की दावेदारी पेश की है . जीत किसकी होंगी यह तो आनेवाला वक़्त ही बताएगा, उम्मीदवारों का भाग्य इवीएम में बंद हो चुका है . जो 4 जून को खुलेगा .

न्यूज अपडेट

मंडा पूजा आस्था और विश्वास का महापर्व : सन्नी

मांडर। प्रखंड के झिंझरी गांव के बगीचा टाड़ में मंडा पूजा आयोजित की गई. सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन शनिवार को मुख्यअतिथि भाजपा युवा नेता सन्नी टोप्पो ने किया. सन्नी ने कहा कि मंडा पूजा आस्था और विश्वास का महापर्व है. वहीं शाम से रात भर रंगारंग नागपुरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया. शाम से रात भर रंगारंग नागपुरी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया,कलाकारों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी ग्रामीणों को झुमाने पर विवश कर दिया.

भोक्ताओं ने श्रद्धालुओं पर बिखेरे लोक कल्याण के फूल

इटकी। प्रखंड के मोरो गांव के मंडा पूजा महोत्सव में शनिवार को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी.भोक्ताओं ने भीड़ पर लोक कल्याण के फूल बिखेरे. मौके पर पूजा के उपासकों को करीब 20 फीट की ऊंचाई पर लकड़ी के सहारे झुलाया गया. झूलते उपासकों ने नीचे खड़े श्रद्धालुओं पर फूल बरसाये. श्रद्धालुओं में भी फूलों को ग्रहण करने की होड़ मची रही. महिलाओं ने आंचल फैलाकर इन फूलों को ग्रहण किया। मौके पर यहां मेला भी लगा.

टीएसपीसी ने पिपरवार के कांटा घरों में चिपकाया पोस्टर

पिपरवार। नक्सली संगठन टीएसपीसी ने पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र में पोस्टर चिपका कर संगठन से बिना बात किए काम नहीं चालू करने की चेतावनी जारी की है. टीएसपीसी ने पिपरवार थाना क्षेत्र के सीएचपी व सीपीपी दो नम्बर रिजेक्शन कांटा घर के दरवाजे पर एंव उसके सामने की बाउण्ड्री में पोस्टर साटा है. वही छह नम्बर कांटा में भी पोस्टर साटा है. संगठन के उत्तरी दक्षिणी सीमांत क्षेत्र के जोनल कमांडर ऋषिकेश जी के नाम से यह पोस्टर साटा गया है.

रातू में दो ट्रकों में टक्कर, एक चालक गंभीर

रातू। थाना क्षेत्र के काठीटांड शिव मंदिर के पास एक ट्रक अपने आगे चल रहे ट्रक में टक्कर मार दी. हादसे में एक चालक ट्रक की स्टेयरिंग में फंस गया, घायल चालक के सीने में गंभीर चोट लगी है. घटना शनिवार की शाम पौने चार बजे की है. सूचना मिलने पर पीसीआर 29 ने घटना स्थल पर पहुंचकर स्थानीय लोगों की मदद से चालक को ट्रक से निकालकर सीएचसी रातू पहुंचाया, जहां उसका प्राथमिक इलाज किया गया.

बंगाल में हुए सड़क हादसे में चान्हों के चालक की मौत

चान्हो। रांची-कोलकाता रोड पर बहरागोड़ा के पास दो ट्रक के बीच टक्कर हो गई. हादसे में ट्रक चालक चान्हो थाना क्षेत्र के लुंडरी निवासी 30 वर्षीय आसिफ अंसारी की मौत हो गई. घटना शुक्रवार रात की है. बताया जाता है कि आसिफ शुक्रवार को कोलकाता से ट्रक में बिस्किट लोड कर रांची लौट रहा था रास्ते में एक अन्य ट्रक से टक्कर हो गई. घायल आसिफ को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां शुक्रवार की रात उसने दम तोड़ दिया.

काठीटांड मे दो ट्रकों में टक्कर, 407 का चालक घायल

रातू। रातू काठीटांड़ स्थित शिव मंदिर के पास दो ट्रकों में टक्कर हो गयी. हादसे के बाद एक ट्रक चालक वाहन लेकर फरार हो गया. वही 407 ट्रक का चालक वाहन में ही फंस गया. स्थानीय लोगों ने किसी तरह चालक को ट्रक से बाहर निकाला. इलाज के लिए रातू सीएचसी में भर्ती कराया गया. सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई.

पिपरवार में भाजपा ने प्याऊ की व्यवस्था की

पिपरवार। भाजपा पिपरवार मंडल अध्यक्ष संजीव कुमार मिश्रा उर्फ माइकल इस भीषण गर्मी में लोगों को स्वच्छ और ठंडा पानी पीलाने के लिए प्याॅऊ शुरू किया. उन्होंने कहा है कि हमसे जो भी मदद होगा मैं आपको हमेशा करूंगा जहां पर राजनीतिक दल के लोग चुनाव में लगे है. इस कार्य में भाजपा पिपरवार अध्यक्ष संजीव कुमार मिश्रा, मंडल महामंत्री संजय कुमार भोक्ता, अर्णव मिश्रा, देवनारायण ,संतोष उपाध्याय, रुद्र भोक्ता, चंद्रिका,लवकुश आदि उपस्थित थे.

कडरु डीएवी कपिलदेव में दिन में रहा अच्छा रुझान

रांची। कडरु स्थित डीएवी कपिलदेव स्कूल में 4 बूथ थे. बूथ संख्या 298, 299, 300, 301 थे. यहां सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक मतदाताओं को रुझान अच्छा था. धूप निकलने के बाद मतदाता कम नजर आने लगे. वहीं बूथ के बाहर बीएलओ मतदाताओं को पर्ची ढूंढने में मदद कर रहे थे. कई मतदाता पर्ची नहीं मिलने से मतदान करने के लिये परेशान थे, लेकिन वे कर नहीं पा रहे थे. उन्हें पर्ची ढूंढ कर दे रहे थे. इस तरह वे पर्ची पाकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर काफी खुश हो रहे थे.

खूंटी के रेमता डैम में डूबने से रांची के छात्र की मौत

नामकुम। नामकुम प्रखंड से सटे खूंटी के रेमता डैम में डूबने से टीटीसी, रांची के छात्र 25 वर्षीय मरियानुस लकड़ा की मौत हो गई.घटना शुक्रवार को दिन के लगभग दो बजे के आसपास की है. सूचना मिलने पर पुलिस शुक्रवार की शाम के पांच बजे रेमता डैम पहुंची और शव को कब्जे में लेकर शनिवार को पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। मृतक मरियानुस लकड़ा मूलरूप से गुमला जिले के डुमरी प्रखंड के आकाशी पकरीटोली का निवासी था.

पीएलएफआई का कुख्यात उग्रवादी संजय टोपनो गिरफ्तार

खूंटी। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) का सक्रिय सदस्य संजय टोपनो उर्फ संजू टोपनो उर्फ सनातन टोपनो उर्फ मोटा (38) को पुलिस ने बीते शुक्रवार की शाम जरियागढ़ थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया. उसके पास से पुलिस ने एक लोडेड रिवाल्वर, चार कारतूस, पीएलएफआई संगठन का पर्चा और दो मोबाइल बरामद किये गये हैं. तोरपा एसडीपीओ ख्रिस्टोफर केरकेट्टा ने शनिवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी. उन्होंने बताया कि खूंटी एसपी अमन कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि पीएलएफआई के कुछ उग्रवादी जरियागढ़ थाना क्षेत्र में लेवी वसूलने के लिए भ्रमणशील हैं. सूचना पर गठित विशेष पुलिस टीम द्वारा शुक्रवार की शाम गश्ती के दौरान एक व्यक्ति को संदिग्ध हालत में पकड़ा गया. पूछताछ में उसकी पहचान संजय टोपनो उर्फ संजू टोपनो के रूप में हुई. वह जरियागढ़ थाना क्षेत्र के सिमटिमडा गांव का रहने वाला है.एसडीपीओ ने बताया कि संजय टोपनो का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है. उसके खिलाफ खूंटी, कर्रा, कमडारा, टेबो, तोरपा और जरियागढ़ थाना में सीएलए, आर्म्स एक्ट सहित अन्य संगीन धाराओं के तहत आठ मामले दर्ज हैं.

सरकारी कामकाज का हर जगह एक ही हाल : जिन्हें सही लाभ मिलना चाहिए, उन्हें मिलता ही नहीं

करोड़ों खर्च किये, पाइप लाइन बिछा दी, नल भी लगा दिया, पर जल गायब

सरकारी कामकाज का हर जगह यही हाल है. जिस काम में करोड़ों रुपये खर्च करने होते हैं, वह काम तेजी से शुरु होकर खत्म हो जाता है. ठेकेदार, अफसर, इंजीनियर सबको लाभ मिल जाता है. जिन्हें सही लाभ मिलना होता है, उन्हें मिलता ही नहीं. यही हाल घरों तक सप्लाई वाटर पहुंचाने का है. जलमीनार बन गए, पाइप लाइन बिछ गये, घरों तक नल पहुंच गया और पानी का पता ही नहीं. आता भी है, तो इतना भर कि बस किसी तरह एक-दो बाल्टी भर जाएं. पढ़ें, यह रिपोर्ट...

लातेहार

120 घरों में नल लगा, पानी का अब भी इंतजार कर रहे हैं लोग

- अधूरी है 44 करोड़ की लोध ग्रामीण जलापूर्ति योजना

आशीष टैगोर। लातेहार

महुआडांड़ प्रखंड में हर घर में शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लिए साल 2018-19 में लोध ग्रामीण जलापूर्ति योजना शुरु हुई थी. योजना की कुल लागत 44 करोड़ रुपये थी. पांच साल गुजर जाने के बाद भी योजना पूरी नहीं हुई. योजना से प्रखंड के सात पंचायतों के 38 गांवों में जलापूर्ति करने का लक्ष्य रखा गया था. ग्रामीणों से कनेक्शन के नाम पर 100-100 रुपये भी लिये गये थे. लेकिन आज भी कई पंचायतों में पानी नहीं पहुंचा है.

महुआडांड़ शहर के मुख्य बाजार से सटे दीपाटोली में आज भी आधा-अधूरा कनेक्शन किया गया है. आधे दीपाटोली में पानी की सप्लाई की जा रही है और आधे में पानी की सप्लाई नहीं हो पा रही है. यहां करीब 120 घर हैं और आबादी तकरीबन 500 की है. ग्रामीण बताते हैं कि कई घरों में पाइप लाइन पहुंचा दिया गया है, लेकिन पानी की आपूर्ति शुरू नहीं हो पायी. तत्कालीन उपायुक्त अबु इमरान ने इस जलापूर्ति योजना का निरीक्षण किया था और इसे सुचारू रूप से चलाने का निर्देश दिया था. हामी पंचायत के मुखिया प्रदीप बड़ाईक ने कहा कि योजना अभी तक चालू नहीं हो सका है. ग्रामीण बार-बार मुझसे सवाल करते हैं कि कब तक पानी मिलेगा. मैने कई बार विभाग से इस संबंध में बात कही है, लेकिन हर बार टाल मटोल जवाब दिया जाता है.

हजारीबाग

शहर के सभी वार्डों में नल लगा आजतक एक बूंद पानी नहीं मिला

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

शहर के सभी वार्डों में नल-जल योजना के तहत पानी देने की योजना था. नल लगाने का काम तो बहुत तेजी से सभी वार्डों में पूरा कर लिया गया. क्योंकि इस पर करोड़ों रुपये खर्च करने थे. खर्च करने में बिल्कुल देरी नहीं हुई. एलएनटी कंपनी को टेंडर मिला था. लेकिन आज तक उन नलों से पानी की एक बूंद भी नहीं निकला. वार्ड नंबर 25 के कुम्हार टोली में दो साल पहले नल लगाने का काम पूरा कर लिया गया था. लोग तभी से पानी आने का इंतजार कर रहे हैं.

इस वार्ड में करीब 650 मकान है, जिसमें करीब 8000 परिवार रहते हैं. नल लगाने का काम नगर निगम की देख-रेख में किया गया. कोनार डैम से पानी शहर तक लाने की जिम्मेवारी भी एलएनटी कंपनी की है. दो साल बीत जाने के बाद भी लोगों को पानी नहीं मिल सका है. लोगों को पानी कब मिलेगा, इसकी जानकारी के लिए हमने नगर निगम के सहायक आयुक्त से बात की. उन्होंने बताया कि एलएनटी कंपनी को काम करना था और पानी पहुंचाना था. यह काम अभी चल रहा है. आने वाले दिनों में पानी की समस्या से लोगों को मुक्ति मिलेगी.

पलामू

छतरपुर में पाइप लाइन बिछाये बिना खड़ी कर दी जलमीनार

अरुण कुमार सिंह। पलामू

बारिश के लिए रेन शैडो क्षेत्र माने जानेवाले इलाके का प्यासा शहर है छतरपुर. मार्च से जून-जुलाई महीने तक, साल के पांच महीने यहां की आधी आबादी पीने और नहाने का पानी जुगाड़ करने में बिता देती है. 10 रुपये कनस्तर पानी खरीदना या आधी रात के बाद से ही पेयजल स्रोतों पर पानी के लिए कतार लगाना, लोगों की नियति हो गयी है शायद!

छतरपुर नगर पंचायत है, लेकिन कोई सिस्टम, कोई सरकार, कोई जनप्रतिनिधि, इस नगर में व्याप्त पेयजल किल्लत को दूर करने की ईमानदार कोशिश करते नहीं दिखते. इस साल तो, नगर पंचायत ने भी हाथ खड़े कर दिये और कुछ टैंकरों से जो पानी की आपूर्ति होती थी, उसे संसाधन का रोना रोकर बंद कर दिया. **पांच वर्ष के बाद भी सोन नदी से नहीं मिला पानी :** वर्ष 2009 में तत्कालीन विधायक सुधा चौधरी ने हुसैनाबाद के देवरी स्थित सोन नदी से पाइप लाइन के जरिये छतरपुर सहित 34 गांवों में में पानी पहुंचाने की मांग विधानसभा में की थी. इन गांवों में 75 हजार लोग रहते हैं. वर्ष 2015-16 में सोन नदी पाइप लाइन योजना की स्वीकृति मिली. 15 जनवरी 2019 को पलामू सांसद वीडी राम और तत्कालीन विधायक राधा कृष्ण किशोर के प्रयास से 68 करोड़ की लागत वाली इस योजना का शिलान्यास हुआ. पांच वर्ष बीत गए, पर पाइप लाइन बिछाने का काम पूरा नहीं हुआ है. यह अलग बात है कि लठेया, खेंद्रा और छतरपुर में जल मीनार बन कर तैयार है.

चंदवा

दूषित पानी पीने को ग्रामीण विवश

राजीव उरांव। चंदवा (लातेहार)

जल जीवन मिशन योजना प्रखंड क्षेत्र के सभी पंचायत क्षेत्रों में संचालित किया गया है. कई पंचायतों में इसका लाभ लोगों को मिल रहा है. लेकिन कई इलाके ऐसे भी हैं, जहां लोगों को इस योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है. प्रखंड की चकला पंचायत के पांच टोला वाले अरंडियाटांड़ गांव में करीब 80-85 घर हैं. आबादी तकरीबन 500 है. गांव के तीन टोला के लोग आज भी खुले कुंआ का दूषित और मटमैला पानी पीते हैं. इनमें एक-दो कुएं ऐसे भी हैं, जो गर्मी पड़ते ही सूख जाते हैं. ऐसे में ग्रामीणों को पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ता है. एक टोला के लोग विद्यालय में लगे चापाकल पर आश्रित हैं. इस संबंध में हमने पेयजल व स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता से बात की. उन्होंने जांचोपरांत सोलर जलमीनार स्थापित कर पानी उपलब्ध कराने की बात कही.

इनके जज्बे को सलाम

जोश

रांची

जमशेदपुर

धनबाद

गिरिडीह

रांची

झारखंड में तीसरे चरण का मतदान भी शांतिपूर्ण संपन्न

93 की किस्मत ईवीएम में कैद

झारखंड में तीसरे चरण का मतदान भी छिटपुट घटनाओं के बीच शांतिपूर्ण संपन्न हो गया. रांची में 61.56, धनबाद में 59.20, जमशेदपुर में 66.79 और गिरिडीह में 66.72 प्रतिशत वोट पड़े. इस तरह 93 प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई. अब चार जून को मतगणना होगी. सुबह से ही मतदान केंद्रों में मतदाताओं की भीड़ जुटने लगी थी. युवाओं में विशेष उत्साह था. खासकर पहली बार वोट करने वाले युवा ज्यादा उत्साहित थे. दिनभर कड़ी धूप के बावजूद मतदान केंद्रों पर लंबी लाइन देखी गई. ग्रामीण इलाकों में भी मतदान को लेकर काफी उत्साह था. मतदान केंद्रों के आसपास सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे.

जमशेदपुर

रांची में 61.56, धनबाद में 59.20, जमशेदपुर में 66.79 गिरिडीह में 66.72 प्रतिशत वोट

फस्ट टाइम वोटर

युवा

धनबाद

होसला

गिरिडीह

कली खिल जाती है दिल की तुम्हारे मुस्कुराने से

कविता कलम
डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

गर्मी की तपन भी बारिश की बूंदों सी लगने लगे, पतझड़ के मौसम में अगर बहारों सी ठंडक का एहसास हो तो मतलब साफ है कि आपको कुछ हो गया है और जो हो गया, उसे प्यार, इश्क या मोहब्बत के नाम से दुनिया-जहान जानती है. यह इश्क खुदा की इबादत से कम नहीं है.. अगर आप बार-बार किसी खास के ख्यालों में डूब जाते हैं तो मतलब साफ है कि आपको प्यार हो गया है. अगर ऐसा ही अहसास उधर भी है तो समझ लीजिए, दोनों तरफ है आग बराबर लगी हुई. आप कहीं जाते हैं और आपकी नजरें उसे ढूंढने लग जाती है, अगर आपको किसी विशेष साथी या व्यक्ति की बात अच्छी लगती है, अपने दिल की हर बात किसी खास को बताने के लिए मन मचलता है तो समझ लीजिए, आपको प्यार हो गया है. एक जिज्ञासु मित्र ने मुझसे छोटा-सा सवाल किया-आप को कभी प्यार हुआ है या नहीं. मैंने कहा-सवाल के आशय के अनुसार तो मुझे प्यार करने का मौका ही नहीं मिलता. मैं प्यार-मोहब्बत की बात सोचता, उससे पहले ही मेरी शादी हो गयी, लेकिन सच तो यही है कि कोई भी व्यक्ति बिना प्यार मुहब्बत के इस संसार में जिंदा भी नहीं रह सकता. इसलिए जन्म लेने के बाद जिसने भी मुझसे प्यार किया, उससे मुझे प्यार हो गया. माता-पिता, बहन-भाई, पत्नी-बच्चे, पोते-पोतियां अपना गांव, समाज, प्रदेश, राष्ट्र आदि ऐसे लोगों की लंबी सूची है, जिससे मुझे प्यार हो गया है.

अगर आपने कभी प्यार को महसूस नहीं किया है तो उसे महसूस करके देखिए. दुनिया में प्यार से बेहतर कोई एहसास नहीं है. ऐसे एहसास की एक झलक हम मशहूर शाइरा **शमां फिरोज** की इस गजल में देख सकते हैं-

हमारा प्यार जिंदा है तुम्हारा साथ पाने से
अलल ऐलान ये करते हैं हम सारे जमाने से
बनाकर तोड़ डाले हैं तुमने सारे ये रिश्ते
दुबारा बिगड़े रिश्ते फिर नहीं बनते बनाने से
कभी डरते नहीं आशिक वो खुलकर प्यार करते हैं
किया जब प्यार है हमने तो फिर डर क्यों जमाने से
तुम्हारे चेहरे पर मायूसी ये अच्छी लगती नहीं लगती
कली खिल जाती है दिल की तुम्हारे मुस्कराने से
बनाकर ही तसव्वुर में हमेशा डूबे रहते हैं
हमें मिलती बड़ी राहत तुम्हारे पास आने से

पत्नी को परमेश्वर मानो

यदि ईश्वर में विश्वास न हो,
उससे कुछ फल की आस न हो,
तो अरे नास्तिको! घर बैठे,
साकार ब्रह्म को पहचानो!
पत्नी को परमेश्वर मानो!
वे अन्नपूर्णा जग-जननी,
माया हैं, उनको अपनाओ.
वे शिवा, भवानी, चंडी हैं,
तुम भक्ति करो, कुछ भय खाओ.
सीखो पत्नी-पूजन पद्धति,
पत्नी-अर्चन, पत्नीचर्या
पत्नी-व्रत पालन करो और
पत्नीवत् शास्त्र पढ़े जाओ.
अब कृष्णचंद्र के दिन बीते,
राधा के दिन बढ़ती के हैं.
यह सदी इक्कीसवीं है, भाई !
नारी के ग्रह चढ़ती के हैं.
तुम उनका छाता, कोट, बैग,
ले पीछे-पीछे चला करो,
संध्या को उनकी शैय्या पर
नियमित मच्छरदानी तानो!
पत्नी को परमेश्वर मानो.
तुम उनसे पहले उठा करो,
उठते ही चाय तयार करो.
उनके कमरे के कभी अचानक,
खोला नहीं किवाड़ करो.
उनकी पसंद के कार्य करो,
उनकी रुचियों को पहचानो,
तुम उनके प्यारे कुत्ते को,
बस चूमो-चाटो, प्यार करो.
तुम उनको नाविल पढ़ने दो
आओ कुछ घर का काम करो.
वे अगर इधर आ जाएं कहीं ,
तो कहो-प्रिये, आराम करो!
उनकी भौंहें सिगनल समझो,
वे चढ़ीं कहीं तो खैर नहीं,
तुम उन्हें नहीं डिस्टर्ब करो,
ए हटो, बजाने दो प्यानो!

- गोपाल प्रसाद व्यास

प्यार, मोहब्बत या प्रीत को वहीं महसूस कर सकता है, जिसने इसे कर के देख लिया है. इसमें तृप्ति से अधिक महत्व प्यास का होता है और बहुत प्रयास के बाद भी प्यास नहीं बुझ पाता है तो जो कष्ट होता है, उसका अनुमान कोई दिलदार ही कर सकता है. तभी तो श्याम के प्रेम की दीवानी मीरा कहती हैं-जो मैं ऐसा जाणती रे प्रीत किये दुःख होय, नगर ढिंढोरा पीटती रे प्रीत करो मत कोय. प्रीत क्या है, इसे मीरा ने अच्छी तरह महसूस किया था तो की मीरा भी प्रीत को गहराई से समझती हैं. मेरा मतलब है लौह नगरी जमशेदपुर की कवयित्री **सविता सिंह मीरा** ने इसे ऐसा जाना है-

तू प्रीत मीत बन मेरे
हिय में आकर बस जा
एषणा ये मेरी जरा सुन तो सखे
परिरम्भण में तेरे तू मुझे रखे
प्रेम का मृदु संवाद हो जाएगा
आ न हम तुम जरा प्रेम रस ही चखे.
प्रेम घुलता रहा मैं मचलती रही
जैसे मीन नीर में विहंसती रही
जल से हो पृथक वो तड़पने लगी
विलय तुझमें हुआ तुझको जीती रही.
टूट कर मुझको बस आज जीना तुझे
अमिय क्षण में साथी मुझे कुछ ना सूझे
आज जी लेंगे सारे विरह के वो दिन
इस मधुर यामिनी से सूर्य तनिक न जूझे
इतनी एषणा जरा पूर्ण कर तू सखे.
छक कर प्रेम रस का पान करना सखे.

मोहब्बत इसलिए भी जरूरी है कि कोई भी इंसान अकेला नहीं रह सकता. उसे किसी न किसी हमसफर की जरूरत तो होगी ही और उस हमसफर तक पहुंचने में मददगार की भूमिका निभाती है यह इश्क. दिल में मोहब्बत हो तो बिना हमसफर के एक पल भी बिताना मुश्किल हो जाता है. इसी भावना को अभिव्यक्ति दे रही हैं रांची की कवयित्री **रेणु झा रेणुका**. इनकी कविता का शीर्षक है हमसफर.

ओ मेरे हमसफ़र, चलो ना कुछ पल
एकांत में बिताएं, शहर के कोलाहल से दूर,
प्रकृति की गोद में कुछ लम्हें जीकर आएं,
कुछ अपनी कहना, कुछ मेरी सुनना,
गुजरे पलों को जीवंत बनाएं
चलो ना कुछ पल एकांत में बिताएं.
जीवन की आपाधापी में कुछ गिले-शिकवे हैं
उन्हें छोड़ शुकून पाएं.
अटारी से नजारे देखें,
वो बारिश की बूंदें, घटाएं, पंछियों के कलरव,
सभी से मिलकर मस्त हो जाएं, चलो ना कुछ पल एकांत में बिताएं.
कल तक जिए हम उनके लिए, आज खुद से खुद को मिलाएं,
अपने गीत, अपनी ही धुन में गाएं, हम एकांत में भीड़ बढ़ाएं,
चलो ना कुछ दिन एकांत में बिताएं.
अब तो तबियत भी नासाज़ सी रहती है
तुम्हारी बात से, प्रकृति के साथ से,
इलाज कर आएं, जीवन में खुशनुमा रंग भर आएं,
ओ मेरे हमसफ़र, चलो ना कुछ पल एकांत में बिताएं।।

हमसफर के प्रति लगाव हर हाल में काबिले तारीफ होता है. यह लगाव किसी उम्र का मोहताज नहीं होता और होना भी नहीं चाहिए. झारखंड में जब शायरी की बात होती है तो मशहूर शायर **नसीर अफसर** का नाम अपने आप जुबान पर थिरक उठता है. हमसफर की ऐसी ही चर्चा छिड़ने पर नसीर साहब ने अपने शरीक ए हयात को यह नज्म नज्र कर दी है- ए मिरी जिंदगी.

ऐ मिरी हमसफ़र, ऐ मिरी ज़िंदगी
सामने आ ज़रा, धड़कनों में समा
जिस्म ओ जां हो मिरी , ऐ मिरी ज़िंदगी
तुम मिरी रूह हो, तुम मिरी जान हो
साज़ ओ आवाज़ हो, ऐ मिरी ज़िंदगी
सुब्ह ए नव की किरण, ऐ मिरी हमनशीं
सुरमयी शाम हो, ऐ मिरी ज़िंदगी
तुम मुझे ओढ़ लो, मैं तुझे ओढ़ लूं
शबनमी रात हो, ऐ मिरी ज़िंदगी.

मोहब्बत के एहसास से भरी शबनमी रात बड़े भाई नसीर साहब के साथ ही दुनिया के तमाम प्रेमियों को मुबारक. चाहे माशूका हो या शरीक ए हयात हमसफर, खुले दिल से मिलना चाहिए. बीच में छल प्रपंच, झूठ आदि को आने नहीं देना चाहिए और झूठों के पहाड़ से सच को छिपाने की कोशिश भी नहीं करनी चाहिए. इस बात को वक्रोक्ति अलंकार में जमशेदपुर के **कवि हरिहर राय** चौहान ने इस प्रकार कहने की कोशिश की है-

सांच , झूठों से छुपाना चाहिए.
आग से पानी बुझाना चाहिए.
जब कोई गंगा उलट बहने लगे,
सागरों को.. थरथराना चाहिए.
जब नदी के तीर भी जलमग्न हों,
ना खुदा को चेत जाना चाहिए.
मौत भी जब हो सनम के वेश में,
आशिकी का गीत गाना चाहिए.
रूठने की अहमियत कायम रहे,
इसलिए उनको मनाना चाहिए.

प्यार-मुहब्बत में रूठना और मनाना तो आम बात है. हमसफर का रूठना तो वही स्वाद देता है जो भोजन में नमक और जब मनाने में सफलता मिल जाये तो वातावरण में मिसरी-सी घुल जाती है. मेरे दिल की तमन्ना है सबके दिल में मोहब्बत जिंदा रहे- इसी दुनिया में जन्नत का एहसास बना रहे. इसी के साथ विदा चाहता हूं. जय हिंद! जय झारखंड!!

रोजगार और डिलीवरी बॉय

चौराहा
प्रमोद कुमार झा

पिछले दिनों मेरे एक बहुत समृद्ध, विद्वान मित्र से बातचीत हो रही थी. वे एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय नवरत्न कंपनी के महाप्रबंधक पद से अवकाश प्राप्ति के बाद सुख चैन की ज़िंदगी बिता रहे हैं. बेटा इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद ऑस्ट्रेलिया में एक बहुराष्ट्रीय कंपनी का उच्चाधिकारी है. मित्र से बातचीत धीरे-धीरे तीखी बहस में बदल चुकी थी . चर्चा शुरू हुई थी शिक्षा और रोजगार को लेकर. मेरे विद्वान मित्र का मंतव्य था कि पिछले कुछ सालों में नए स्टार्ट अप और परिवर्तन से रोजगार के अत्यधिक अवसर बढ़े हैं. उदाहरण के तौर पर उन्होंने डिलीवरी बॉय की नौकरी की चर्चा की. उनका कहना था प्रत्येक शहर में सैकड़ों युवक-युवतियों को रोजगार मिल रहा है और वे लोग प्रसन्न और सुखी हैं. जब मैंने पूछा कि क्या आपने इन डिलीवरी बॉय/गर्ल से कभी बात की और उनकी नौकरी की शर्तें, तनख्वाह, छुट्टी, सुरक्षा के बारे में बात की तो उन्होंने जबाब दिया, उन लोगों से कौन बात करता है? खुश हैं तभी तो काम कर रहे हैं? सामान्यतः ऐसी ही स्थिति हम सबों की है. शायद ही किसी को फुरसत मिली होगी उनसे बात करने की या उनकी वास्तविक स्थिति जानने की. हालांकि यह भी सच है कि हम सबों ने कंपनियों से सीधे सामान मंगवाने के लिये, राशन -पानी, खाना-नाश्ता मंगवाने के लिए इनकी सेवा का लाभ उठाया है. मेरे मित्र तो मुझसे खासे नाराज हो गए कि शेयर मार्केट के उतार चढ़ाव, सोने के बढ़ते घटते दाम, हमास -इस्राइल युद्ध की चर्चा, विमर्श छोड़कर मैं डिलीवरी बॉय जैसी 'मामूली' सी चीज पर अपना समय अपव्यय कर रहा हूं. फिर मैंने बारी बारी से मेरे पास सामान लाने वाले डिलीवरी बॉय/गर्ल से उनके बारे में ,व्यवसाय के बारे में, तनख्वाह के बारे में, उनकी शिक्षा, सुरक्षा और पारिवारिक परिस्थिति के बारे में धीरे-धीरे जानना शुरू किया. सभी डिलीवरी बॉय/गर्ल कम से कम मैट्रिक पास होते हैं. कुछेक ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट भी मिले. उनके पास अपना दुपहिया वाहन और एंड्राइड फ़ोन होना आवश्यक होता है. राष्ट्रीय/ बहुराष्ट्रीय कंपनी के डिलीवरी बॉय को औसतन चौदह-पंद्रह हजार रुपये प्रति माह मिलता है, साप्ताहिक छुट्टी मिलती है, कम से कम आठ घंटे काम करना होता है. फिर भी एक प्रशिक्षित मज़दूर से भी कम है वेतन! रोजगार की कोई गारंटी नहीं, कोई बीमा नहीं, कोई स्वास्थ्य समस्या होने पर कोई अलग छुट्टी नहीं! जो सामान्य नाश्ता- खाना पहुंचाने वालों को सवारी, मोबाइल तो चाहिए ही, पहुंचाने में विलंब होने पर जुर्माना भी भरना पड़ता है! कोई साप्ताहिक अवकाश, बीमा, स्वास्थ्य सुविधा, छुट्टियां कुछ भी नहीं .और तनख्वाह महीने में आठ से दस हज़ार के बीच! किसी दैनिक मज़दूर से भी प्रायः कम! तो अगली बार जब कोई डिलीवरी बॉय/गर्ल सामान लेकर आये तो उससे कुछ और नहीं तो सहानुभूति पूर्वक बात कीजिये. एक ग्लास पानी के लिए तो पूछ ही सकते हैं हालांकि उन्हें रुकने की फुरसत ही नहीं होती!

गौतम बुद्ध की उपदेश भूमि वैशाली

यायावर
डॉ. जंगबहादुर पाण्डेय

वैशाली गौतमबुद्ध की अधिकारिणी कृपा भूमि रही है. यों तो गौतमबुद्ध का जन्म कपिल वस्तु के लुम्बिनी जनपद में 463 ई पू हुआ था, ज्ञान की प्राप्ति बोधगया में हुई थी, लेकिन उनकी उपदेश भूमि का गौरव वैशाली को प्राप्त है.इनके पिता शुद्धोधन शाक्यों के प्रमुख थे और इनकी माता का नाम माया देवी था. इनके बचपन का नाम सिद्धार्थ था. बचपन से ही ये वैरागी प्रवृत्ति के थे. संसार के प्रति इनकी उदासीनता को देखकर इनके पिता चिंतित हुए और परम सुंदरी यशोधरा से इनका विवाह कर दिया, यशोधरा से इन्हें राहुल जैसे लाल की प्राप्ति हुई.एक दिन एक वृद्ध को,दूसरे दिन एक रोगी को और तीसरे दिन एक मृतक को देखकर संसार की क्षण-भंगुरता पर इन्हें घोर चिंता हुई और सोई हुई यशोधरा और सोये हुए राहुल को छोड़ कर इन्होंने संसार के कल्याणार्थ कपिल वस्तु का त्याग कर दिया. ज्ञान प्राप्ति के लिए अनेक जगह भटके, लेकिन बिहार प्रांत के गया जनपद से लगभग 15 किलोमीटर दूर निरंजना नदी के तट पर समाधि लगायी और बुद्धत्व (बोध यानि ज्ञान)की प्राप्ति हुई, इसीलिए यह स्थान भूगोल में बोधगया के नाम से विश्व पटल पर समादृत हुआ.

भगवान बुद्ध के साथ वैशाली का बड़ा घनिष्ठ संबंध रहा है.वे यहां कई बार यहां आए थे,यहां उपदेश दिए थे और उनके जीवन की महत्वपूर्ण घटनाएं यहां घटी थीं. बौद्ध साहित्य में वैशाली का बड़ा ऊंचा स्थान है. कपिलवस्तु से यहां आकर उन्होंने साधना की थी.एक संस्कृत बौद्ध ग्रंथ 'ललित विस्तर' में इसका उल्लेख मिलता है कि कपिल वस्तु से पहले भगवान वैशाली आ गये थे, जहां उनकी आलार-कालाम से भेंट हुई थी और उनके आश्रम में उन्होंने योगाभ्यास किया था. इस कठोर साधना में उनका शरीर अस्थि पंजर मात्र रह गया था.

भगवान बुद्ध के समय की वैशाली आज की वैशाली की तरह जर्जर, विपन्न और उजाड़ नहीं थी, बल्कि धन धान्य से परिपूर्ण समृद्धशाली नगरी थी. स्वयं गौतमबुद्ध ने यहां के रमणीय स्थलों का वर्णन अत्यंत मार्मिक शब्दों में अपने प्रिय शिष्य आनंद को संबोधित करते हुए किया था-₹ आनंद रमणीय है वैशाली. रमणीय है उसका उदयन चैत्य. रमणीय है उसका सप्तामनक चैत्य. रमणीय है उसका बहुपुत्रक चैत्य. रमणीय है उसका सारदंद चैत्य.₹ ये सभी चैत्य वैशाली के देव स्थान थे, जहां भगवान गौतमबुद्ध बिहार करने जाया करते थे. एक बार भगवान बुद्ध योंहि आम्रवन में टहल रहे थे, तो लिच्छवियों को स्वयं से मिलने आते देख कर शिष्यों से कहा -अवलोकन करो ! लिच्छवी परिषद् को भिक्षुओं! लिच्छवी परिषद् को देव परिषद् समझो. इन वाक्यों से स्पष्ट है कि यहां के निवासियों के प्रति उनके मन में कितनी श्रद्धा थी.

भगवान बुद्ध को वैशाली से बहुत लगाव था.वे कई बार वैशाली आये थे. ज्ञान प्राप्ति के पांचवें वर्ष वे वैशाली आए थे तो वर्षावास यहीं किया था. अनुमान है कि बुद्ध की इस यात्रा के समय ही वैशाली बौद्ध धर्म के प्रभाव में आयी थी. एक बार वैशाली जनपद भयंकर अकाल की चपेट में पड़ गया था. असंख्य लोगों की मृत्यु हो गई थी तो लिच्छवियों के निमंत्रण पर भगवान बुद्ध 500 बौद्ध भिक्षुओं के साथ वैशाली आए थे. आनंद को रत्न सुत्त का उपदेश देकर नगर के भीतर इसका पाठ करने को कहा था, जिसके प्रभाव से सभी नगर वासी भय रोग मुक्त हो गये थे. कहा जाता है कि यहीं से वे अपने पिता से मिलने कपिल वस्तु गये थे. कपिल वस्तु में महाप्रजापति गौतमी ने बुद्ध से भिक्षुणी बनने की इच्छा प्रकट की थी. बुद्ध को न सहमत होते देख गौतमी ने 500 शाक्य महिलाओं के साथ गौतमबुद्ध का पीछा करती हुई कपिलवस्तु आयी थी. यहां आनंद के आग्रह पर भगवान बुद्ध ने शाक्य महिलाओं के साथ महाप्रजापति गौतमी को आठ गुरु धर्मों के साथ बौद्ध संघ में प्रवेश दिलाया और महिला भिक्षुणी संघ का निर्माण किया.

इसके अतिरिक्त बुद्ध कई बार वैशाली आए. वैशाली में वे प्रायः महावन के कूटागार में ठहरा करते थे. बुद्धत्व प्राप्ति के तीसरे वर्ष बुद्ध कपिलवस्तु गये और वहां उन्होने राहुल को दीक्षा दी और वहां से चलकर वैशाली आए और उसी कुटागार में ठहरे. बुद्ध ने वैशाली की अंतिम यात्रा कुशीनगर जाने के क्रम में की थी. अम्बपाली वैशाली की नगर बधू थी, जो सुंदरता में अनुपम और अद्वितीय थी. अम्बपाली ने बुद्ध की अंतिम वैशाली यात्रा के क्रम में अपने घर पर भोजन कराया था और उनसे बुद्ध धर्म की दीक्षा ली थी और भोजनोपरान्त अपना आम्रवन दान कर भिक्षुणी बन गई थी. इसमें कतई संदेह नहीं कि लिच्छिवियों के हृदय में भगवान बुद्ध के प्रति अपार स्नेह और श्रृद्धा थी. धनुष-वाण लेकर महावन में घूमने वाले लापरवाह लिच्छवी बुद्ध को देखते ही अपना धनुष- बाण छोड़ देते थे और बुद्ध का उपदेश सुनने लगते थे. जिस प्रकार सारनाथ मृगदाय को भिक्षु संघ का उद्भव होने का यश प्राप्त है , उसी प्रकार बौद्ध भिक्षुणी संघ की कर्म स्थली होने का गौरव वैशाली को प्राप्त है. भगवान बुद्ध जीव दया और सहृदय करुणा की सजीव मूर्ति थी.दीर्घ तपस्वी महावीर की जन्मभूमि और तथागत गौतमबुद्ध की उपदेश भूमि होने के कारण वैशाली विदेह का प्रधान नगर रहा है. बौद्ध ग्रंथ ललित विस्तर में लिखा है कि गौतमबुद्ध के समय की वैशाली भारतवर्ष की तत्कालीन महानगरियों में अनुपम और अद्वितीय थी, उनकी उपदेश भूमि धन्य थी.

हार के आगे प्यार है...

नश्तर
सुधीर राघव

बीवी को प्यार से डर लगता है, झगड़े से नहीं! अगर आप चाहते हैं कि आपकी बीवी आपसे डरे तो ताबड़तोड़ प्यार करते रहो! गलती से भी झगड़े का ट्रेक पकड़ा तो आपका बैंड बजना तय है. वह पृथ्वीराज नहीं है कि इक्कीस बार जीतने के बाद बाइसवीं बार हार जाए. बाइसवीं बार भी वही जीतेगी. तब आपको याद आएगा कि पत्नी का एक नाम गोरी भी है.

इतिहासकारों में इस पर मतभेद हो सकते हैं कि पृथ्वीराज ने मोहम्मद गौरी को कितनी बार हराया, क्योंकि हम्मीर महाकाव्य बताता है सात बार; पृथ्वीराज प्रबंध आठ बार; पृथ्वीराज रासो इक्कीस बार और प्रबंध चिंतामणि तेईस बार पृथ्वीराज का गौरी के हाथों हारना बताता है... मगर यह तय मान लो कि पत्नी से झगड़ोगे तो हर बार हार तुम्हारी होगी.

हो सकता है बीवी हरदम झगड़े के मूड में दिखे. मगर आपको जाल में नहीं फंसना है. आपको धैर्य से तीखे शब्दों को बिना ढाल के सीने पर लेना है. बिल्कुल वैसे जैसे भीष्म ने अर्जुन के प्रहारों से अपने लिए बाणशैय्या बना ली. आपको चुपचाप पत्नी के शब्दों को शैय्या बना लेना है. यह संसार की सबसे उत्तम कला है. शब्द शैय्या पर लेटकर आपको भी हर बार भीष्म अनुभूति होगी. किंतु धैर्यवान पुरुष ही इस उच्चता तक पहुंच पाते हैं, जबकि कुछ धैर्यहीन पत्नी को छोड़कर भाग जाते हैं और प्रायः नीचता को प्राप्त होते हैं.

कुछ ऐसे विरले उदाहरण भी हैं, जिन्होंने खुद पत्नी से मुक्त होकर पूरे संसार को मुक्ति दिलाने की ठानी और परम उच्चता को प्राप्त हुए. यह और बात है कि सारा संसार कभी मोह माया से मुक्त नहीं हो सका.. मगर पत्नी से मुक्त होने वालों का आत्मविश्वास इतना अवश्य बढ़ जाता है कि वे बहुतों को यकीन दिला देते हैं कि अगर पत्नी मुक्त हुआ जा सकता है तो संसार से मुक्ति भी संभव है. मुक्ति का मार्ग सब चाहते हैं. सबको मुक्त होना है. कोई फंसना नहीं चाहता. मगर यह पूरी सृष्टि तो फंसे हुए लोग ही चला रहे हैं. अगर ग्रह और सूर्य एक दूसरे के गुरूत्वाकर्षण में न फंसे होते तो क्या यह संसार होता? अगर कर्ता पुरुष को आसक्ति न होती तो क्या संसार की रचना होती. अगर ईव से आदमी ने झगड़ा कर लिया होता और वह फल न खाया होता तो क्या आज धरती पर इतनी रौनक होती. अतः मुक्ति नहीं आकर्षण ही रचेता का ध्येय है. शायद इसीलिए ईश्वर ने पत्नी को झगड़ालु बनाया है. इस झगड़े में जीत के लिए लड़ना अहंकार है... क्योंकि हार के आगे प्यार है. प्यार से ही संसार है.

यादगार क्षणों को अपने कैनवास पर उकेरते हैं अक्षय

कला-संवाद
मनोज कुमार कपरदार

कला मानस के उल्लास और विषाद की अनायास होने वाली सहज अभिव्यक्ति है, हालांकि व्यक्तिगत विचारों में यह एक गम्भीर विषय है, जो व्यक्ति की अन्तर्निहित अभिव्यक्तियों से जुड़ा है. पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं लगन से किए हुए सृजन में स्वतः ही भाव प्रस्फुटित होता है. दर्शक इन्हीं भावों को अपने अन्दर के भावों से जोड़ता है और आनंदित होता है और उससे सौन्दर्य का अहसास होता है. हालांकि कला समय के अनुकूल समाज के बीच अलग-अलग रूपों में व्यक्त होती रही है और यह स्वाभाविक है कि यह अपने समय के विषयों को कला के रूप में प्रस्तुत करती रही है और रचनाकार इस अभिव्यक्ति का जन्मदाता होने का सौभाग्य प्राप्त करता है. कलाकार समाज से ही

प्रेरित होकर विभिन्न माध्यमों से अपनी कल्पना से कैनवास पर सशक्त रूप प्रदान करता है और वे सजीव लगते हैं, क्योंकि उनमें लोक की वह आत्मा विराजती है, जिसे कलाकार अपने आपमें आत्मसात कर लेता है.

प्रत्येक कला का प्रेरणा स्रोत भी हमारे सामाजिक परिवेश से ही जुड़ा होता है, तभी तो अक्षय कुमार जैसे कलाकार अपनी कृतियों को रचने के लिए अपने जन्म स्थान से जुड़ी जन समूह के विषय परिवेश के अनछुए पहलुओं को उठाते हुए अपने माध्यम से आकार देने की कोशिश की है. हमारे दिनचर्या के कार्य कलापों में ऐसी अनेक विषय वस्तु हैं, जो अक्षय कुमार जैसे संवेदनशील कलाकार को

सदैव बेचैन करती रही है. ये ऐसे क्षण होते हैं, जिन्हें भुलाया नहीं जा सकता है. ऐसे ही अविस्मरणीय क्षणों को अपने कैनवास में उकेरते हैं अक्षय कुमार. झारखंड के लोगों ने यहां की संस्कृति और परंपरा को शुरू से ही महत्त्व दिया है और आज भी हमें अपनी प्राचीन संस्कृति से गहरा लगाव है, हम इसे खोना नहीं चाहते. किन्तु यह भी एक चिंतन का विषय है कि मानव परिवर्तन को जल्दी स्वीकार नहीं करता है. अक्षय कुमार की कलाकृतियों में आज भी जंगल में विचरण करते हुए जीव जंतु दिखते हैं तो नृत्य करती हुई झारखंडी संस्कृति भी. इनकी कलाकृतियों में झारखंड के वीर सपूतों की संघर्ष

गाथा भी कला प्रेमियों को देशभक्ति के लिए प्रेरित करती है. ये कलाकृतियों के माध्यम से आने वाली पीढ़ियों के लिए झारखंड के वीर सपूतों की संघर्ष गाथा को अपने कैनवास में खूबसूरती से संरक्षित भी कर रहे हैं. ये अपनी कलाकृतियों को एक्रेलिक एवं जल रंग से आकार देते हैं.

अपनी कला शैलियों के बारे में अक्षय कुमार का कहना है कि किसी भी कलाकार के लिए चाहे वह किसी भी माध्यम से जुड़ा हो, अपनी संस्कृति और परंपरा से जुड़ा रहना जरूरी है. अपनी संस्कृति और प्रकृति से जुड़ाव और निरंतर अपने आपको बदलने की ताकत इन्हें जिन्दगी से मिली है. साहेबगंज के

अक्षय कुमार ने कला एवं शिल्प महाविद्यालय से कला की शिक्षा ग्रहण की. कई कला प्रदर्शनियों में इनकी कलाकृतियां शामिल हुईं और कला प्रेमियों ने इसकी सराहना की. कला प्रेमी इनकी कलाकृतियों को देखकर आत्मिक आनंद प्राप्त करते हैं. इनकी कलाकृतियां उन्हें अपने अंदर खींच कर उसकी गहराइयों में झांकने के लिए प्रवृत करते हैं.

आखर

नागरी की वर्तनी में यह घुसपैठ रोकिए

डॉ बुद्धिनाथ मिश्र

दुसे देवनागरी लिपि की ताकत ही कहिए कि जिन नामी-गरामी शायरों की उर्दू में छपी किताबें कुछ सौ भी नहीं बिक पाती थीं, उनका लिप्यंतरण कर हिन्दी में उतार देने से हजारों प्रतियां हाथोंहाथ बिक जाने लगीं. यहां तक कि वे शायर हिन्दी के बेस्टसेलर माने जाने लगे. हिन्दी के कवि मुंह ताकते रह गए. उसका बड़ा कारण यह है कि हिन्दी के रसूखदार वामपंथी प्रोफेसरो ने समकालीन हिंदी कविता का सर तन से जुदा कर इस लायक भी नहीं रखा कि उसको कोई खरीदकर पढ़े. हिंदी कविता की मुख्यधारा वहीं रुकी पड़ी है, जहां दिनकर की पीढ़ी ने छोड़ी थी. नवगीतकारों ने एक नहर बनाने का प्रयास अवश्य किया, लेकिन उसे इकोसिस्टम का पूरा सहयोग नहीं मिल सका. इसकी तुलना में उर्दूदां काव्य प्रेमियों ने अपनी परंपरागत काव्य-विधा का योजनाबद्ध प्रचार कर उसे हिन्दी के गांव-घर तक पहुंचा दिया. राजभाषा के झंडाबरदार छंद-मुक्त कविता की झरबेरी फेंककर गजल के रसीले खजूर खाने लगे. यहां तक तो ठीक था, लेकिन लिप्यंतरण की बाढ़ में बहुत से खर-पतवार भी आ गए, जिससे नागरी लिपि प्रदूषित होने लगी, जो हमारी चिंता बढ़ा रही है. उदाहरण के लिए केवल शेर यथावत प्रस्तुत है-

तुझसे मिलते ही वो कुछ
बेबाक हो जाना मिरा
औ' तिरा दांतों में वो
उंगली दबाना याद है.

> हिंदी कविता की मुख्यधारा वहीं रुकी पड़ी है, जहां दिनकर की पीढ़ी ने छोड़ी थी. नवगीतकारों ने एक नहर बनाने का प्रयास अवश्य किया, लेकिन उसे इकोसिस्टम का पूरा सहयोग नहीं मिल सका.

इसमें यह मिरा और तिरा क्या है? इन्हें क्रमशः मेरा और तेरा आसानी से लिखा जा सकता था. 'ए' को एक मात्रात्मक मानने का गुर हमें गोस्वामी तुलसीदास जी बहुत पहले सिखा गये हैं- 'एहि सन हठ करि हौं पहिचानी' में भी तो ए लघु-मात्रिक ही है. कहां किसी को परेशानी हुई? फिर अचानक यह मिरा-तिरा क्यों होने लगा? इसके पीछे भी कोई सुनियोजित साजिश तो नहीं!

कहावत है कि बुढ़िया के मरने से उतना डर नहीं, जितना यम के परचने का डर है. वह हो भी रहा है. हिंदी के सैकड़ो जांबाज नवयुवक जिस तरह गजल लिखने और उसमें मिरा -तिरा करने लगे हैं, उसे देखकर आशंका होना स्वाभाविक है. यह देव मंदिरों में साईं बाबा की मूर्ति की प्रतिष्ठा की भांति अनर्गल और अनर्थकारी है. पहले हिन्दी के प्रकाशक पांडुलिपियों को तराशने के लिए सुयोग्य संपादक रखते थे. आज उनका अदर्शनं लोपः हो गया है. ऐसे में बाढ़ के साथ आयी खर-पतवारों से भाषा की सुरसरि को कैसे बचाया जाए, यह विचारणीय है. सुतरां, देवनागरी की वर्तनी में यह घुसपैठ हर हाल में रोकिए.

हर मौसम बहता रहे साहित्य सलिल का सोता

मई का महीना चुनाव की सरगर्मी के बीच बीता, इसलिए शायद इस महीने साहित्यिक गतिविधियां कम रही. लेकिन साहित्य एक ऐसा सोता है, जो कभी सूखता नहीं और कभी यहां तो कभी वहां, कभी छोटा तो कभी बड़ा कोई न कोई सोता फूटता ही रहता है. साहित्य की गंगा इस तरह सतत प्रवाहित ही रहती है.

रहीम का एक दोहा है: रहिमन पानी राखिये, बिनु पानी सब सून. पानी गए न ऊबरै, मोती, मानुष, चून. वास्तव में जल के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है. इसीलिए संसार की सभी सभ्यताओं का विकास जल के अजस्र स्रोतों के आस पास ही हुआ. वैसे तो जल की आवश्यकता जीवन के लिए वर्षभर रहती है, लेकिन गरमी के मौसम में इसका एहसास अधिक तीव्रता से महसूस होने लगता है. इस महीने गर्मी अपने प्रचंड रूप में रही. गरमी के प्रकोप से मनुष्यों के साथ जीव-जन्तु भी त्राहिमाम कर उठे. सनातन धर्म में प्यासे को जल पिलाना बड़े पुण्य का काम माना गया है. यह देखना अच्छा लगता है कि कई संस्थाएं और कई जगह निजी स्तर पर भी पीने के लिए जल की व्यवस्था की जाती है. यह देखना भी अच्छा लगता है कि कुछ संवेदनशील लोग जानवरों और पंछियों के लिए पानी की व्यवस्था करते हैं. मई का महीना चुनाव की सरगर्मी के बीच बीता, इसलिए शायद इस महीने साहित्यिक गतिविधियां कम रही. लेकिन साहित्य एक ऐसा सोता है, जो कभी सूखता नहीं और कभी यहां तो कभी वहां, कभी छोटा तो कभी बड़ा कोई न कोई सोता फूटता ही रहता है और साहित्य की गंगा इस तरह सतत प्रवाहित ही रहती है.

नीरज नीर

यहां रांची के जुटे साहित्यकार

कला एवं साहित्य की अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती की रांची महानगर इकाई की साधारण सभा की बैठक लाइन टैंक रोड स्थित वाटिका होम्स के सभागार में सम्पन्न हुई जिसमें वर्ष 2024---2027 के लिए रामानुज पाठक अध्यक्ष, शशिकला पौराणिक मंत्री एवं अनूप कुमार मजूमदार कोषाध्यक्ष बनाये गए. इनके अलावा 11 सदस्यों की प्रबंध कारिणी का भी गठन किया गया.

जमशेदपुर में आज कवि सम्मेलन

जमशेदपुर में भोजपुरी साहित्य परिषद् के तत्वाधान में दिनांक -21.5.2024, को तुलसी भवन में डॉ रसिक बिहारी ओझा 'निर्भीक' जयंती समारोह आयोजित किया गया. इस समारोह में दिल्ली की नाट्य संस्था रंगश्री के निदेशक महेंद्र प्रसाद को डॉ रसिक बिहारी ओझा निर्भीक सम्मान से सम्मानित किया गया, उन्हें सम्मान स्वरुप शॉल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह और नगद राशि दी गई. कार्यक्रम का संचालन परिषद् के के सचिव श्री दिव्येन्दु त्रिपाठी ने किया, माधवी उपाध्याय के सरस्वती वंदना से कार्यक्रम का आरंभ हुआ. अतिथियों द्वारा परिषद् के मुख्य पत्र लुकार के 44वें अंक का लोकार्पण किया गया. इस दौरान डॉ रसिक बिहारी ओझा निर्भीक रचित भोजपुरी नाटक–लांस नायक खूब सिंह का मंचन हुआ, जिसका निर्देशन अनुज प्रसाद श्रीवास्तव ने किया.

जमशेदपुर में 26 मई रविवार को ही श्दिव्य ग्रंथ अध्ययन केंद्रश् के बैनर तले एक विराट कार्यक्रम प्रस्तावित है. यह कार्यक्रम तुलसी भवन में प्रातः 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक होगा. इस कार्यक्रम में कवि सम्मलेन के अलावा 25 साहित्यकारों को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया जाएगा.

हजारीबाग में साहित्य का "परिवेश"

साहित्य के उन्नयन एवं संवर्द्धन में में गोष्ठियों का बड़ा अहम योगदान होता है. गोष्ठियों में न केवल एक दूसरे को जानने समझने का अवसर मिलता है, बल्कि वर्तमान में क्या लिखा पढ़ा जा रहा है, यह भी जानने का अवसर मिलता है. कभी कभी गोष्ठियों में रचनात्मक सकारात्मक सार्थक चर्चा भी देखने को मिलती है. इसी कड़ी में हजारीबाग में साहित्यिक संस्था 'परिवेश' के तत्वाधान में स्थानीय रामनगर रोड स्थित 'केसरी भवन' में कथाकार सह रंगकर्मी मनोज सिन्हा की चर्चित कहानी 'मौत की छलांग' पर एक गोष्ठी का आयोजन संपन्न हुआ. आयोजित गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में प्रख्यात कथाकार रतन वर्मा एवं विशिष्ट अतिथि के तौर पर सहदेव प्रसाद लोहानी सम्मिलित हुए. गोष्ठी की अध्यक्षता कवयित्री मोना बग्गा ने की. गोष्ठी का संचालन एवं विषय प्रवेश 'परिवेश' के संयोजक विषय केसरी ने किया. कथाकार मनोज सिन्हा की यह कहानी मौत की छलांग जैसे खतरनाक करतब दिखाने वाले एक गरीब परिवार की तीन पीढ़ियों के संघर्ष से जुड़ी हुई है.

व्यंग्य >> बर्बरीक

लोकतंत्र का टाइम आएगा

चौंक गए न आप? लोकतंत्र के झकझोर उत्सव के बीच यह कौन सा विवादी स्वर लग गया. दरअसल राजनीति शास्त्र की सैद्धांतिक बातों ने दिमाग खराब कर दिया था. जनता अपने प्रतिनिधि चुनती है फिर प्रतिनिधि मिलकर नेता चुनते हैं जो प्रधान बनता है. आप भी तो यही तरीका जानते होंगे लोकतंत्र के बारे में. यह तो नहीं मालूम होगा न कि पहले से ही एक रेडीमेड नेता पेंट पॉलिश करके बिठा रखा है- फलाने के नाम पर वोट दीजिए, चिलाने को प्रधान बनाने के लिए वोट दीजिए. तो फिर सीधे सीधे वोट करवाओ, इतना घुमाकर नाक पकड़ने की जरूरत क्या है. एकदम शाहरुख़ खान वाली फीलिंग आ रही है- किसी चीज को शिद्दत से चाहो तो सारी कायनात उसे मिलाने में लग जाती है. है कि नहीं? चुनाव आयोग, ईडी, मीडिया सब मतलब पूरी कायनात जुट गई है महामानव को प्रधानी की

> इतिहास गवाह है कि जिस किसी को ऐसा इल्हाम हुआ उसे मुंह की खानी पड़ी. आपातकाल के वक्त भी एकबार ऐसा यकीन हुआ था मगर लोकतंत्र की सुई ने घमंड का गुब्बारा फुस्स कर डाला.

कुर्सी से मिलाने में. जब ऐसी खातिरदारी में सब लगे हों तो किसी को भी अपने खुदा होने का यकीन हो ही जाएगा. इसलिए तो शायर ने कह दिया था- कल तक जो शख्स यहां तख्तनशी था/उसको भी अपने खुदा होने का इतना ही यकीं था. खुदा होने का यकीं बड़ी मुश्किल से जाता है. ज़िंदा जावेद लोकतंत्र की यही खासियत होती है कि वह इंसान के खुदा होने के यकीन को जोड़ता रहता है. इतिहास गवाह है कि जिस किसी को ऐसा इल्हाम हुआ उसे मुंह की खानी पड़ी. आपातकाल के वक्त भी एकबार ऐसा यकीन हुआ था मगर लोकतंत्र की सुई ने घमंड का गुब्बारा फुस्स कर डाला. यह बात और है कि हम बतौर क़ौम बहुत टुच्ची बातों पर गौर फरमाते हैं और उसी को लोकतंत्र समझते हैं, मसलन जाति, धर्म, जनता को दी जाने वाली रिश्वत और बड़ी चीजों को बेकार समझते हैं मसलन वोट की पवित्रता, रोजगार का सवाल, शिक्षा स्वास्थ्य के प्रश्न,संविधान की वकत आदि. वैसे तो दलों के घोषणापत्र भी जारी होते हैं और वादे दावे भी किए जाते हैं लेकिन उन्हें न तो पढ़ने समझने की जरूरत समझी जाती है न गंभीरता से लेने की. घर के बुजुर्गों की हिदायत की तरह उन्हें दरकिनार कर दिया जाता है. हर चुनाव शुरू तो होता है बड़े मुद्दों के साथ लेकिन धीरे धीरे हमारे रहनुमाओं की तरह ही निचले स्तर पर उतर जाता है - हिन्दू मुसलमान, मंगलसूत्र, संपत्ति छीनझपट, लूट खसोट तक. मुश्किल है कि जम्हूरियत में बंदों को सिर्फ गिनते है तौलते नहीं हैं. जब तौलना शुरू कर देंगे और टुच्ची चीजों की जगह बड़े सवालों के बारे में सोचेंगे तभी लोकतंत्र गाएगा - अपना टाइम आएगा, अपना टाइम आएगा...

कविता/गज़ल

अशोक प्रियदर्शी

चिड़िया की बात

जब हम चिड़िया की बात करते हैं
तो हौसले की बात करते हैं
क्योंकि परवाज डैनों से नहीं
हौसले से भरी जाती है.
जब हम चिड़िया की बात करते हैं
किसी रजिया, किसी राधा की बात नहीं करते
क्यों कि चिड़िया, बस चिड़िया होती है
रजिया या राधा नहीं.

जब हम चिड़िया की बात करते हैं
अपरिग्रह की बात करते हैं
क्योंकि चिड़िया कोठियां नहीं भरती
उसे अपनी भूख मिटाने को चार दाने चाहिए
और उन चार शावकों को चुग्गा देने के लिए
जो अभी घोंसलों में पड़े
अपने डैने खुलने के इंतज़ार में हैं.

जब हम चिड़िया की बात करते हैं
सिर्फ निसर्ग में फैली हरीतिमा की बात करते हैं
गैरिक, लाल या हरे रंग की बात नहीं करते.
चिड़ियों में राजनीति नहीं होती
निश्चल सरलता होती है.

जब हम चिड़िया की बात करते हैं
तब हम सिर्फ श्रम को सलाम करते हैं
क्योंकि चिड़िया परिश्रम से अपना नीड़ बनाती है
दूर-दूर जाकर तिनकों का इंतजाम करती हैं
कार्य और सिर्फ कार्य करती हैं.

जब हम चिड़िया की बात करते हैं
तो अहिंसा की बात करते हैं
चिड़िया बंदूक नहीं उठाती
बारुद नहीं बिछाती
संभावित खतरे को भांप
फुर्र से उड़ जाती है
विवाद से दूर
अपने जानते, खतरों से परे.

गोया जब हम चिड़िया की बात करते हैं
किसी बुद्ध, किसी महावीर
किसी गांधी, किसी परमहंस की बात करते हैं
ये बातें जो हमें याद रहनी चाहिए, शायद
जब हम चिड़िया की बात करते हैं...

मुक्ति शाहदेव

खो गई पोथी प्रेम की

धूल सी है जम गई
हर रिश्ते पर क्यों भला
संवाद सारे खो गए
शोर कैसा अजनबीपन का
ठहरा है वर्षों से जैसे
एक जगह पानी बहुत
काई सीलन और गंध भरा.

ढाई आखर प्रेम वाली
पोथी कैसे खो गई,
सूख गए हैं सोते जब से
नदी ठिठकी उदास खड़ी
आओ हम तुम मिलजुल करके
रचें नई कुछ प्रेम पाती
गढ़ें नए आयाम कुछ ऐसे
बहे सरिता कलकल करती
आज सूरज डूबने से पहले.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

गहरे प्यार में नफरत ने क्यों ली जगह? अलगाव तक पहुंची दोनों की कलह

नताशा से तलाक हुआ, तो कंगाल हो जाएंगे हार्दिक पांड्या!

एजेंसी। मुंबई

टीम इंडिया के स्टार क्रिकेटर हार्दिक पांड्या आईपीएल 2024 में कुछ खास नहीं कर सके. उनकी टीम मुंबई इंडियंस बुरी तरह पिट गई. अब पांड्या निजी जिंदगी को लेकर भी परेशान चल रहे हैं. रिपोर्ट्स की मानें तो वे वाइफ नताशा स्टेनकोविक से तलाक लेने वाले हैं. इतना ही नहीं पांड्या को प्रॉपर्टी का 70 प्रतिशत हिस्सा भी देना होगा.

हालांकि इसको लेकर किसी भी तरह की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है. अब सवाल यह उठता है कि अगर पांड्या और नताशा का तलाक हो रहा है तो इसकी वजह क्या है. पांड्या और नताशा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं. लेकिन वे दोनों ही सोशल मीडिया पर फरवरी के बाद साथ नहीं दिखे हैं. इन दोनों की आखिरी तस्वीर 14 फरवरी की है, जो कि साथ की है. हालांकि इसके बाद एक कार्यक्रम में दोनों जरूर साथ दिखे थे. पांड्या आईपीएल 2024 के दौरान बुरी तरह ट्रोल हुए थे. वे मुंबई इंडियंस की कप्तानी को लेकर आलोचना का शिकार हुए और अब निजी जिंदगी की वजह से परेशान होंगे.

पांड्या-नताशा के बीच कलह का कारण

पांड्या और नताशा के बीच दूरी क्यों बढ़ी, इसकी पुख्ता जानकारी तो नहीं है. लेकिन यह जरूर है कि दोनों के बीच मतभेद हो चुका है. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो पांड्या और नताशा की पहली मुलाकात मुंबई में एक पार्टी के दौरान हुई थी. यहां दोनों दोस्त बन गए. इसके बाद काफी वक्त साथ बिताया. पांड्या ने 2020 में नताशा से शादी कर ली. इसके बाद दोनों काफी अच्छी जिंदगी जी रहे थे. लेकिन फिर मतभेद की वजह से दोनों अलग होने की कगार पहुंच गए. हालांकि वे दोनों तलाक लेंगे या नहीं, इसको लेकर किसी भी तरह की आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है.

प्रोफेशनल लाइफ में भी बुरे दौर से गुजर रहे पांड्या

पांड्या की प्रोफेशनल लाइफ भी ठीक नहीं चल रही हैं. वे आईपीएल के पिछले सीजन में गुजरात टाइटंस का हिस्सा थे. लेकिन इसके बाद उन्हें मुंबई इंडियंस ने ट्रेड कर लिया. पांड्या को मुंबई में आते ही कप्तानी मिल गई. उनके आने से रोहित शर्मा को नुकसान हुआ. रोहित को कप्तानी से हटा दिया गया. यह बात फैंस को भी पसंद नहीं आई. इस वजह से पांड्या मैच के दौरान काफी ट्रोल हुए. वहीं सोशल मीडिया पर भी दर्शकों ने आड़े हाथों लिया.

तो क्या बात तलाक तक पहुंची

कहावत है कि बिना के आग के कहीं धुआं नहीं उठता है... हार्दिक पंड्या और उनकी सर्बियाई पत्नी नताशा स्टेनकोविच के रिश्ते में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है, ऐसी अफवाहें हैं. सोशल मीडिया पर चर्चा है कि दोनों अलग हो सकते हैं. कुछ बातों ने इन अफवाहों को हवा दी है. पहली बात तो यह कि नताशा ने अपने इंस्टाग्राम बायो से पांड्या सरनेम को हटा दिया. दूसरी बात यह कि नताशा पहले हर मैच में हार्दिक को चीयर करने स्टेडियम आती थीं, लेकिन हाल ही में उन्हें नहीं देखा गया. यही कारण है कि सोशल मीडिया पर हार्दिक और नताशा को लेकर यह अनुमान लगाया जा रहा कि दोनों एक दूसरे से अलग हो चुके हैं. हार्दिक और नताशा ने मई 2020 में शादी की थी और जुलाई 2020 में उनके बेटे अगस्त्य का जन्म हुआ था.

फाइनल में हमारे तरीके में कोई बदलाव नहीं होगा : हेलमोट

एजेंसी। चेन्नई

चेन्नई। सनराइजर्स हैदराबाद के सहायक कोच सिमोन हेलमोट ने कहा कि पैट कमिंस की कुशल कप्तानी के दम पर उनकी टीम आईपीएल फाइनल में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को तैयार है. दूसरे क्वालीफायर में राजस्थान रॉयल्स को 36 रन से हराने के बाद हेलमोट ने कहा कि टीम की शैली में केकेआर के खिलाफ कोई बदलाव नहीं होगा. उन्होंने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, हम अपनी शैली पर अडिग रहेंगे. हमने पूरे सत्र में ऐसे ही खेला है और इसी के दम पर फाइनल में हैं. फाइनल में भी हम ऐसे ही खेलेंगे. मुझे गर्व है कि दबाव के हालात में भी टीम ने अपना स्वाभाविक खेल नहीं छोड़ा. राहुल त्रिपाठी, ट्रेविस और हेनरिच क्लासेन ने पूरी पारी में लय कायम रखी. पिच के बारे में उन्होंने कहा, यह अच्छी विकेट है. हमारी शुरुआत अच्छी रही लेकिन हमने एक विकेट ज्यादा गंवा दिया. पारी आगे बढने के साथ आफ कटर और बाउंसर काम करने लगे. हम चाहते थे कि गेंद थोड़ी पुरानी हो जाए. स्पिनरों की भूमिका भी अहम रही. उन्होंने पैट कमिंस की निर्णय लेने की क्षमता और मुख्य कोच डेनियल विटोरी के साथ संबंधों की तारीफ की. उन्होंने कहा, कप्तान को श्रेय जाता है. उन्होंने सही समय पर सही फैसले लिये. वह भांप गए थे कि स्पिनर कब उपयोगी साबित होंगे. उनका और डेनियल का आपसी तालमेल अच्छा है और वे नये सुझाव लाते रहते हैं. वे खिलाड़ियों को खुलकर खेलने की आजादी देते हैं.

ब्रीफ खबरें

क्यूएसएफ क्वार्टर फाइनल में सेंथिल व अभय की हार

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय स्क्वाश चैम्पियन वेलावान सेंथिल कुमार ने दोहा में पीएसए विश्व टूर ब्रांज टूर्नामेंट क्यूएसएफ 3 में शीर्ष वरीयता प्राप्त दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी मिस्र के तारिक मोमिन के खिलाफ काफी संघर्ष किया लेकिन जीत नहीं सके. दुनिया के 55वें नंबर के खिलाड़ी सेंथिल कुमार को मोमिन ने हराया. एशियाई खेलों के पदक विजेता भारत के अभय सिंह को मलेशिया के इयेन योउ एंग ने 11 . 6, 11 . 9, 11 . 4 से हराया.

अभिमन्यु लौरा ने निकोलोव को हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया

बैंकॉक। राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के कांस्य पदक विजेता अभिमन्यु लौरा ने शानदार जज्बा दिखाते हुए शनिवार को यहां पेरिस ओलंपिक के लिए मुक्केबाजी विश्व क्वालीफायर के 80 किग्रा वर्ग के पहले दौर में बुल्गारिया के क्रिस्टियन निकोलोव पर जीत दर्ज की.अभिमन्यु ने धीमी शुरुआत की जिससे बुल्गारिया के 10 बार के राष्ट्रीय चैम्पियन निकोलोव ने पहले राउंड में दबदबा बना लिया.पर 21 साल के भारतीय मुक्केबाज ने तेजी से रणनीति बदली और दूसरे राउंड में आक्रामक हो गये .

सीनियर पीजीए में कट में प्रवेश करेंगे अटवाल

बेंटन हार्बर (मिशिगन)। भारत के अर्जुन अटवाल ने किचन एड सीनियर पीजीए गोल्फ चैम्पियनशिप में दूसरे दौर में डबल बोगी के बावजूद चार ओवर 75 के स्कोर के साथ कट में प्रवेश लगभग सुनिश्चित कर लिया. वहीं जीव मिल्खा सिंह पहले दौर में 69 के बाद 79 स्कोर ही कर सके. वह कट में प्रवेश से चूक जाएंगे. इंग्लैंड के रिचर्ड ब्लांड ने पांच अंडर 66 के स्कोर के साथ एक शॉट की बढत बना ली है.चैम्पियंस टूर विजेता स्कॉट डनलप दूसरे स्थान पर हैं.

अब आईपीएल में शिमरोन हेटमायेर पर लगा जुर्माना

चेन्नई। राजस्थान रॉयल्स के शिमरोन हेटमायेर पर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ दूसरे क्वालीफायर के दौरान आईपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का दस प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है.
सनराइजर्स ने शुक्रवार को 36 रन से जीत दर्ज की. आयोजकों ने इसकी जानकारी नहीं दी कि हेटमायेर पर जुर्माना क्यो लगाया गया लेकिन यह आउट होने के बाद उनकी प्रतिक्रिया को लेकर हो सकता है.

इंडियन प्रीमियर लीग 2024 का खिताबी मुकाबला आज

केकेआर के सामने कमिंस के सनराइजर्स की कठिन चुनौती

एजेंसी। चेन्नई

एक तरफ क्रिकेट के कुशल रणनीतिकार गौतम गंभीर के कोलकाता नाइट राइडर्स और दूसरी तरफ आक्रामक बल्लेबाजी की नयी परिभाषा गढ़ने वाले पैट कमिंस के सनराइजर्स हैदराबाद. इंडियन प्रीमियर लीग में इस सत्र का सरताज बनने के लिए आखिरी तिलिस्म पर दोनों बेहतरीन टीमों के बीच रविवार को खिताबी मुकाबले में दर्शकों के लिये रोमांचक क्रिकेट की गारंटी रहेगी. आम तौर पर खेल में मुकाबले कप्तानों और उनकी टीमों के बीच होते हैं लेकिन यह आईपीएल फाइनल दीगर है. इसमें एक तरफ कोरबो, लोड़बो, जीतबो की सोच रखने वाले गंभीर का दिमाग है, तो दूसरी तरफ एक ऐसा आस्ट्रेलियाई कप्तान है, जिसने टीम को विजेताओं वाले तेवर दिये हैं. केकेआर के कप्तान के रूप में दूसरा आईपीएल फाइनल खेलने जा रहे श्रेयस अय्यर इस महामुकाबले में सहायक भूमिका में नजर आ रहे हैं. एक दशक पहले किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि कमिंस छह महीने के भीतर वनडे विश्व कप, विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप और एशेज जीतने वाले कप्तान बनेंगे. अब अगर वह सनराइजर्स को आईपीएल खिताब भी दिला देते हैं, तो यह सोने पे सुहागा होगा. सनराइजर्स के सहायक कोच सिमोन हेलमोट ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ दूसरे क्वालीफायर में टीम की जीत के बाद कहा था, वह काफी व्यावहारिक, विनम्र और प्रभावी कप्तान है. उसके पास अलग अलग परिस्थितियों में प्रतिद्वंद्वी टीमों के खिलाफ सारी जानकारियां और आंकड़े रहते हैं. उन्होंने कहा, वह टीम बैठकों में समय बर्बाद नहीं करता. हमारी टीम बैठक आज 35 सेकंड की थी लेकिन उसके पास सारी सूचनायें थी. दोनों टीमों की टक्कर पहले क्वालीफायर में हुई थी जिसमें केकेआर ने सनराजइर्स को उम्दा गेंदबाजी के दम पर हराया था. केकेआर ने पिछली बार चेन्नई में 2012 में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल फाइनल खेला था, जिसमें बतौर कप्तान गंभीर ने खिताबी जीत दर्ज की थी. गंभीर की कप्तानी में केकेआर ने फिर 2014 में खिताब जीता और अब वह बतौर मेंटोर भी इसी टीम को खिताब दिलाने की दहलीज पर हैं. वह भारतीय टीम के मुख्य कोच बनने के सबसे प्रबल दावेदार भी है और आईपीएल खिताब से उनका दावा और पुख्ता होगा.

टीमें

कोलकाता नाइट राइडर्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), केएस भरत, रहमानुल्लाह गुरबाज, रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, शेरफेन रदरफोर्ड, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, नीतिश राणा, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नारायण, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, हर्षित राणा, सुयश शर्मा, मिशेल स्टार्क, दुष्मंथा चमीरा, साकिब हुसैन, मुजीब उर रहमान, गट एटिकिंसन, अल्लाह गजांफर.

सनराइजर्स हैदराबाद: पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, हेनरिक क्लासेन , एडेन मार्कराम, अब्दुल समद, नितीश रेड्डी, शाहबाज अहमद, भुवनेश्वर कुमार, जयदेव उनादकट, टी नटराजन, मयंक मार्कंडेय, उमरान मलिक, अनमोलप्रीत सिंह, ग्लेन फिलिप्स , राहुल त्रिपाठी, वाशिंगटन सुंदर, उपेंद्र यादव, जे सुब्रमण्यन, सनवीर सिंह, विजयकांत व्यासकांत, फजलहक फारूकी, मार्को यानसेन, आकाश महाराज सिंह, मयंक अग्रवाल.

मैच का समय : शाम 7.30 बजे

फाइनल से पहले केकेआर को सनराइजर्स के कप्तान पैट कमिंस ने दी चेतावनी!

एजेंसी। नयी दिल्ली

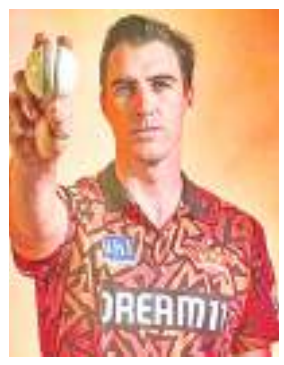

राजस्थान रॉयल्स को हराकर सनराइजर्स हैदराबाद फाइनल में पहुंच चुकी है. पैट कमिंस की अगुवाई वाली सनराइजर्स हैदराबाद के सामने फाइनल में कोलकाता नाइट राइडर्स की चुनौती होगी. वहीं, दोनों टीमों का आमना-सामना चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में होगा. बहरहाल, इस मैच से पहले सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस का बयान आया है. पैट कमिंस ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ अपनी टीम की संभावनाओं पर प्रतिक्रिया दी है. इस आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने मानसिक तौर पर बढ़त बनाने के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स को चेताया है कि हमारी टीम टूर्नामेंट की सबसे बेहतरीन टीम है, हमें कम करके आंकना भारी भूल होगी.

केकेआर टेबल टॉपर रही, तो सनराइजर्स हैदराबाद दूसरे नंबर पर : बताते चलें कि सनराइजर्स हैदराबाद ने 14 मैचों में 17 प्वॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर फिनिश किया. वहीं, कोलकाता नाइट राइडर्स 14 मैचों में 20 प्वॉइंट्स के साथ टेबल टॉपर रही. हालांकि, इसके अलावा संजू सैमसन की अगुवाई वाली राजस्थान रॉयल्स ने 14 मैचों में 17 प्वॉइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर फिनिश किया. इस तरह सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के बराबर 17-17 प्वॉइंट्स थे, लेकिन पैट कमिंस की टीम को बेहतर नेट रन रेट का फायदा मिला.

मुझे नहीं पता कि हमारी टीम फेवरेट है या नहीं

सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने कहा, मुझे नहीं पता कि हमारी टीम फेवरेट है या नहीं... लेकिन इस बात में कोई शक नहीं कि हम सबसे बेहतरीन टीमों में एक हैं. उन्होंने कहा कि ठीक इसी तरह का अहसास पिछले दिनों वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाड़ियों के साथ था. बहरहाल, कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ फाइनल में हम अपना बेस्ट देने के लिए तैयार हैं. इससे पहले कोलकाता नाइट राइडर्स ने क्वॉलीफायर-1 में सनराइजर्स हैदराबाद को हराया था. लेकिन अब दोनों टीमें एक बार फिर फाइनल में आमने-सामने होंगी. लिहाजा, इस बार पैट कमिंस की अगुवाई वाली सनराइजर्स हैदराबाद हिसाब बराबर करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी.

शर्मा ने बेल्जियम में कट में प्रवेश किया

एंटवर्प (बेल्जियम)। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने फर्स्ट नाइन में लगातार चार बर्डी लगाकर सोउडाल ओपन में आसानी से कट में प्रवेश कर लिया. दो बार के डीपी विश्व टूर चैम्पियन शर्मा ने पहले दौर में 69 और दूसरे में 67 स्कोर किया. वह संयुक्त 23वें स्थान पर है. स्पेन के नाचो एलविरा ने एकल बढत बना ली है जो शर्मा से आठ शॉट आगे हैं. भारत के ओमप्रकाश चौहान कट में प्रवेश से चूक गए, जिन्होंने 72 और 74 स्कोर किया.

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने बेल्जियम को हराया

एजेंसी। एंटवर्प

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने बेल्जियम को शूटआउट में 4.2 से हरा दिया. जबकि निर्धारित समय तक स्कोर 2 . 2 से बराबर था. कनिका सिवाच ने भारत के लिये दो गोल किये. भारत ने पहले ही क्वार्टर में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके 2 . 0 की बढत बना ली. दूसरे क्वार्टर में कोई गोल नहीं हो सका और हाफटाइम तक भारत की बढत कायम रही. तीसरे क्वार्टर में बेल्जियम को पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन गोल नहीं हो सका. आखिरी क्वार्टर में बेल्जियम ने लगातार दो गोल करके मुकाबले को शूटआउट में खींचा जिसमें भारत ने बाजी मारी.

सिंधू मलेशिया मास्टर्स खिताब से एक कदम दूर

फाइनल में आज चीन की खिलाड़ी से मिलेगी कड़ी चुनौती

एजेंसी। कुआलालंपुर

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने शनिवार को यहां थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान के खिलाफ पिछड़ने के बाद शानदार जीत दर्ज करते हुए 4,20,000 डॉलर (लगभग 3.49 करोड़ रुपए) पुरस्कार राशि वाले मलेशिया मास्टर्स बैडमिंटन के फाइनल में अपनी जगह पक्की की. पिछले दो साल से एक भी खिताब जीतने में नाकाम रही पांचवीं वरीयता प्राप्त सिंधू ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में 88 मिनट तक चले मैराथन मुकाबले में दुनिया की 20वें नंबर की बुसानन के खिलाफ 13-21, 21-16, 21-12 से जीत हासिल की. सिंधू ने इससे पहले 2022 सिंगापुर ओपन को अपने नाम करने में सफल रही थी और पिछले साल मैड्रिड स्पेन मास्टर्स में उपविजेता रही थी. यह बुसानन पर 19 मैचों में उनकी 18वीं जीत थी. विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सिंधू के सामने फाइनल में चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त वांग झांग यी की चुनौती होगी. रैंकिंग में सातवें स्थान पर काबिज झांग के खिलाफ तीन मैचों में सिंधू ने दो जीत दर्ज की है. पिछले दो ओलंपिक में क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीतने वाली सिंधू का पेरिस ओलंपिक से पहले लय में वापसी करना भारतीय खेलों के लिए अच्छी खबर है. इस सत्र की शुरुआत में घुटने की चोट से वापसी करने के बाद से उन्होंने पिछले कुछ टूर्नामेंटों में आक्रामक खेल दिखाया है.

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप: पक्ष में फैसला आने पर मिला फायदा

भारत को भालाफेंक में रजत और कांस्य

एजेंसी। कोबे (जापान)

भारत को विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की एफ46 भालाफेंक स्पर्धा में दूसरे स्थान पर रहे श्रीलंका के दिनेश प्रियंथा हेराथ के खिलाफ शिकायत सही साबित होने पर रजत और कांस्य पदक दिया गया है. पुरुषों के एफ46 भालाफेंक में भारत के रिंकू हुड्डा और अजीत सिंह तीसरे और चौथे स्थान पर रहे थे लेकिन भारत ने विरोध दर्ज किया था कि हेराथ इस वर्ग में भागदारी के योग्य नहीं हैं. पैरा खेलों में समान शारीरिक अक्षमता वाले खिलाड़ियों को एक समूह में रखा जाता है, ताकि प्रतिस्पर्धा बराबरी की हो. एफ46 वर्ग भुजा में कमी , कमजोर मांसपेशियों वाले या बाहों में गति की निष्क्रिय सीमा वाले एथलीटों के लिए है, जिसमें एथलीट खड़े होकर प्रतिस्पर्धा करते हैं. भारतीय पैरालम्पिक समिति के एक अधिकारी ने कहा, हेराथ एफ46 श्रेणी का था ही नहीं. भारत के पक्ष में फैसला आने के बाद हेराथ को अयोग्य करार दिया गया. रिंकू को रजत और अजीत को कांस्य पदक दिया गया. मुख्य कोच सत्यनारायण ने कहा, हमने श्रीलंकाई खिलाड़ी के खिलाफ विरोध दर्ज कराया था, जो तोक्यो पैरालम्पिक में भी स्वर्ण जीत चुका है. वह इस वर्ग में भाग्य लेने की योग्यता नहीं रखता. अब रिंकू को रजत और अजीत को कांस्य पदक दिया गया है. भारत अब पांच स्वर्ण, पांच रजत और चार कांस्य के साथ छठे स्थान पर है. यह भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है.

तीरंदाजी विश्व कप भारतीय महिला टीम ने लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीता ,भारतीय कैंप में खुशी की लहर

भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने स्वर्ण जीता, मिश्रित टीम को रजत

एजेंसी। येचियोन (दक्षिण कोरिया)

ज्योति सुरेखा वेन्नम, परनीत कौर और अदिति स्वामी की भारतीय तिकड़ी ने तीरंदाजी विश्व कप में महिला कंपाउंड वर्ग में लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीता जबकि मिश्रित टीम को रजत पदक मिला. दुनिया की नंबर एक भारतीय टीम ने तुर्की की हेजल बुरून, एइसे बेरा सुजेर और बेगम युवा की टीम को 232 . 226 से हराकर एक भी सेट गंवाये बिना पहला स्थान हासिल किया. एशियाई खेल चैम्पियन ज्योति हालांकि दूसरा स्वर्ण नहीं जीत सकी और प्रियांश के साथ कंपाउंड मिश्रित टीम फाइनल में अमेरिका की ओलिविया डीन और सायेर सुलिवान की जोड़ी से 155 . 153 से हार गई. ज्योति, परनीत और विश्व चैम्पियन अदिति ने विश्व कप स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगाई. उन्होंने पिछले महीने शंघाई में विश्व कप के पहले चरण में इटली को हराकर स्वर्ण जीता था. वहीं पिछले साल पेरिस में चौथे चरण में भी स्वर्ण हासिल किया था. कंपाउंड महिला टीम फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय टीम ने पहले दौर में सेंटर के पास तीन एक्स के साथ आगाज किया और अगले तीन तीरों पर एक एक अंक ही गंवाया. छह तीर के दूसरे दौर में भारत ने पांच परफेक्ट 10 और दो एक्स तथा एक 9 के स्कोर के साथ बढत चार अंक की कर ली. तीसरे दौर में तुर्की ने चार 10, एक एक्स लगातार वापसी की पूरी कोशिश की लेकिन भारत के पाच चार अंक की बढत थी. भारत ने एक बार फिर तीन 10 और एक एक्स के साथ 58 स्कोर करके जीत दर्ज की.

दुनिया की शीर्ष दो टीमों के बीच मुकाबले में अमेरिका ने कंपाउंड मिश्रित टीम वर्ग में शानदार वापसी करके स्वर्ण जीता. ज्योति और प्रियांश ने पहले दौर में 40 में से 39 अंक लेकर दो अंक की बढत बना ली थी. वे हालांकि इस प्रदर्शन को जारी नहीं रख सके और अमेरिकी टीम ने ब्रेक तक बराबरी कर ली. इसके बाद अमेरिकी टीम ने तीसरे दौर में परफेक्ट 40 स्कोर करके एक अंक की बढ़त बनाई. ज्योति और प्रियांश ने परफेक्ट 40 स्कोर करके मुकाबले को शूटआ में खींचा लेकिन उसमें उनके 38 अंक के मुकाबले अमेरिकी टीम ने 39 स्कोर किया.कंपाउंड वर्ग में प्रथमेश फुगे पहले व्यक्तिगत विश्व कप पदक से एक जीत दूर हैं. उन्होंने क्वार्टर फाइनल में 2021 विश्व चैम्पियन और दुनिया के छठे नंबर के तीरंदाज आस्ट्रिया के निको वीनेर को हराया.

राजस्थान की हार यशस्वी के आउट होते ही तय हो गयी : संगाकारा

एजेंसी। नयी दिल्ली

राजस्थान रॉयल्स के कोच कुमार संगाकारा ने सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के विकेट को एसआरएच वर्सेस आरआर क्वालीफायर-2 मैच का टर्निंग पॉइंट बताया है. राजस्थान ने पावरप्ले में 50 से अधिक रन बना लिए थे, मगर जैसे ही यशस्वी जायसवाल आउट हुए, तो उनकी टीम ताश के पत्तों की तरह ढह गई. मिडिल ऑर्डर में ना तो संजू सैमसन रन बना पाए और ना ही रियान पराग ने कुछ किया. इन दोनों बल्लेबाजों ने इस सीजन खूब रन बनाए हैं, मगर मुख्य मैच में दोनों फेल हो गए. बता दें, हैदराबाद ने इस मैच में पहले बैटिंग करते हुए 175 रन बोर्ड पर लगाए थे, इस स्कोर का पीछा करते हुए राजस्थान 139 ही रन बना सकी. एसआरएच ने 36 रनों से यह मैच जीत फाइनल का टिकट हासिल किया. कुमार संगाकारा ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे लगता है कि एक साथ कई विकेट गंवाना हमपर भारी पड़ा. हमारी शुरुआत बहुत अच्छी रही, पावरप्ले में हमारा स्कोर 51 रन था, हमें बस 14वें या 15वें ओवर तक 120 रन तक पहुंचने की जरूरत थी.

ब्रीफ खबरें

आग से झुलस कर महिला की हुई मौत

बेगूसराय । खाना बनाने के दौरान आग से झुलस कर घायल महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई. घटना रिफाइनरी थाना क्षेत्र के मोसदपुर वार्ड नंबर 10 की है. मृतक महिला की पहचान मोसादपुर वार्ड नंबर 10 निवासी वीरू शर्मा की 30 वर्षीय पत्नी लक्ष्मी देवी के रूप में की गई है. परिजनों ने बताया है कि वह अपने घर में खाना बना रही थी. खाना बनाने के दौरान ही गैस चूल्हा अचानक भड़क उठा और महिला के शरीर में आग लग गई. आग लगते ही महिला चिल्लाने लगी और घर वाले ने अपने स्तर से बुझाने का भरसक प्रयास किया.

लमहरी गांव में लोगों ने किया वोट का बहिष्कार

छपरा । शनिवार को महाराजगंज लोकसभा क्षेत्र के मांझी विधनासभा के इन्यातपुर पंचायत के लमहरी गांव में लोगों ने वोट का बहिष्कार कर दिया. ग्रामीणों ने बताया कि इस गांव की आबादी एक हज़ार के करीब है. लेकिन आजतक इस गांव में सड़क का निर्माण नहीं कराया गया है. उन्होंने कहा कि कई बार अधिकारियों के आश्वासन के बाद हमलोगों ने वोट दिया. लेकिन सड़क नहीं बनाया गया. इस साल हमलोगों ने पूरी तरह से वोट बहिष्कार का निर्णय लिया है. जिससे करीब 650 मतदाताओं ने मतदान नहीं किया है. छपरा से डीएम ने कहा कि इसकी जानकारी अभी तक उन्हें नहीं मिली है.

धारदार हथियार से विवाहिता की हुई हत्या

भागलपुर । हबीबपुर थाना क्षेत्र में धारदार हथियार से एक विवाहिता की हत्या कर दी गयी. इसका आरोप पति पर लगाया जा रहा है. दोनों ने वर्षों पहले लव मैरिज किया था. घटना हबीबपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सदरुद्दीनचक की है. मोहल्ला निवासी मो इरशाद आलम की तीस वर्षीय पुत्री बीबी रेशमा की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई. रेशमा के मायके वालों ने हत्या का आरोप महिला के पति परवेज आलम पर ही लगाया है. परवेज इसी मुहल्ले के रहने वाला है. घटना शुक्रवार रात की बताई जा रही है. घटना की सूचना मृतका की चार वर्षीय पुत्री के द्वारा नाना नानी को दी गई.

अब मैं लौट कर कभी भी राजद में नहीं जाऊंगी : हिना शहाब

संवाददाता । सीवान

सीवान लोकसभा सीट पर शनिवार को हुए मतदान में प्रतापपुर में निर्दलीय उम्मीदवार हिना शहाब भी वोट डालने पहुंचीं. वोट डालने के बाद उन्होंने कहा कि वोटरों से अपील है कि संयम से मतदान केंद्रों पर जाएं और अपने मताधिकार का प्रयोग करें. कैंपेनिंग के दौरान हमने जन-जन तक पहुंच कर अपनी बात पहुंचा दी है. जनता होशियार है.

जनता को पता है नेता नहीं सेवक चाहिए. एक सवाल के जवाब में उन्होंने साफ-साफ कहा कि अब लौट कर कभी आरजेडी में नहीं जाउंगी. इतना ही नहीं उन्होंने साफ तौर पर कहा कि शहाबुद्दीन साहब ने अपना फर्ज निभाया, लेकिन लालू

हिना नाराज

- राजद ने शहाबुद्दीन साहब के परिवार को नहीं संभाला
- जनता होशियार है. जनता को पता है नेता नहीं सेवक चाहिए

राजद ने शहाबुद्दीन साहब के परिवार को नहीं संभाला. शहाबुद्दीन साहब हर मुश्किल परिस्थिति में राजद के साथ रहे. उनके निधन के बाद हमारे परिवार की अनदेखी की गई या नहीं यह अलग विषय है. राजद तो शहाबुद्दीन साहब की पार्टी थी. वह पार्टी के संस्थापक सदस्य थे. उन्होंने जुबान दी थी की जब तक जिंदा हूं तब तक लालू के साथ हूं.

हिना शहाब यहीं नहीं रूकीं आगे कहा कि जीत गई तो सेवक के रूप में सिवान की सेवा करुंगी. राजद में लौटकर वापस कभी नहीं जाऊंगी. आगे कदम बढ़ गया वह कदम अब पीछे की ओर नहीं जायेगा. निर्दलीय उम्मीदवार हिना शहाब ने कहा कि नेता बड़े-बड़े वादे करते हैं, लेकिन वादे पूरे नहीं होते. मैं सेवक हूं. सीवान में बेरोजगारी, लचर शिक्षा व्यवस्था, चरमराई हुई स्वास्थ्य व्यवस्था सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा है. दिल और जनता की आवाज है कि इस बार निर्दलीय चुनाव लड़ा जाए. इसलिये निर्दलीय मैदान में हूं. सभी समाज हिन्दू-मुस्लिम सबका समर्थन हमको मिल रहा है. मेरे मुकाबला किसी से नहीं है. सिवान परिवार हमारा है. सीवान के सभी लोग हमारे हैं. सीवान की बेटी हूं. मुझे पूरी उम्मीद है कि जनता की सेवा का मौका इस बार मुझे मिलेगा. बता दें कि मोहम्मद शहाबुद्दीन चार बार सांसद रहे थे. हिना शहाब के निर्दलीय मैदान में होने से मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है. यहां से जदयू प्रत्याशी विजय लक्ष्मी देवी हैं.

सीवान में राजद ने अवध बिहारी चौधरी को प्रत्याशी बनाया है. यहां कड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है. आरजेडी से इस बार हिना शहाब को टिकट नहीं मिला. 2009, 2014, 2019 में टिकट मिला था. सीवान लोकसभा क्षेत्र में करीब 18 लाख मतदाता हैं. इनमें 9,85,125 पुरुष और 7,90,829 महिला मतदाता हैं. जातियों समीकरण पर नजर डालें तो यहां मुस्लिम लगभग 3 लाख, यादव लगभग 2.5, वहीं कुशवाहा वोर्टस की संख्या लगभग 1.25 लाख है, जबकि सहनी 80 हजार के आस-पास हैं. दूसरी ओर सवर्ण जातियों के मतदाताओं की संख्या लगभग 4 लाख और ईबीसी 2.5 लाख हैं.

आरोपी को गिरफ्तार करने गई पुलिस पर हमला

किशनगंज । आरोपी को गिरफ्तार करने गई पुलिस पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया. घटना बिहार-बंगाल सीमा से सटे रामपुर विलायतीबाडी में हुई. इस दौरान पुलिस की गाड़ी पर भी पथराव किया. हमले में किशनगंज पुलिस को हवाई फायरिंग भी करनी पड़ी. हमले में तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए, बीते 15 मई को सदर थाना क्षेत्र के गाछपाड़ा के पास ड्राइवर को अगवा कर मक्का लदे ट्रैक्टर की लूट हुई थी. मामला दर्ज होने के बाद पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी थी. बताया जाता है कि पुलिस टीम मामले में आरोपी नूर आलम का पीछा करते हुए दौला पंचायत पहुंची.

मोदी ने पटना, काराकट और बक्सर में जनसभा में महागठबंधन पर जमकर किया प्रहार, बोले

लालटेनियों ने बिहार में अंधेरा फैलाया

संवाददाता । पटना

बिहार में चुनाव के साथ ही नेताओं का दौरा जारी है. एक तरफ एनडीए तो दूसरी तरफ महागठबंधन चुनाव प्रचार में लगी है. इसी क्रम में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार पहुंचे. पीएम नरेंद्र मोदी ने पटना के बिक्रम में भाजपा प्रत्याशी रामकृपाल यादव के पक्ष में जनसभा की. पटना के बिक्रम के बाद वह काराकाट में राष्ट्रीय लोकदल के प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा और बक्सर में भाजपा प्रत्याशी मिथिलेश तिवारी के पक्ष में जनसभा किया.

पीएम ने बिक्रम में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आगामी 4 जून के लिए तैयार मनेर का लड्डू रखें. यहां के लड्डू में बड़ी ताकत होती है. पीएम ने लोगों का उत्साह देखकर कहा कि ऐसा लग रहा कि आप लोग मनेर का लड्डू खाकर आए हैं. चुनाव के नतीजों का एग्जिट पोल चालू हो गया है. इंडी वाले गालियां दें तो मतलब साफ है कि एनडीए की सफलता का एग्जिट पोल आ गया है.

4 जून को नया रिकॉर्ड बनेगा. इसलिए 4 जून के लिए तैयार रखें मनेर का लड्डू. पीएम ने कहा कि आपके लिए 24 घंटे मेहनत करने वाला सिर्फ मोदी है. दूसरी तरफ 24 घंटे आप से झूठ बोलने वाला इंडी गठबंधन है. एक तरफ मैं हूं, जो 24

बोले पीएम

- पटना के बिक्रम में भाजपा प्रत्याशी हैं रामकृपाल यादव
- रोहतास के काराकाट में हैं एनडीए प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा
- बक्सर में भाजपा के प्रत्याशी हैं मिथिलेश तिवारी

घंटे सातों दिन विकसित भारत बनाने में जुटा हूं. दूसरी तरफ यह इंडी गठबंधन है. इनके पास काम नहीं है. समय ही समय है. इसलिए उनकी छुट्टी कर दी गई है. कुछ जेल में रहते हैं, कुछ बाहर हैं. इंडी गठबंधन दिन हो या रात, मोदी को गाली देने में जुटे रहते हैं. पीएम मोदी ने कहा कि इंडी वालों का एक ही सूत्र है, अपना काम बनता-भाड़ में जाए जनता. बिहार में लालटेनिया लेकर घूम रहे हैं. ये लालटेन सिर्फ एक ही घर में रोशनी करती है.

चारों तरफ अंधेरा हो जाए तो हो जाए. 30 साल में इसने एक ही घर में रोशनी की और चारों तरफ अंधेरा किया. लालटेनियों ने बिहार में अंधेरा ही फैलाया है. दूसरे के बेटे-बेटियों को पूछते तक नहीं हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह चुनाव सांसद चुनने का नहीं बल्कि देश का पीएम चुनने का है. भारत को ऐसा पीएम चाहिए जो इस दमदार देश का दम दुनिया के सामने दमखम के साथ रख सके.

पीएम ने कहा कि भारत को ऐसा पीएम चाहिए जो दुनिया के सामने अपनी बात दमखम के साथ रख सके. वहीं दूसरी और यह इंडी वाले हैं. इनकी योजना पांच साल में पांच पीएम देने की है. ये पांच पीएम के दावेदार कौन-कौन हैं. गांधी परिवार का बेटा, सपा परिवार का बेटा, आप पार्टी के आका की पत्नी, नकली शिवसेना परिवार का बेटा. ये सारे परिवारवाद मिलकर पीएम की कुर्सी पर म्यूजिकल चेयर खेलना चाहते हैं.

पीएम ने कहा कि बिहार ने एससी, एसटी, ओबीसी आरक्षण के लिए लंबी लड़ाई लड़ी है. हमारा संविधान कहता है कि भारत में धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होगा. मगर राजद, कांग्रेस के लोग मुसलमानों को आरक्षण देना चाहते हैं. वर्ष 2024 के चुनाव में जब मैंने इन दलों की साजिश का पर्दाफाश किया तो इनकी एससी, एसटी और ओबीसी आरक्षण विरोधी करतूतें सामने आ गई हैं.

सारे शहजादों का शटर गिरने वाला है

बक्सर में पीएम नरेंद्र मोदी ने भोजपुरी भाषा में लोगों को प्रणाम किया. कहा कि अब साफ दिख रहा है कि सारे शहजादों का शटर गिरने वाला है. बिहार के शहजादे अब आराम से जमानत और अमानत का काम देखेंगे. कांग्रेस के शहजादे ने भी छुट्टियों की तैयारी भी शुरू कर दी है. यूपी के शहजादे को तो शायद सदमा लग गया होगा. कल कह रहे थे कि बनारस में मोदी चुनाव हारने वाला है. इतना ही नहीं इन्होंने यह भी कह दिया कि यूपी में 80 के 80 सीटें इंडी गठबंधन के लोग जीत रहे हैं. यूपी के शहजादे भाषण में यह बात बोल रहे थे. बार-बार साइकिल पंचर होने का सदमा लग गया या फिर कांग्रेस के शहजादे की संगत में आ गए. उन्हें ऐसी संगत से बचना चाहिए. 2024 के चुनाव में वैसे ही इनकी गपोड़बाजी खुल जाने वाली है, जैसे 2022 के विधानसभा चुनाव में हुआ. पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस और राजद वाले सामाजिक न्याय का मुखौटा पहने हुए हैं. अपने वोट बैंक के लिए यह लोग तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं.

चुनाव के बाद तेजस्वी का रोना शुरू हो जाएगा: शाहनवाज

संवाददाता । पटना

भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव पर पटलवार किया. राजद नेता के गाना गाने को लेकर शाहनवाज ने कहा कि अच्छा तेजस्वी यादव अब गाना भी गाने लगे हैं. शुरू से गाना गा रहे हैं. आज कल भाषण की जगह पर वह गाना गाने लगे हैं. गाना शुरू हो गया है.

चुनाव के बाद उनका रोना भी शुरू हो जाएगा. दरअसल, कुछ दिन पहले तेजस्वी ने गाने की लाइन सुनाते हुए कहा था कि ''टन टनाटन टनटन तारा, बीजेपी हो गई नौ दो ग्यारह''. तेजस्वी ने दावा करते हुए भाजपा बहुत जल्दी जा रही है. शनिवार को पटना एयरपोर्ट पर मीडिया के साथ बातचीत के दौरान शाहनवाज हुसैन ने कहा कि राजद गाना रोना कर रही है. इसका मतलब है कि उनका इस बार खाता भी नहीं खुल पाएगा. पिछली बार जीरो पर थे. इस बार भी जीरो हो जाएंगे. इसलिए भी अब गाना रोना शुरू हो गया है. शाहनवाज ने कहा कि आपको सिर्फ गाना दिख रहा है. कई लोगों को रोना भी दिख रहा है. वहीं जब शाहनवाज हुसैन से पूछा गया कि शशि थरूर कह रहे हैं कि भाजपा 300 से ज्यादा नहीं कर पाईगी तो उन्होंने कहा कि कांग्रेसी भी मान रहे हैं कि नरेंद्र मोदी की सरकार बन रही है. हमलोग मान रहे हैं कि इस बार हमलोग 400 के पार जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि कांग्रेस की आदत है वोट बैंक के लिए विरोध करने की. हम लोग ट्रिपल तलाक कानून जो लाए थे, उसका भी विरोध किया था कांग्रेस ने. वो वोट बैंक की राजनीति करना चाहती है.

पदाधिकारी पर हमले के मामले में तीन गिरफ्तार

जमुई । पदाधिकारी पर हमले के मामले में पुलिस ने तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया. घटना जिले के खैरा थाना क्षेत्र में हुआ था. बताया जाता है कि केंदुआ पेट्रोल पंप के पास सोनो प्रखंड के प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी उपेंद्र कुमार वर्मा के साथ जमुई लौटते वक्त पांच की संख्या में अपराधी तत्वों द्वारा मारपीट की गई थी. प्रारंभिक पूछताछ में यह जानकारी मिली थी कि उनकी गाड़ी को आपराधिक तत्वों द्वारा जबरदस्ती सड़क पर रोक दिया गया और उन्हें गाड़ी से उतार दिया गया. फिर, अपराधियों द्वारा उन्हें सड़क से थोड़ी दूर ले जाकर उनके साथ मारपीट करते हुए उन्हें गंभीर रूप से घायल किया गया. घटना के कुछ घंटों बाद ही जमुई डीएम राकेश कुमार और एसडीपीओ सतीश सुमन ने बीपीआरओ उपेंद्र वर्मा से उनके आवास पर मुलाकात की और कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया.

कारोबार

आईसीआईसीआई का प्रू प्लैटिनम लॉन्च

रांची । कंपनी का पहला यूनिट-लिंक्ड प्रोडक्ट आईसीआईसीआई प्रू प्लैटिनम लॉन्च किया गया. यह डिस्ट्रीब्यूटर पे-आउट को उनके ग्राहकों की फंड वैल्यू के अनुरूप बनाता है. यानी डिस्ट्रीब्यूटर कमीशन उनके ग्राहकों के एसेट अंडर मैनेजमेंट से जुड़ा होता है. बैंक के चीफ डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर अमित पाल्टा ने कहा कि जो डिस्ट्रीब्यूटर्स के भुगतान को उनके ग्राहकों के फंड मूल्य के अनुरूप बनाने और लंबी अवधि में दोनों के हितों को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया है.

भारत की वृद्धि का मॉडल चीन जैसा नहीं होगा

न्यूयॉर्क । भारत के विकास मिशन पर आगे बढ़ने के साथ यह साफ है कि उसका रास्ता चीन जैसा नहीं होगा, क्योंकि वहां अलग वातावरण और क्षमताएं हैं. क्षमता निर्माण आयोग के चेयरमैन आदिल जैनुलभाई ने यह बात कही. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को एक विकसित देश बनाने का सपना सामने रखा है, और इस बारे में कई दृष्टिकोण हैं और ''''हम मानते हैं कि यह अलग तरह से होगा. अगले 25 वर्षों के लिए भारत की वृद्धि का मॉडल चीन जैसा नहीं होगा.

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सीआईआई 363 है

नयी दिल्ली । आयकर विभाग ने अचल संपत्ति, प्रतिभूतियों और आभूषण की बिक्री से होने वाले दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ की गणना के लिए वित्त वर्ष 2024-25 के लिए लागत मुद्रास्फीति सूचकांक को अधिसूचित किया है. लागत मुद्रास्फीति सूचकांक (सीआईआई) का उपयोग करदाताओं द्वारा मुद्रास्फीति को समायोजित करने के बाद पूंजीगत संपत्तियों की बिक्री से होने वाले लाभ की गणना करने के लिए किया जाता है. केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) की एक अधिसूचना के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 (आकलन वर्ष 2025-26) के लिए सीआईआई 363 है. पिछले वित्त वर्ष के लिए सीआईआई 348 था और 2022-23 के लिए यह 331 था.

आईटी कंपनी गूगल ने करीब 2907 करोड़ रुपये का निवेश किया है

गूगल ने फ्लिपकार्ट में किया निवेश

भाषा । नयी दिल्ली

अमेरिकी कंपनी गूगल निवेश कर कारोबार का विस्तार करने में लगी है. इसी क्रम में गूगल ने वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट में निवेश किया है. दिग्गज आईटी कंपनी गूगल ने 350 मिलियन डॉलर यानी करीब 2907 करोड़ रुपये का निवेश किया है. फ्लिपकार्ट द्वारा एक अरब डॉलर हासिल करने के लिए किए जा रहे हालिया फंडिंग राउंड में गूगल ने ये इनवेस्टमेंट किया है. फ्लिपकार्ट ने यह राउंड साल 2023 में शुरू किया था.

इसके साथ ही वह फ्लिपकार्ट की पार्टनर बन गई है. अब भारतीय ईकॉमर्स सेक्टर में अमेजन, मीशो, जिओ मार्ट और टाटा डिजिटल को कड़ी टक्कर मिल सकती है. इससे भारत के ई-कॉमर्स सेक्टर में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है. फ्लिपकार्ट फंड जुटाने के लिए मौजूदा राउंड में एक अरब डॉलर जुटा रही है. फ्लिपकार्ट को अपनी मूल कंपनी एवं अमेरिकी रिटेल दिग्गज वॉलमार्ट से 60 करोड़ डॉलर का फाइनेंस सपोर्ट का आश्वासन भी मिला है. निवेश शर्तों से अवगत लोगों के मुताबिक, इस निवेश दौर में फ्लिपकार्ट का

गूगल फ्लिपकार्ट

- फ्लिपकार्ट का मूल्यांकन 35-36 बिलियन डॉलर आंका गया
- वॉलमार्ट कंपनी की भारतीय ई-रिटेलर में 85% हिस्सेदारी

मूल्यांकन 35-36 बिलियन डॉलर आंका गया है, जो कि फोनपे के समूह से अलग होने के बाद पिछले वर्ष 33 बिलियन डॉलर था. अमेरिकी खुदरा दिग्गज वॉलमार्ट, जिसकी भारतीय ई-रिटेलर में 85% हिस्सेदारी है, पिछले साल शुरू हुए इस फंडिंग अभियान में 600 मिलियन डॉलर का निवेश किया है.

इस फंडिंग राउंड से बेंगलुरु स्थित ईकॉमर्स फर्म की वैल्यूएशन लगभग पांच से 10% बढ़कर 36 अरब डॉलर हो सकती है. पिछली बार फ्लिपकार्ट की वैल्यूएशन 33 अरब डॉलर आंकी गई थी. वैल्यूएशन में यह कमी फोनपे के अलग होने के बाद आई थी. फिनटेक कंपनी फोनपे को दिसंबर, 2022 में फ्लिपकार्ट से हटाकर अलग कंपनी बना दिया गया था. मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने कहा कि गूगल ने यह सौदा इसलिए किया क्योंकि फ्लिपकार्ट ई-कॉमर्स सेक्टर में अग्रणी कंपनी है. कंपनी फंडिंग राउंड से मिले पैसों का इस्तेमाल अपने इंफ्रास्ट्रक्चर, सेलर सपोर्ट इकोसिस्टम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और जेनरेटिव एआई जैसी एडवांस टेक्नोलॉजी को बढ़ाने में करेगी. कंपनी के बयान में कहा गया है कि गूगल के प्रस्तावित निवेश और क्लाउड सहयोग से फ्लिपकार्ट को अपना कारोबार बढ़ाने और देश भर में ग्राहकों की सेवा के लिए अपने डिजिटल बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण में मदद मिलेगी. योजना से अवगत लोगों ने बताया कि ई-रिटेलर इस पूंजी का एक बड़ा हिस्सा अपने क्विक कॉमर्स व्यवसाय में निवेश करने के लिए इस्तेमाल करेगा, जिसे जुलाई में लॉन्च किया जाना है.

उम्मीद है कि फ्लिपकार्ट आने वाले सप्ताह में चुनिंदा स्थानों पर इस सेवा का ट्रायल शुरू कर देगा, उसके बाद इसे सभी कस्टमर्स के लिए खोल देगा. कंपनी ने कहा कि इससे देश भर में ग्राहकों को सेवा देने के लिए उसके डिजिटल बुनियादी ढांचे को मॉडर्न बनाने में मदद मिलेगी. साथ ही कंपनी को टियर-टू और थ्री शहरों और ग्रामीण भारत में अगले 20 करोड़ ग्राहकों तक पहुंचने में मदद मिलेगी. विशेषज्ञों की मानें तो भारत में ई-कॉमर्स एक उभरता बाजार है. साल 2030 तक भारत में ई-कॉमर्स मार्केट का साइज बढ़कर 325 बिलियन डॉलर पर पहुंच जाने वाला है. इस पर हर किसी की नजर है. ई-कॉमर्स के मार्केट में आने जा रही इस शानदार तेजी का फायदा डिजिटल इकोनॉमी को भी होने वाला है. अनुमान है कि साल 2030 तक भारत में डिजिटल अर्थव्यवस्था का आकार बढ़कर 800 बिलियन डॉलर पर पहुंच सकता है. अभी भारत में ई-कॉमर्स के मार्केट का साइज करीब 70 बिलियन डॉलर है.

यह भारत के कुल खुदरा बाजार का महज 7% है. दरअसल भारत में इंटरनेट की पहुंच का व्यापक स्तर पर विस्तार हुआ है. साल 2022 तक भारत की 52 फीसदी आबादी तक इंटरनेट पहुंच चुका था. यानी 2022 तक भारत में करीब 76 करोड़ लोग इंटरनेट का इस्तेमाल कर रहे थे.

मेघालय में निजी क्षेत्र से आएगा अब 8,000 करोड़ रुपये का निवेश

तूरा । मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के संगमा ने शनिवार को कहा कि प्रदेश चालू वित्त वर्ष में निजी क्षेत्र से 8,000 करोड़ रुपये के निवेश को आकर्षित करने के लिए तैयार है. उन्होंने इसका श्रेय राज्य को 10 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था में बदलने के उद्देश्य से लाई गई नई औद्योगिक नीति को दिया है. उन्होंने तुरा में ''मानव विकास नेतृत्व कार्यक्रम'' पर एक कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि मेघालय में निवेश नई औद्योगिक नीति का परिणाम है. इस नीति ने व्यापार सुगमता के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाया है. संगमा ने पिछली नीतियों को निवेशकों को हतोत्साहित करने वाला बताते हुए कहा कि प्रणाली थकाऊ और समय लेने वाली थी. हमारी नई औद्योगिक नीति ने एक निर्दिष्ट समयसीमा के भीतर विभिन्न वैधानिक जरूरतों को मंजूरी देने के लिए एक रूपरेखा प्रदान की है, जिससे निवेशकों को सुविधा हो रही है. उन्होंने खुलासा किया कि अकेले पिछले साल लगभग 4,000 करोड़ रुपये का निवेश जुटाया गया. इसमें 450 मेगावाट बिजली पैदा करने के लिए 2,500 करोड़ रुपये का ताप विद्युत संयंत्र, एक एथनॉल संयंत्र, एक पेय पदार्थ विनिर्माण इकाई और एक पांच सितारा होटल श्रृंखला शामिल है.

बिजली की अधिकतम मांग 240 गीगावाट पर पहुंची

नयी दिल्ली । भारत की बिजली मांग शुक्रवार को चालू सत्र की नई ऊंचाई 239.96 गीगावाट पर पहुंच गई. देश के विभिन्न हिस्सों में पारे के बढ़ते स्तर के कारण एयर कंडीशनर (एसी) और कूलर जैसे उपकरणों के अत्यधिक उपयोग के कारण बिजली की मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची है. बिजली मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, बिजली की अधिकतम मांग या दिन में सबसे अधिक आपूर्ति शुक्रवार को 239.96 गीगावाट दर्ज की गई, जो इस साल गर्मी के मौसम में अब तक की अधिकतम है. बिजली मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, गुरुवार को यह 236.59 गीगावाट थी, जबकि बुधवार को बिजली की अधिकतम मांग 235.06 गीगावाट थी. बिजली की मांग का सर्वकालिक उच्च स्तर 243.27 गीगावाट सितंबर, 2023 में दर्ज किया गया था. इस गर्मी के मौसम में यह रिकॉर्ड टूट सकता है. इसी महीने बिजली मंत्रालय ने मई के लिए दिन के दौरान 235 गीगावाट और शाम के समय 225 गीगावाट और जून, 2024 के लिए दिन के दौरान 240 गीगावाट और शाम के समय 235 गीगावाट की अधिकतम बिजली मांग का अनुमान लगाया था. उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि मई में बिजली की मांग पहले से ही 240 गीगावाट के स्तर के आसपास है.

भारत में स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र परिपक्व: राघवन

नयी दिल्ली । अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) के वरिष्ठ अधिकारी कुमार राघवन ने कहा है कि भारत में स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र परिपक्व है और इसमें कई अनुकूल परिस्थितियां भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रेरित कर रही हैं. राघवन भारत और दक्षिण एशिया में एडब्ल्यूएस के स्टार्टअप प्रमुख हैं. राघवन ने पीटीआई-भाषा से जीवंत भारतीय स्टार्टअप परिदृश्य पर चर्चा की और इसकी ताकत तथा नवाचार क्षमता पर प्रकाश डाला. हम पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं. इसमें योगदान देंने वाले कारक श्रम वृद्धि, बुनियादी ढांचे की वृद्धि और दक्षता में सुधार हैं, जहां रचनात्मक कृत्रिम मेधा (जेनएआई) जैसी प्रौद्योगिकियां अपनी भूमिका निभाएंगी. इनके अलावा एक बड़े डेवलपर पारिस्थितिकी तंत्र की मौजूदगी, देश में उत्पाद बनाने और दुनिया भर में सेवा देने की क्षमता और उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना जैसी नियामक अनुकूल परिस्थितियां भी हैं.

ईआईडी पैरी इंडिया का शुद्ध लाभ 294.30 करोड़ रुपये

चेन्नई । ईआईडी पैरी इंडिया लिमिटेड का जनवरी-मार्च, 2024 तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 294.30 करोड़ रुपये रहा है. कंपनी ने बताया कि पिछले साल समान तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 286.90 करोड़ रुपये रहा था. कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन पर प्रबंध निदेशक एस सुरेश ने कहा कि शून्य निर्यात, उच्च गन्ना लागत, गन्ने से कम वसूली और सरकार की डिस्टेलरी उत्पाद मिश्रण नीति में बदलाव के कारण पिछले वर्ष की तुलना में एकल चीनी खंड का परिचालन प्रदर्शन कम था. वित्त वर्ष 2023-24 के लिए एकीकृत कर पश्चात लाभ घटकर 1,617.57 करोड़ रुपये रह गया, जो एक साल पहले समान अवधि में 1,827.74 करोड़ रुपये था. समीक्षाधीन तिमाही के दौरान एकीकृत कुल आय घटकर 5,680.02 करोड़ रुपये रह गई, जबकि उससे पिछले वर्ष की इसी तिमाही में यह 6,865.28 करोड़ रुपये थी. पिछले वित्त वर्ष के लिए एकीकृत कुल आय घटकर 29,716.92 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले 35,283.02 करोड़ रुपये थी.

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सीसीआई से मांगी मंजूरी

नयी दिल्ली । अरबपति कारोबारी मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने वायाकॉम18 और स्टार इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसआईपीएल) के विलय के लिए भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) से मंजूरी मांगी है. सीसीआई ने शुक्रवार को कहा कि प्रस्तावित लेनदेन का मकसद वायाकॉम18 और एसआईपीएल के मनोरंजन व्यवसायों (कुछ अन्य चिन्हित व्यवसायों के साथ) को जोड़ना है. वायाकॉम18, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) समूह का हिस्सा है, जबकि द वॉल्ट डिज्नी कंपनी (टीडब्ल्यूडीसी) के पास एसआईपीएल का स्वामित्व है. नियामक ने कहा कि लेनदेन के बाद एसआईपीएल एक संयुक्त उद्यम (जेवी) बन जाएगी, जिसे आरआईएल, वायाकॉम18 और टीडब्ल्यूडीसी की सहायक कंपनियों द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया जाएगा. आरआईएल ने नोटिस में कहा कि प्रस्तावित लेनदेन से भारत में प्रतिस्पर्धा पर कोई उल्लेखनीय प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा.

अर्थव्यवस्था

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 17 मई को समाप्त सप्ताह में 4.55 अरब डॉलर बढ़ गया

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 648.7 अरब डॉलर

भाषा । नयी दिल्ली

देश की मजबूत अर्थव्यवस्था का असर दिखने लगा है. इसी का असर है कि आज भारत का विदेशी मुद्र भंडार तेजी से बढ़ रहा है.

आरबीआई ने विदेशी मुद्रा भंडार से जुड़े लेटेस्ट आंकड़े पेश किए. इसमें 17 मई को समाप्त हुए सप्ताह तक मौजूद देश के विदेशी मुद्रा भंडार की जानकारी दी गई. जिसमें विदेशी मुद्रा भंडार 17 मई को समाप्त सप्ताह में 4.55 अरब डॉलर बढ़ गया.

इस बढ़त के साथ यह 648.7 अरब डॉलर के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया. यह विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी का लगातार तीसरा सप्ताह है. इससे पहले के सप्ताह में यह 2.56 अरब डॉलर बढ़कर 644.15 अरब डॉलर रहा था. पांच अप्रैल को समाप्त सप्ताह में यह 648.56 अरब डॉलर के सर्वकालिक ऊंचे स्तर पर पहुंच गया था.

भारत की तरह ही 17 मई खत्म हुए हफ्ते के दौरान पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार में भी इजाफा हुआ है. यह 2.20 करोड़ डॉलर बढ़कर 9.2 अरब डॉलर पर पहुंच गया. भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, 17 मई को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां (एफसीए) 3.36 अरब डॉलर बढ़कर 569.01 अरब डॉलर हो गई. डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है.

एफसीए का इस्तेमाल केवल उन लेनदेन के लिए किया जा सकता है जो विदेशी मुद्रा में किए जाते हैं.

विदेशी मुद्रा

- विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी का तीसरा सप्ताह है
- पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार 9.2 अरब डॉलर

इसका उपयोग घरेलू लेनदेन के लिए नहीं किया जाता है. रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण आरक्षित भंडार यानी गोल्ड रिजर्व का मूल्य 1.24 अरब डॉलर बढ़कर 57.19 अरब डॉलर हो गया. विशेष आहरण अधिकार यानी एसडीआर 11.3 करोड़ डॉलर की बढ़त के साथ 18.17 अरब डॉलर हो गया. रिजर्व बैंक के मुताबिक, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित जमा 16.8 करोड़ डॉलर घटकर 4.33 अरब डॉलर रह गई.

ब्रीफ खबरें

हिमाचल में सड़क दुर्घटना, 13 घायल

मंडी । हिमाचल प्रदेश के मंडी में शनिवार को 13 पर्यटक उस समय घायल हो गए जब उनके वाहन की एक ट्रक से टक्कर हो गयी. पुलिस ने यह जानकारी दी. मंडी के सहायक पुलिस अधीक्षक सागर चंद ने कहा कि यह घटना शनिवार सुबह हुई जब 16 पर्यटकों को ले जा रहा टैंपो ट्रैवलर वाहन बारादिबीर के निकट सामने से आ रहे एक ट्रक से टकरा गया. पुलिस ने कहा कि सभी घायलों को जोनल अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां वे खतरे से बाहर हैं.

मप्र में तीन बच्चों की नदी में डूबने से मौत

आगर मालवा (मप्र) । मध्य प्रदेश के आगर मालवा जिले में दो भाई-बहनों समेत तीन बच्चों की नदी में डूबने से मौत हो गयी. पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी. नलखेड़ा पुलिस थाने के प्रभारी शशि उपाध्याय ने बताया कि यह घटना शुक्रवार शाम जिला मुख्यालय से करीब 35 किलोमीटर दूर चल्दा गांव में हुई. पुलिस अधिकारी ने बताया कि परिवार के एक सदस्य की मृत्यु हो गई थी और अंतिम संस्कार के बाद कुछ महिलाएं लखुंदर नदी में स्नान करने गई थीं.

निर्दलीय विधायक की हार्ट अटैक से मौत

गुरुग्राम । बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय विधायक राकेश दौलताबाद की शनिवार सुबह दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई. पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस ने कहा कि 45 वर्षीय विधायक को सुबह दिल का दौरा पड़ा, जिसके बाद उन्हें एक निजी अस्पताल ले जाया गया. पुलिस के अनुसार यहां पालम विहार में मनिपाल अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई. दौलताबाद ने 2019 के विस चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर जीत हासिल की थी.

मशहूर डायरेक्टर भारती का निधन

मुंबई । हिंदी सिनेमा के मशहूर फिल्म डायरेक्टर सिकंदर भारती का निधन हो गया. वो 60 साल के थे और 24 मई को मुंबई में उन्होंने अंतिम सांस ली. 25 मई को सुबह 11 बजे ओशिवारा शमशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया. फिल्म जगत की कई बड़ी हस्तियां उनके अंतिम संस्कार में पहुंचीं. डायरेक्टर ने 'घर का चिराग', 'जालिम', 'रुपए दस करोड़', 'भाई भाई', 'सैनिक सिर उठा के जियो', 'दंडनायक', 'रंगीला राजा', 'पुलिस वाला' और 'दो फंटूश' जैसी फिल्में बनाई थीं.

यूक्रेन ने खार्किव क्षेत्र के इलाकों को वापस लिया

कीव । यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि यूक्रेनी बलों ने पूर्वोत्तर खार्किव क्षेत्र के उन इलाकों में नियंत्रण हासिल कर लिया है,जहां रूसी सैनिकों ने इस महीने की शुरुआत में प्रवेश किया था. जेलेंस्की ने शुक्रवार शाम को अपने वीडियो संबोधन में कहा, हमारे सैनिक अब उस सीमा क्षेत्र में नियंत्रण लेने में सफल हो गए हैं जहां रूसी सैनिक घुस आए थे. जेलेंस्की का बयान रूसी अधिकारियों द्वारा की गई टिप्पणियों से भिन्न नजर आता है. रूसी सरकारी समाचार एजेंसी 'तास' की खबर के अनुसार रूस की संसद के निचले सदन के सदस्य विक्टर वोडोलात्स्की ने कहा कि रूसी सेना ने अब सीमा के अंदर तीन मील वोवचांस्क शहर के आधे से अधिक हिस्से पर नियंत्रण कर लिया है.

कैमरे की नजर में
लोकसभा चुनाव : 2024

प्रियंका गोरखपुर में इंडी गठबंधन की उम्मीदवार के समर्थन में बोलीं

परिवार के मुखिया को आंखों की शर्म नहीं खोनी चाहिए थी

एजेंसी ।गोरखपुर (उप्र)

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार में दिये गये भाषण पर तीखा पलटवार करते हुए कहा कि परिवार के मुखिया को कभी आंखों की शर्म नहीं खोनी चाहिए. गोरखपुर में सपा प्रमुख अखिलेश यादव की मौजूदगी में 'इंडिया' गठबंधन की गोरखपुर की उम्मीदवार काजल निषाद और बांसगांव संसदीय क्षेत्र के उम्मीदवार सदल प्रसाद के समर्थन में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने भोजपुरी में रऊवा सभे के राम-राम बोलकर भीड़ का अभिवादन किया. उन्होंने बिहार की एक चुनावी सभा में प्रधानमंत्री मोदी के दिये गये भाषण का जिक्र करते हुए कहा, मोदी जी ने बिहार में भाषण दिया और विपक्ष के नेताओं के लिए ऐसे-ऐसे शब्द बोले जो देश के इतिहास में किसी पीएम ने नहीं बोले होंगे. गांधी ने प्रसिद्ध संत बाबा गोरखनाथ की एक रचना मन में रहिबा, भेद न करिबा बोलबा अमृतवाणी...सुनाते हुए कहा, प्रधानमंत्री पद का पूरा देश आदर करता है, हम भी आदर करते हैं. उन्होंने जनता से सवाल करते हुए कहा, आपकी आस्था, आपकी आशाएं, मोदी जी से एक समय में जुड़ी थीं, लेकिन क्या पीएम की जिम्मेदारी नहीं बनती कि वह पद की गरिमा रखें, पद की मर्यादा रखें.

देश आपके परिवार समान है

कांग्रेस नेता ने तंज किया, आज जिस-जिस तरह से वह (मोदी) बोल रहे हैं, अफसोस की बात ये है कि उनकी असलियत दिखाई देने लगी है. प्रधानमंत्री को सीधे लक्ष्य करते हुए कांग्रेस महासचिव ने कहा, मोदी जी आप देश के प्रधानमंत्री हैं, इतनी भी अपनी असलियत मत दिखाइए. आपने देश को अपना परिवार कहा है, देश आपके परिवार समान है. नसीहत भरे अंदाज में प्रियंका ने कहा, परिवार का जो मुखिया होता है, हमेशा परिवार के सदस्यों की एक-दूसरे के प्रति आंखों की एक शर्म होती है, वह नहीं खोनी चाहिए, वह हमेशा रखनी चाहिए. उन्होंने आरोप लगाया, प्रधानमंत्री जी बौखलाहट में आ गए हैं. वह भूल गये हैं कि देश के प्रतिनिधि हैं, आपके प्रतिनिधि हैं और इस तरह के शब्द उनके मुंह से नहीं निकलने चाहिए. इससे पहले दिन में, पटना की एक चुनावी रैली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' पर तीखा हमला किया और उस पर मुस्लिम वोट बैंक के लिए गुलामी और मुजरा करने का आरोप लगाया. कांग्रेस महासचिव ने दावा किया कि देश में आज 70 करोड़ लोग बेरोजगार हैं और 45 साल में सबसे ज्यादा आज देश में बेरोजगारी है, यह सबसे बड़ी समस्या है.

ध्यान भटकाने की राजनीति के खिलाफ वोट करे जनता : खरगे

नयी दिल्ली । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लोकसभा चुनाव के छठे चरण का मतदान आरंभ होने के बाद शनिवार को लोगों का आह्वान किया कि वे एकता, न्याय और रोजमर्रा के जरूरी मुद्दों पर तथा नफरत, जुमलों और ध्यान भटकाने की राजनीति के खिलाफ वोट करें. खरगे ने यह दावा भी किया की पांच चरणों के मतदान के बाद तानाशाह की कुर्सी डगमगा रही है इसलिए बौखलाहट के स्वर चरम पर हैं. लोकसभा चुनाव के छठे चरण में शनिवार को 58 सीट पर मतदान हो रहा है. खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मेरे प्रिय देशवासियों, लोकतंत्र और संविधान को सुरक्षित करने का ये संघर्ष अपने आख़िरी दो चरणों में आ गया है. आज छठे चरण का मतदान है और वोट जरूर देना है.

उन्होंने लोगों से अपील की, एकता, न्याय और रोजमर्रा के जरूरी मुद्दों पर वोट डालिए. नफ़रत, जुमलों और ध्यान भटकाने की राजनीति के ख़िलाफ़ वोट डालिए. खरगे ने कहा, क्या आपको न्याय संगत राजनीति नहीं चाहिये? ऐसी आर्थिक व सामाजिक सुरक्षा हो जिसमें युवा न्याय, किसान न्याय, नारी न्याय, श्रमिक न्याय और हिस्सेदारी न्याय के तहत हम एक प्रगतिशील व समावेशी भारत का निर्माण करें. अगर चाहिए तो ऐसे भारत के निर्माण के लिए वोट जरूर करें. उन्होंने कहा, याद रखिए आज ही का दिन है जब आप सालों से फैली भयावह बेरोजगारी व बेलगाम महंगाई को हरा पाएंगे. आज ही का दिन है जब आप दलितों, आदिवासियों व पिछड़े वर्गों के आरक्षण को सुरक्षित रख पाएंगे.

अखिलेश यादव ने देवरिया में जनसभा को संबोधित किया, बोले-

चार को भाजपा का सफाया हो जाएगा

एजेंसी ।देवरिया (उप्र)

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को दावा किया कि चार जून को जब मतगणना होगी तो उत्तर प्रदेश से भाजपा का सफाया हो जाएगा. यादव यहां देवरिया लोकसभा क्षेत्र से विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलेपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) से कांग्रेस के उम्मीदवार अखिलेश प्रताप सिंह और कुशीनगर लोकसभा क्षेत्र से सपा उम्मीदवार अजय कुमार सिंह के समर्थन में एक संयुक्त चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे.

सपा प्रमुख ने जनता का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि जनता खुद चुनाव लड़ रही है और पहले चरण से ही जनता ने चुनाव अपने हाथ में ले लिया है. उन्होंने कहा इस बार उत्तर प्रदेश में जो हवा चली है, ये जो माहौल बना है और जिस तरह 'इंडिया' गठबंधन को समर्थन मिल रहा है, मुझे पूरा भरोसा है कि चार जून को भाजपा का उत्तर प्रदेश से सफाया होना तय है.

यादव ने यह भी दावा किया कि चार जून को मंत्रिमंडल तो बदलेगा ही, मीडिया मंडल भी बदलेगा. भाजपा पर चुनावी बाण्ड के नाम पर बड़े-बड़े उद्योगपतियों से चंदा वसूलने का आरोप लगाते हुए यादव ने दावा किया कि इसी वजह से देश में महंगाई बढ़ गयी क्योंकि जिन कंपनियों ने चंदा दिया उन्होंने मुनाफा कमाने के लिए महंगाई बढ़ाई. यादव ने परोक्ष रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि यह चुनाव आने वाली पीढ़ी के भविष्य का चुनाव है और जो लोग मन की बात करते थे, जो मनमर्जी थे, उनसे कहना चाहते हैं कि अब मन की बात नहीं चलेगी, अब संविधान की बात चलेगी.

पुणे कार दुर्घटना : किशोर के दादा गिरफ्तार हुए

पुणे (महाराष्ट्र) । पुणे पुलिस ने पोर्श कार दुर्घटना में कथित तौर पर शामिल 17 वर्षीय लड़के के दादा को उनके परिवार के वाहन चालक को 'बंधक' बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया है. एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि इस मामले में किशोर के पिता विशाल अग्रवाल पर भी मुकदमा दर्ज किया गया है. वह अभी कार दुर्घटना के संबंध में न्यायिक हिरासत में हैं. इससे एक दिन पहले, पुणे पुलिस प्रमुख अमितेश कुमार ने कहा था कि यह दिखाने का प्रयास किया गया है कि कार किशोर नहीं चला रहा था.

उन्होंने बताया कि किशोर के परिवार के वाहन चालक की शिकायत पर यरवडा पुलिस ने किशोर के दादा और पिता के खिलाफ एक अलग मुकदमा दर्ज किया है. उन्होंने बताया कि दोनों पर मामला दर्ज किया गया है.

छत्तीसगढ़ की फैक्टरी में विस्फोट

एक व्यक्ति की मौत, कम से कम छह लोग घायल हुए

एजेंसी ।बेमेतरा

छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में शनिवार को विस्फोटक बनाने वाली एक फैक्टरी में विस्फोट से एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए. जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट बेरला विकासखंड के पिरदा गांव के पास स्थित विस्फोटक बनाने वाली फैक्टरी में हुआ. उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के तुरंत बाद पुलिस और बचाव दल घटनास्थल पर पहुंचे. रायपुर के डॉक्टर भीमराव अंबेडकर अस्पताल की जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) शुभ्रा सिंह ने बताया, विस्फोट में घायल हुए छह लोगों को इलाज के लिए डॉ बीआर अंबेडकर मेमोरियल अस्पताल रायपुर लाया गया है. जबकि एक व्यक्ति की मौत हो गई है. उन्होंने बताया कि घायलों का इलाज जारी है. घटनास्थल पर संवाददाताओं से बातचीत में बेमेतरा के जिलाधिकारी रणबीर शर्मा ने कहा कि घटनास्थल पर दमकल विभाग की टीम और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के जवान तैनात किए गए हैं. शर्मा ने बताया कि घटनास्थल से मलबा साफ होने के तीन-चार घंटे बाद स्थिति स्पष्ट होगी. उन्होंने बताया कि छह घायलों को इलाज के लिए रायपुर भेजा गया है. कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने स्थानीय समाचार चैनलों को बताया कि विस्फोट के समय फैक्टरी में कम से कम 100 लोग काम कर रहे थे, तथा कई लोग लापता हैं.

नासा भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को आधुनिक प्रशिक्षण देगी : गार्सेटी

वाशिंगटन । अमेरिका के शीर्ष राजनयिक एरिक गार्सेटी ने कहा कि अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र के लिए संयुक्त प्रयासों को बढ़ाने के उद्देश्य से भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को जल्द ही आधुनिक प्रशिक्षण मुहैया कराएगी. भारत में अमेरिका के राजदूत गार्सेटी ने अमेरिका-भारत वाणिज्यिक अंतरिक्ष सम्मेलन : अमेरिका और भारतीय अंतरिक्ष स्टार्टअप के लिए अवसरों की शुरुआत कार्यक्रम में ये टिप्पणियां की. इस कार्यक्रम का आयोजन बेंगलुरु में यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल और यूएस कमर्शियल सर्विस ने किया है. यूएसआईबीसी ने यहां जारी एक बयान में गार्सेटी के हवाले से कहा, नासा अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र के लिए संयुक्त प्रयास बढ़ाने के उद्देश्य से जल्द ही भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को आधुनिक प्रशिक्षण मुहैया कराएगी.

हमीरपुर में गरजे अमित शाह, बोले

पाक के कब्जे वाला कश्मीर हमारा है, हम उसे लेकर रहेंगे

एजेंसी ।शिमला

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके)भारत का हिस्सा है और हम उसे लेकर रहेंगे. उन्होंने पड़ोसी देश के पास परमाणु बम होने संबंधी बयान को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा. शाह ने हमीरपुर लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के समर्थन में ऊना जिले के अम्ब में एक रैली में कहा, पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर हमारा है, हमारा रहेगा और हम इसे लेकर रहेंगे. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनाव के पहले पांच चरणों में 310 सीटें जीत ली हैं और छठे तथा आखिरी चरणों के चुनाव में 400 पार का लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा जबकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी 40 सीटों तक सीमित रहेंगे. शाह ने रैली में लोगों से यह पूछकर कांग्रेस पर निशाना साधा कि अगर वह सत्ता में आती है तो प्रधानमंत्री कौन होगा. उन्होंने राज्य में भाजपा की सरकार बनाने के लिए छह विधानसभा सीटों पर उपचुनाव में भाजपा को विजयी बनाने और '400-पार' का लक्ष्य हासिल करने में मदद करने की अपील की.

राजकोट के टीआरपी गेमिंग जोन में भयंकर आग से 24 की मौत

राजकोट। गुजरात में राजकोट के टीआरपी गेमिंग जोन में भयंकर आग लगने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 24 हो गई है. दोपहर में लगी आग पर काबू पा लिया गया. ये घटना शनिवार की है और राजकोट के पुलिस कमिश्नर ने कहा कि हम इसकी जांच कर रहे है कि आग के पीछे की वजह क्या है. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि शहर के सभी गेमिंग जोन को बंद करने का मैसेज जारी किया गया है. इस घटना पर पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, राजकोट में आग लगने की घटना से बेहद व्यथित हूं. मेरी संवेदनाएं उन सभी के साथ हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है. घायलों के लिए प्रार्थना करता हूं. स्थानीय प्रशासन पीड़ितों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए काम कर रहा है. शव इस हद तक जल गए कि उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया.

मुख्य निर्वाचन आयुक्त बोले

जम्मू-कश्मीर में विस चुनाव प्रक्रिया जल्द शुरू होगी

एजेंसी ।नयी दिल्ली

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने शनिवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत से उत्साहित निर्वाचन आयोग बहुत जल्द केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव कराने की प्रक्रिया शुरू करेगा. उन्होंने 'पीटीआई-वीडियो' से यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग अपनी सरकार पाने के हकदार हैं. जम्मू-कश्मीर की विभिन्न सीट पर मतदान प्रतिशत और विधानसभा चुनाव के बारे में पूछे गये सवाल का जवाब देते हुए कुमार ने कहा कि संसदीय चुनावों में लोगों की भागीदारी से निर्वाचन आयोग बहुत उत्साहित है. उन्होंने कहा, लोग युवा, महिलाएं खुशी-खुशी बड़ी संख्या में (मतदान के लिए) निकल रहे हैं. लोकतंत्र की जड़ें और मजबूत हो रही हैं, लोग भाग ले रहे हैं. मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा, वे अपनी सरकार पाने के हकदार हैं. हम बहुत जल्द ही वह प्रक्रिया शुरू करेंगे. ऐसा करने के लिए बहुत उत्साहित हूं. मार्च में लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा करते हुए, कुमार ने कहा था कि विधानसभा और संसदीय चुनाव एक साथ कराना साजो-सामान और सुरक्षा कारणों से व्यावहारिक नहीं है. जम्मू-कश्मीर में चुनावी प्रक्रिया आमतौर पर एक महीने तक चलती है. परिसीमन की कवायद के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को आवंटित सीट को छोड़कर, विधानसभा सीट की संख्या 83 से बढ़कर 90 हो गई है. उच्चतम न्यायालय ने दिसंबर में निर्वाचन आयोग को 30 सितंबर तक जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने का निर्देश दिया था.

कान फिल्म महोत्सव | फिल्म शेमलेस के प्रमुख कलाकारों में से अनसुया सेनगुप्ता ने रचा इतिहास

अनसर्टेन रिगार्ड श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीता

एजेंसी ।कान (फ्रांस)

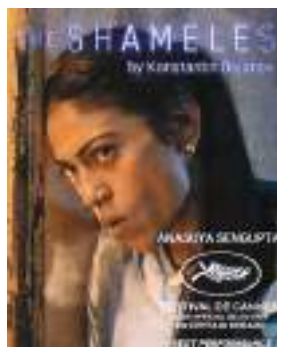

बुल्गारिया के निर्देशक कॉन्स्टांटिन बोजानोव की हिंदी भाषी फिल्म द शेमलेस के प्रमुख कलाकारों में से एक अनसुया सेनगुप्ता ने 2024 के कान फिल्म महोत्सव में अनसर्टेन रिगार्ड श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीतकर इतिहास रच दिया है. कोलकाता की रहने वाली सेनगुप्ता इस श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय हैं.

यह इस प्रतिष्ठित फिल्म महोत्सव में भारत के लिए एक अहम उपलब्धि है. कान महोत्सव का समापन शनिवार को हो गया. पुरस्कार लेते हुए शुक्रवार रात को सेनगुप्ता ने इसे दुनियाभर में अपने अधिकारों के वास्ते बहादुरी से लड़ने के लिए समलैंगिक समुदाय और अन्य वंचित समुदायों को समर्पित किया. उन्होंने कहा, समानता के लिए लड़ने के लिए आपको समलैंगिक होने की जरूरत नहीं है- हमें बस बहुत, बहुत सभ्य इंसान बनने की जरूरत है.

'द शेमलेस' का 17 मई को कान में सर्वप्रथम प्रदर्शित किया गया था. शोषण और दुख की अंधेरी दुनिया को दिखाने वाली यह फिल्म दो यौन कर्मियों की कहानी है जो अपनी बेड़ियां तोड़ना चाहती हैं. इसमें सेनगुप्ता ने रेणुका का किरदार निभाया है जो एक पुलिसकर्मी की हत्या करने के बाद दिल्ली के एक वेश्यालय से भाग जाती है और उत्तर भारत में यौन कर्मियों के एक समुदाय के बीच रहने लग जाती है जहां उसकी मुलाकात देविका (ओमारा) से होती है. ब्रिटिश-भारतीय फिल्मकार संध्या सुरी की फिल्म संतोष को भी इस श्रेणी में नामांकित किया गया था लेकिन उसे कोई पुरस्कार नहीं मिल पाया. अन सर्टेन रिगार्ड श्रेणी का उद्देश्य सिनेमा के नए चलन, नए रास्तों और नए देशों को उजागर करना है. इस श्रेणी का शीर्ष पुरस्कार चीनी फिल्म निर्माता गोउ झेन की ब्लैक डॉग को मिला है.

पूर्व सांसद रेवती रमण सिंह को पुलिस ने हिरासत में लिया

प्रयागराज (उप्र) । लोकसभा चुनाव के छठे चरण के मतदान के दौरान प्रयागराज के करेली में शनिवार की दोपहर एक मतदान स्थल पर सहायक पुलिस आयुक्त पुष्कर वर्मा के साथ नोंकझोंक के बाद पूर्व सांसद और सपा के वरिष्ठ नेता रेवती रमण सिंह को पुलिस ने हिरासत में ले लिया. पुलिस उन्हें करेली थाने ले गई. इलाहाबाद सीट से कांग्रेस प्रत्याशी उज्जवल रमण सिंह के पिता रेवती रमण सिंह को पुलिस हिरासत में लिए जाने के बाद सपा और कांग्रेस के कई नेता और कार्यकर्ता थाने के बाहर एकत्रित हो गए. पुलिस के एक अधिकारी ने बताया की कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पीएसी कर्मियों को भी थाने के आसपास तैनात किया गया है.

निष्पक्ष चुनाव हुआ तो भाजपा सत्ता से बाहर होगी : मायावती

एजेंसी ।गोरखपुर (उप्र)

पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने शनिवार को दावा किया कि अगर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव हुआ तो भाजपा और उनके सहयोगी सत्ता से बाहर हो जाएंगे. बसपा प्रमुख मायावती ने गोरखपुर लोकसभा क्षेत्र के बसपा उम्मीदवार जावेद सिमनानी के समर्थन में आयोजित चुनावी रैली में कहा, जैसे लंबे समय तक सत्ता में रही कांग्रेस अपनी गलत नीतियों के कारण देश और राज्यों में सत्ता से बाहर हो गयी, उसी तरह भाजपा भी सत्ता से बाहर हो जाएगी बशर्ते निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव हो और वोटिंग मशीन में कोई गड़बड़ी न हो. मायावती ने समाजवादी पार्टी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उसने बसपा सरकार में बहुजन नेताओं के नाम पर रखे गए जिलों के नाम बदल दिए. उन्होंने कहा, जब सपा सत्ता में थी तो उसने उन जिलों और संस्थानों के नाम बदल दिए जो हमने अपने संतों और गुरुओं के नाम पर बनाए थे. इससे इन संतों और गुरुओं के प्रति उनकी (सपा की) बुरी मंशा का पता चलता है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)